

- वैश्विक परिवृक्ष्य (World Scenario) → :- द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से पर्याप्त समय में भारत की विदेशी नीति
- भारत की विदेशी नीति
- :- पर्याप्त समय में भारत की विदेशी नीति

Syllabus

- नेहरू से मोदी तक
- पर्याप्त P.M. [मोदी] के बमक्ष - चुनावी नीतियाँ
- चुनावी नीतियों के समाधान के लिए अपनायी गई नीतियाँ
- मोदी जी के विदेशी नीति के साधन
- मोदी जी के विदेशी नीतियों की समीक्षा
- विदेशी नीति की मिथारित करने वाले तत्व

- भारत और उसके पड़ीसी देश
- भारत और मध्य दक्षिण अमेरिका

South Korea	खस, फ्रांस
North Korea.	चीन, जनास
	U.A.E., इंजामपत्र
- विदेशी राजनीति देशों के लिए
- आजीका " "
- लेटिन अमेरिका " "
- आट्रेलिया " "
- भारत और वैश्विक खंडठन [UNO etc.]
- EU, Brexit
- भारत के EU के लिए संबंध
- SAARC, ASEAN, WASENAK, MTCR, Australia Group, Quad Group, SCO, BIMSTEC, BRICS, EPP, NSG
- Indian diaspora.

[अंतर्राष्ट्रीय संबंध]

** दो दो दो से अधिक देशों के बीच बनने पाए गाजैन्टिक, आर्थिक, सांस्कृतिक, सैन्य (Military), सामरिक (Strategic) संबंध अंतर्राष्ट्रीय संबंध हैं।

→ शाजगैतिक संबंध के आवाग → Democracy support लोकतंत्र का समर्थन, सुरक्षा परिषद में एक दूसरे की समर्थन (Security Council - UN), व्यापार मुद्दे।

→ सैन्य संबंध [Military Relations] :- अनुभास (exercise), प्रशिक्षण (training), Military equipment & production eg. → पनडुखी (Submarine) साथ मिलकर बनाना, सैनिक सामग्री का बेचवेन

→ Strategic [सामरिक संबंध] :- Military relations + technology support, information, terrorism support, maritime security (सैन्य संबंध), + तकनीकी व्यवस्था + सूचनाओं का आदान प्रदान, आंतरिक वाद के मुद्दे पर व्यवस्था, सामुद्रिक सुरक्षा [Guard.]

→ Culture (सांस्कृतिक संबंध) :- festival celebration [U.S.A → White house में Diwali], festival year [उत्तरपूर्वी], Culture Summit (सांस्कृतिक सम्मिलन) → [South East Asia Countries के साथ], language and literature study [गांधी एवं नारदिय अध्ययन] → eg. Indonesia में रामायण celebration, Thailand की Capital का अभियान

→ Economic relation & Bilateral Relation (द्विपक्षीय संबंध), त्रिभुजीय का व्यापार तथा व्यापारिक समझौते,

C.E.C.A Comprehensive Economic Cooperation Agreement
(सम्पूर्ण सामाजिक समझौता - सम्झौता)

* CEPA → Comprehensive Economic Partnership Agreement
16/05/2018 Scanned By Kanhaiya Lal
(समग्र आर्थिक समझौता (वार्षीय समझौता))

- C.E.CA → Tariff reduction (कर मुक्ति), व्यापार में बहुत कानूनी व्यापार के अवास लेवा क्षेत्र तथा निवेश परमी बहुत दिला भाता हैं।
- C.E.PA → व्यापार के अवास लेवा क्षेत्र तथा निवेश परमी बहुत दिला भाता हैं।

Recently → C.EPA → Japan (Recent), South Korea (पश्चात ये)
C.ECA → मलेशिया (Recent)

- C.ECA - प्राथमिक हैं]
- CEPA - द्वितीयक हैं] जैव श्री लंका के खाय सन 2002 में CECIA
देश 2004 में CEPA हुआ।
परिवर्तन

CEPA
16/05/2018

Nature of Relation

[संबंधी की उक्ति]

- Tension [टेंशन त्वार]
- Cooperation [सहयोग]

India - Pakistan

India - Bhutan

India - Russia

- Tension - Cooperation (तनाप के साथ सहयोग)

China - India.

- Cooperation - Tension (सहयोग के साथ तनाप)

America - India.

* राष्ट्रों के संबंधी के सदर्भ में अवधारणा :-

- मित्रराष्ट्र :- मित्र राष्ट्र उन्हें कहा जाता हैं जि खास सामरिक (सुरक्षा) वित्त साक्षी + पैचारिक समानता + आर्थिक मुद्दों पर सहयोग
- भाक्षिक मित्र :- विनों का सामर्ज्यस्थ ही, मतभीद की कोई संगमना न ही (National Ally)
- सहभागी राष्ट्र :- आर्थिक तथा व्यापार में एक दूसरे के सहयोगी हो (Partner Country)
- Military alliance :- लाभुक सुरक्षा के सिवाल्याएँ बने गठबंधन

सैन्य संबंधन

[उनारी, वारसा पैक्ट]

इसले आश्रम हैं. एक देश पर दुआ दूसरा दर्भी दैवी पर दूसरा माना जाता है।

- विश्व में 195 देश हैं - जिसमें 193 देश UNO के सदस्य हैं
- 2 देश → The holy see / The Vatican city और Palestine
UNO में शामिल नहीं हैं
- इन 195 देशों में ताइवान [चीन के कारण], The cook Island
तथा Niue [newzealand के बाष्प राजशाही के छरा खुड़े हुये हैं]
लेकिन इन दोनों को अधिकार है कि अष्ट दीनी देश अन्य देशों
के बाष्प विपक्षीय स्वरूप बना सकते हैं | e.g. अष्ट देश आस के
साथ Pacific का द्वितीय है।

29/3/18

गुरु निषेध \leftarrow • अधिकृतों की रक्षा
 औंदीवन • विकास की आवश्यकता
के कारण

प्रैक्टिक परिदृश्य

प्रैक्टिक की परिस्थिति की समझने के लिए तीन घटनाओं की समझा जा सकता है या तीन घागों में से कोई ज्ञान कठलाई है।

- 1) द्वितीय विश्व युद्ध के बाद का विश्व (1945-1990) \rightarrow द्विपूर्वीय विश्व
- 2) USSR के विभाजन के बाद का विश्व (1990-2001) \rightarrow Unipolar.
- 3) 9/11/2001 की घटना के बाद का विश्व

10) द्वितीय विश्व युद्ध के बाद का विश्व \rightarrow द्विपूर्वीय विश्व

World Condition : 1945 & 1990

प्रथम विश्व

\downarrow
पूर्जीवादीविश्व

\downarrow
नीतूष - USA

\downarrow
सौनिक गठबंधन

[NATO]

\downarrow
हिन्द- नवउपनिवेशवाद

द्वितीय विश्व

\downarrow
लाम्फ्रांसी

\downarrow
नीतूष USSR

\downarrow
सौनिक गठबंधन

[WARSA Pact]

\downarrow
हिन्द- पैचास्त्री सामूहिक्यवाद

तृतीय विश्व

\downarrow
लम्ब्या

\downarrow
लष्ण्यता

\downarrow
संरक्षण

\downarrow
आपूर्वपक्षता

\downarrow
विकास

\downarrow
गुटराजनीति द्वारा

\downarrow
NAM

Non Alignment movement
[मुट निरपेक्ष औंदीवन]

- 16/05/2018 Scanned By Kanhaiya Lal Khichi
- द्वितीय विश्व युद्ध के बाद अमेरिका सामूहिक्य का पतन हो चुका था और विश्व में वे नई विभिन्न ऊर्जा चुकी थीं → अमेरिका [USA] और USSR.
 - अमेरिका ने पूर्जीवादी देशों की साथ लेकर एक ग्रूप बनाया। इस ग्रूप नाम द्वारा आमूल्यक शुरू की थी खिलाफ [समूक्त रूप के विविध दलों का मुकाबला करते हैं]
 - जो खिलाफ पर था। इस समिक्षण गठबंधन का नाम था - [NATO]

NATO :- 4 April 1949 को बना

कार्यालय → बेलियम के ब्रुसेल्स में कार्यालय

Member → पर्वतानन्द में 29 states

इस ग्रूप ने अपना नाम द्वारा बनाया।

→ यह द्वितीय और एक दुख्य ग्रूप तैयार हो जी सामाजिक देशों का ग्रूप था जिसका नेतृत्व USSR ने किया।

इसके अपना एक समिक्षण गठबंधन बनाया। उस गठबंधन का

नाम था Warsaw Pact [1955-1991]

इसके बाद 15 May 1991 में CSTO बना।

Collective Security Treaty Organisation

कार्यालय → Moscow, Russia

Member → 6 member → Armenia (2002)

Belarus (2002)

Kazakhstan (2002)

Kyrgyzstan (2002)

Russia (2002)

Tajikistan (2002)

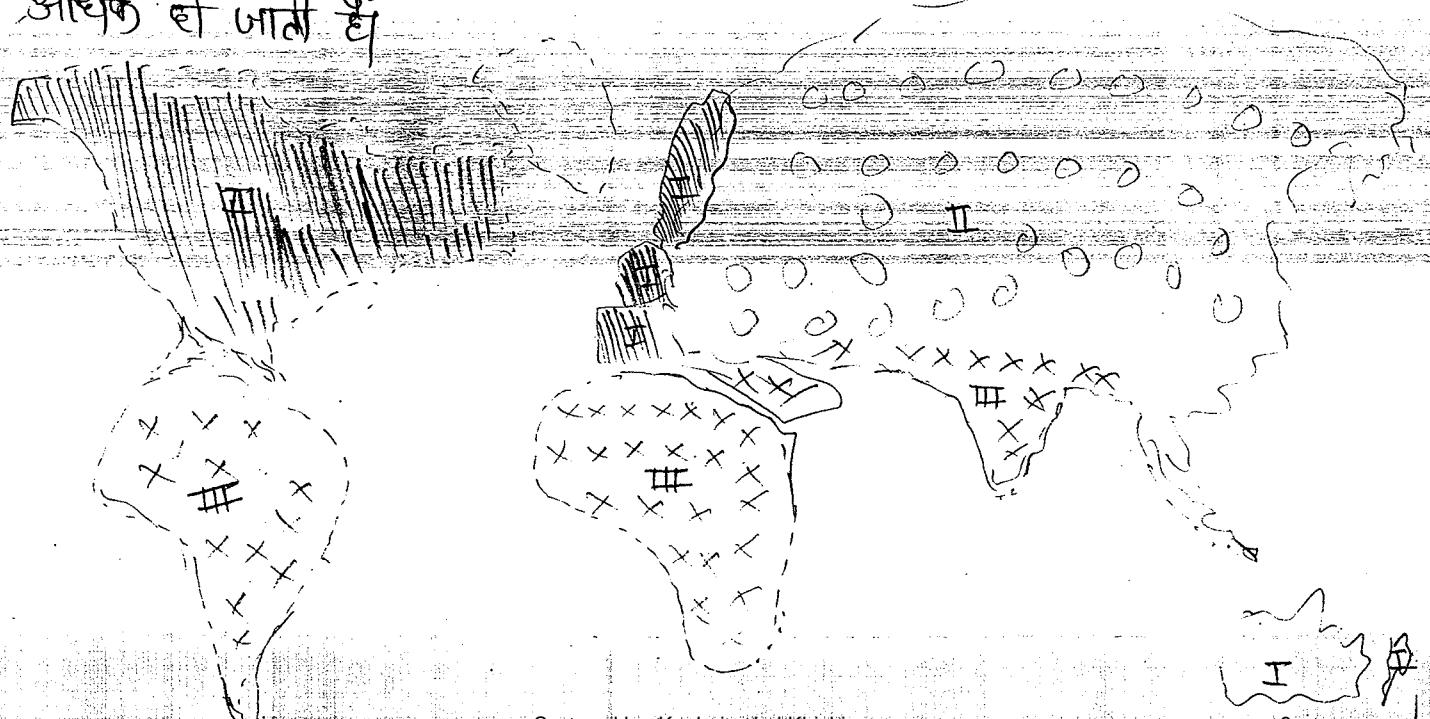
Official language - Russian.

1992 में स्थापना लेकिन ऑफिशियल कृप से 2002 है]

जहाँ अमेरिका नप उपनिषद् वाद [उपनिषद् वाद पर व्यवस्था भद्र संस्कृति
एवं जीवन पर नियंत्रण करने का उपाय जिसे जारी हस्तकी बद्धात्मत करता है
साम्राज्यवाद → (शाजनीतिक सत्ता पर नियंत्रण), ताप उपनिषद् वाद में शाजनीतिक
सत्ता पर नियंत्रण करे गई अनुदान तथा जटा आदि के माध्यम से
आधिक लाभ उठाना] तो वही USSR वैचालिक साम्राज्यवाद

[मिसारद्याय के माध्यम से जिली वेश्वा पर नियंत्रण करने का उपाय]
के माध्यम से उपने हितों की साधने एवं उपर्योग को सुरक्षित रखने
का उपाय कर रहे थे।

पहले दोनों दशाओं के बीच में एक संघर्ष धारमभूमि पर
संघर्ष था जिसे चूहा (Cold War)। इसलिए इस जीत कुहा के शाकित-संतुल
की स्थापना की। शाकित संतुलन एवं व्यवस्था - जहाँ पर काठड़
शाकित आपैत करके एक दूसरे काठड़ की संतुलित बनाये रखते हैं इस
व्यवस्था में चूहा की सम्भापना नगण्य होती है। लेकिन इसके विपरित यदि
एक काठड़ के पास आधिक शाकितयाँ आ जाती हैं तो चूहा की सम्भापना एवं
आधिक ही जाती हैं।



क्रीत युद्ध :- एक ऐसी हिताति जिसमें पैचारिक व्युता + गति विभिन्न
अपीलिंग + सजनभिर्ग गठ-जोड़ + सैन्य उत्तरपथ +
जायूसी + मनोवैज्ञानिक युद्ध आदि आते हैं,
जिसमें संक्षिप्त में नाकू मुद्दे भी इस पर सकते हैं।

कारण :- • अपीलिंग → [दोनों देशों का एक दूखे के लिए अपीलिंग]

- १९१७ की नीद्वीपिक क्रांति से ही अमेरिका Russia^{में} के पिछों था और अमेरिका अमर्नी की support द्वारा रहा था। गलि अमर्नी, Russia^{में} पर attack किया।

- विशेष प्रक्षय मुद्दे के दौरान Russia^{में} ने कई बाद अमेरिका से कहा था कि दूसरा भी यही घोटाला अमर्नी की कामित जी उमंजीर किया जाये तोकिन की America^{में} Russia^{में} की बात नहीं।

- Atomic weapon की जानकारी America^{में} के बावजूद की तरीकी से Russia^{में} की नहीं।

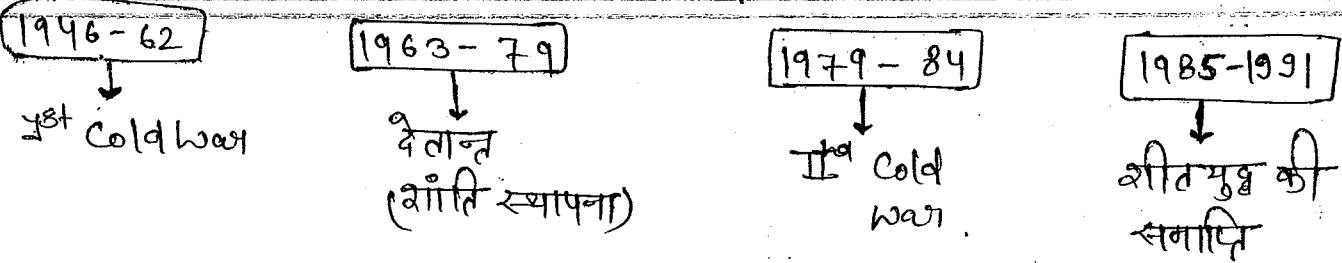
बन सकी अपीलिंग के कारण मुद्दे खत्म होने के बाद मुद्दे के दौरान किये गये समझौते जो तोड़ा गया कर दिये हैं।

- विशेष प्रक्षय मुद्दे में दोनों देश पिंजरी शाहद थे और ये दोनों ही मुद्दे के बाद हुआ था जो की हड्डना चाहते थे इसलिए बन्दीने अनेकी समझौते जी अपहृत गया तरना था जैसे:- USSR वे आल्या समझौता, बाल्फन समझौते की तोड़ा गया अमेरिका ने अंडलिंग समझौते की तोड़ा।

उमाप विस्तार की दौड़

- शूरोप में जमनी की समापि^{के} बाद USSR द्वारा उत्तर वेदा बना था। तथा USSR ने अल्बानिया + मुगेस्लीवाकिया + बुल्गारिया में क्रम्यनिय सरकार की स्थापना कर दुका था।
- अल्बीन की द्विवावनी USSR कर दुका था साथ ही Turkey की आपने दबाव में दे रखा था [इसी प्रणाले Turkey - Nato का member बन गया था]

वीत चुहु का दौर



- Ist Cold War (1946-62)
 - क्रमने लिखान → USA के द्वारा
 - [USSR उदां-जादा, USA बदां बदां]
 - जमनी विभाजन (Sep 1949 - Oct 1949)
 - चीन में लाम्बावी कीमति (10 Oct 1949)
 - कीरिया चुहु (1950 - 1953)
 - आइजन दावर लिखान (जून 1957) → USA द्वारा धोखा
 - ↓
 - लाम्बावी जनता की मदद के लिए
 - क्यूगा मिलाई खंड-1962 में USSR ने कहा अड्डे बनाये क्यूगा में
 - [1962 में USA द्वारा द्वेष, USSR कर]

* दैतान्त (व्यांति अंकिया) (1963-1979) :-

- परमाणु परीक्षण संधि (जुलाई 1963)
- परमाणु अप्रसार संधि (1968)

* 2nd Cold War (1979-84) :-

- अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान की हड्डी
- USSR की अफगान संघर्ष में पहुँच (1979)
- चीन का विपत्तिवाम पर घटास (17 Feb 1979)

* शीत युद्ध की समाप्ति (1985-1991) :-

- जमीनी एकीकरण (जुलाई 1990)
- नियांशल गोपनीय → USSR के राष्ट्रपति बने और कृष्णन (1985)
क्लामोट (खुलेपन की नीति की स्वीकार्य)
क्लामोट
परेस्ट्रोइका (पुनर्गठन की नीति)
USSR का विभाजन
- 25 Dec. 1991 → को रूस बना दी गया

इस विद्युतीय परिवर्ष में रशीया, अमेरिका, ऐरिन अमेरिका के द्वारा
भी भी जो नये स्वतंत्र राष्ट्र थे तथा गरीब भी थे। इस बन वैद्वां ने अपनी
जिकाल की आपशंकता के लिए तथा सपूंजुती की रक्षा के लिए ग्रूटनिशेष्ट आदीत्वन की
स्वीकारा।

20 1991 - 2001 :- USSR के विभाजन के बाद का प्रभव

USSR के विभाजन के बाद विचारधारा तथा सुरक्षा के मुद्दे समाज की चुनौती तथा व्यापार एवं पूँजी निवेश के मुद्दे चारोंमिल दी पुँक्ति थी। इसी में विश्व पूँजीवाद की ओर बढ़ रहा था। जिसका ने तृप्त कर्ता बना America और अमेरिका की Super power - America और द्वारा।

Effect - all world → Super power
Unipolar world + multipolar Asia.

Powerful economy
Powerful military

Effect - Continent → Greater Power
CHINA, RUSSIA, EU, JAPAN

Multipolar world + Unipolar Asia + Multipolar South Asia

Effect - Sub Continent → Middle Power
India
Multipolar world + multipolar Asia + Unipolar South Asia

Weak Power | Banana Republic
Central and country.

30/11/2001 की घटना :-

16/05/2018 Scanned By Kanhaiya Lal

११/११/September

अमेरिका के World Trade Center पर आंतकवायी हमला हुआ और इस घटने के बाद अमेरिका ने अंतर्राष्ट्रीय आंतकवाद के प्रति स्वीकृत अविशम युद्ध की घोषणा कर दी। जिस कारण अमेरिका ने अफगानिस्तान पर आक्रमण किया। और प्रश्न की कहा कि "मैं कौन सा देश में आंतकवाद के रूपात्मे तथा धुनकीधान के लिए काम कर रहा हूँ।"

अमेरिका का इन घुट्टी में जब उनी घोषणी लगानी पड़ी तो ये काम के बदले में उसे आपूर्त नहीं हुई और साथ ही इन देशों की पुणः स्थापना में अमेरिका की एक बड़ी शक्ति भी इन देशों में लगानी पड़ी।

बच सभी कारणों से अमेरिका की एक बड़ी जाति पढ़वायी, वही दूसरी ओर सन् 2000 में व्याविशीर पुतिन → Russia के President बन चुके और कन्दीने वीरिय थेलिन (पुर्वराजदूपात्र - Russia) की Look. West-Policy की व्यागकर Look east Policy की अपनाया। Russia पुनः ए ताफतपर राष्ट्र बन चुका था और अमेरिका की जुल्ही चुनौती देने वाला → युक्रेन, कीमीया, तथा सीरिया आदि निवादी में।

साथ ही प्रश्न में अन्य व्यापकतयां की उभयने खगी ऐसे भी ए EU। जिल्हे प्रश्न बहुध्युक्तीय प्रश्न में परिवर्तित हुआ।

बाय ओबामा ने अपने की मण्डपात्र करने के लिए सौन्दर्य व्यक्ति में कामी करनी शुरू की तथा संरक्षण की नीति को बनाया।

(13).
16/05/2018 Scanned by Kanhaiya Lal

लिकिन अमेरीका हाथ ही में आपूर्वी डीनाल्ड ट्रंप ने अपनी जी पुनः Super Power बनाने के लिए कार्य शुरू किया गया। जो उनके वापस गत्तवा समारीह में कहना कि " America First, and America Second" परम अत्यन्ती, इसके लिये उन्होंने पिछले के समाजिक सदाचारों (अनुबान शामि [UNESCO], Paris agreement) की सदाचार की दीक्षा। तथा उस घबर की सैनिक शक्ति पर समाने में बख्त लिया।

विदेश नीति :-

- विदेश नीति से तात्पर्य एक राष्ट्र का दूसरे राष्ट्र के साथ में व्यवहार करने का तरीका।
- इस व्यवहार में राष्ट्रीय हित महत्वपूर्ण होता है। और प्रत्येक राष्ट्र अपने राष्ट्रीय हितों की साधने का उत्तराधिकार करता है।
- राष्ट्रीय हित दो लकार की होते हैं
 - **स्थानी**
 - **अन्धाधीनी**
- व्यष्टिशूल का संरक्षण
- राष्ट्र की अद्यतन का संरक्षण
- शांति और सुरक्षा की स्थापना
- आर्थिक विकास
- पहली मुद्दे जो बदलते विषय के अनुसार परिवर्तित होते हैं।
- राष्ट्रीय हितों की प्राप्ति अथवा निर्धारण करना अन्यर कठिन सा उत्तर होता है, क्योंकि अनेकों राजनीति सं राजनीतिक दल तथा गैर सरकारी संगठन (NGO) इसकी भाग - भाग प्राप्ति करते हैं।
- राष्ट्रीय हित के निर्धारण में अनेकों संस्थाओं की गूमिका की आती है। साथ ही राष्ट्रीय हितों में द्वंद्वामी सौच की अधिक मान्यता दी जाती है।
- राष्ट्रीय हित में निरन्तर के साथ परिवर्तन भी देखा जाता है ऐसे -
Act east Policy → Look east Policy में परिवर्तन करने के बाद आयी।
- कई बार, भारत पर मध्य आरीप भी लगा है कि भारत ने पड़ोसीयों के

दाय में बेटर संबंध बनाने के लिए अपने राज्यों के सम्बोधनीय भी
हिस्सा हैं - ऐसे आभी वांलादेश के दाय उविधा Land agreement +
Corridor.

- क्षेत्र तक की आलीचना के काँट उत्तर नदी होती है, क्योंकि राज्यों के
बीच बेटर संबंध बनाकर आए अपने अन्य हिंदू साथ रहते हैं। ऐसी
दाय ही हैं - अगलला और कलकता की जीड़ी वाले Corridor पर
सहमति बनना।

* विद्युतीयता के नियारेक तरफ़ :

आंतरिक (Internal)

- स्थायी
- भूगोल
- इतिहास
- संस्कृति

परिवार्ताशाली

- अर्थव्यवस्था
- Military
- राजनीति
- विद्यान
- Diaspora

बाह्य (International)

- World scenario [विद्युतीय परिवर्त्य]
- एवं उसमें स्मारी हिस्ति

* आंतरिक तरफ़ :

- 1) भूगोल \Rightarrow • भूगोलिक अपरिवर्त्यता - आए middle east एवं
South-east Asia की जीड़ी वाला देश है और
साथ ही भारत की कुछ प्राकृतिक वीड़ियों में सिर्फ़ हैं
जैसे - दक्षिण में दिल्ली महालालगढ़, उत्तर में हिमायें

- मीसम तथा मिट्टी :- भारत का मौखिक विषय के प्रिय जीवाणु¹⁰
अनुकूल है। परम्पराग प्रत्येक उकार की मूदा भारत में पारी जाती है जिसे अनेकों उकार के व्याधान्म भारत में ही जाते हैं जो भारत की व्याधान्म में आत्मनिश्चित्त की बढ़ती है।
- श्रीनगर तथा जनसंख्या :- भारत प्रक्षण का एवं लब्धि वडा श्रीनगर बाला देश है, जो प्रक्षण की द्वितीय वडा जनसंख्या के साथ है।

2011 की जनगणना के अनुसार \rightarrow श्री-2 की जनसंख्या
श्री-1 + 2 + 3 की जनसंख्या खेज्या है, अर्थात् उम्रीयही
earning population ज्ञात है, जो परम्पराग 65% है।



In Indian Population Approx 65% is Youth
(Under 35 Year Age)

Population in economy

There are 3 category

①

0-15 years

②

16-65 years

③

65 - above, years.

In 2001; 1 + 3 > 2

In 2011; 2 > 1 + 3

Challenge in front of Youth \rightarrow Skill and opportunity

\rightarrow 2015 में ILO (International Labour Organisation) के

Report के अनुसार:- 2020 में 450 million (45 करोड़) working

पुणा की आवश्यकता होगी तथा अकेला भारत ही इस आवश्यकता की पूर्ति में सक्षम है।

- Indian Ocean :- हिंद महासागर 21वीं लंबी में एक महत्वपूर्ण शूमिका में आ चुका है, जिनकी का कला है कि 21वीं लंबी उसकी है जो हिंद महासागर में प्रभावी है। क्योंकि प्रवाप और कृष्णांजली ज्यापार का लगभग 60% हिंद महासागर होता है और भारत की अपरिव्याप्ति हिंद महासागर में अपनी मजबूती बनाने में शोभादान दे रखी है।

- Geo-Politic :- शू-राजनीति से आशय-आंगोलिक तरीं का विवर नीति में शोभादान। जिसमें आकार एवं अपरिव्याप्ति अपना महत्वपूर्व शोभादान निभाती है।
- Geo-Strategic :- (शूसामरीक) - जब किसी शूमि की उपर्युक्त शाढ़ी की सुरक्षा में ही जाए eg. सिमानिं → CPEC के लिए।
- Buffer State :- वे मराकिनीयों के बीच में छोटा देश अपरिव्याप्त ही हो तो उसे Buffer State कहा जाता है eg. → नेपाल, भूटान
- Land lock State :- वह देश जो नदी और सीधे देशों से विराही लेकिन उसकी समीक्षा समुद्र से न लगती हो → ऐसा अफगानिस्तान, नेपाल आदि।

2. इतिहास एवं लंस कृति :-
- आदर्शवाद
 - अधिविवाद
 - वलुधौव कुड़मण्डम
 - तथा साम्राज्यवाद का विरोध।

- आदर्शवाद - इसमें नीतिका धर बल होता है, शहरों के एकत्रीकरण से दूर चला जाता है, बड़िका अधिविवाद और उघोग - धंधी में

बल दिया जाता है [विदेश का मुद्रा]

- स्थानिकवाद :- ग्रामीण वित्त में बल ही नहीं, राष्ट्रीय सुरक्षा की महत्वपूर्ण माला जाता है, और आधी क्रिति अर्थन पर भी बल दिया जाता है। एवं दृष्टियादी की एकत्रित केन्द्र उस माला में किया जाता है, जिससे आत्मरक्षा ही सकती है।
- सामूहिकवाद का विशेष :- सामूहिक्य का विशेष आवृत्ति इसलिए किया, क्योंकि अमेरिका 200 वर्ष भारत की सामूहिकवाद के दृश्य की दीखा है।
- पशुधौर कुटुंबकम् :- बौद्ध, जैन तथा हिंदू संस्कृति में सौप पूर्ण पूर्णी की अपना परिवार माना है।
 "अमं निजः परीवर्ति गणनाम् खदुचैत्याम्।
 उदार चरिताऽपशुधौर कुटुम्बकम् ।"
- 3. अर्थव्यवस्था :- अर्थव्यवस्था भी विदेश नीति में अपना शीर्गदान देती है। प्रतिवार भारत के नम्बर की अर्थव्यवस्था, 2018 के अंतर्गत 5 वें नम्बर पर आने की संशोधना [IMF द्वारा] -
 - १० तीसरे नम्बर की Purchasing power पासा ₹८८५ है।
 विदेश के अन्य देशों की भारत के साथ व्यापार करने के लिए अर्द्ध संबंध बनाना आवश्यक है।
 - भारत एवं नया ऑडीग्रु बाज़रा हैं, जिस कारण भी भारत की संभावना अधिक ही जाती है।

40. military :- लीखरे नं. की सबसे बड़ी फोर्म तथा ४० अ० ग्रा
Budget | यह भी विदेश की अपनी ओर आकर्षित
करने में अपना ओगदान निभा रहा है औले- जापान और क्यितनाम)

50. समाज :- मजबूत समाज भी विदेश नीति की आगे बढ़ता है।
जैसे दास दी में सर्व के अनुसार भारत में ८१% बुद्धिमान ही
एवा भारतीय Diaspora विदेश के अनेकी देशों में अपनी महत्वपूर्ण
शृणिका निभा रहा है। औसे - जनाड़ा में एक मजबूत स्थिति में है
तथा अमेरिका में ५०% से ज्यादा Doctor, engineer, Scientist
भारतीय हैं।

60. विकास :- आज भारत Software तथा Space Technique में
नयी कीर्तिमान बना रहा है। जैसे १०४ Satellite का साथ जैसकर
विदेश में रिकार्ड बनाना। २४ लिएवर २०१४ की महीनगान जैसा
गया। ऐसकी Costing - Total \rightarrow ७८ Million \$ है तथा ८ Rs./km

70. राजनीतिक :- • नेता (Leader)
• दल (Party)
• लोकतंत्र (Democracy)

- नेता-चुदानमंत्री जा व्यक्तिगत विदेश नीति की मूर्ति रूप चेता है।
- राजनीतिक दल :- भारत में दक्षिणपंथी तथा केन्द्रीय विचारधारा का लोकाला है। ऐसे दल की सरकार होती है उस दल की विचारधारा का प्रभाव विदेश नीति में भी दिखता है।
- लोकतंत्र :- लोकतंत्र भी विदेश नीति में सहायता देता है। भू० भारत और
अमेरिका की इकोनोमी का उत्तम व्यापार लोकतंत्र है।

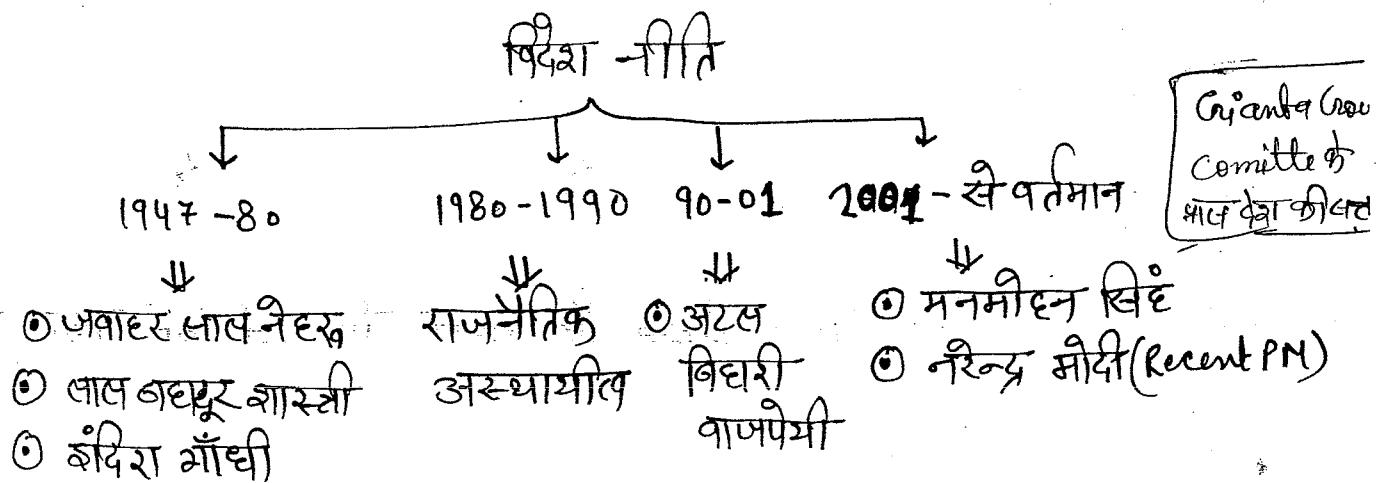
• World :-

- आरत एक लोकीय व्यक्ति है, वैश्विक व्यक्ति के रूप में अमेरिका है) तथा इसका Super Power की है तथा भारत अनेक संगठनों का Founding Member रहा है जैसे:- UNO, Asian Development Bank, G-20 Major Economies and Non Aligned Movement (NAM)।

- कई अलापा अनेक संगठनों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है जैसे → WTO, Asia Summit, IMF, OBTS, IBSA, SAARC, BIMSTEC, BRICS

- एवं भारत ना. UNO की वृद्धि ना. ~~एक संघीय संघीयता~~ वर्ते पाए देखा है।

भारत की विद्या नीति की विवरणा | समीक्षा



1947-80 :- जवाहर लाल नेहरू

- वैश्विक परिवृत्त → विद्युत विद्युतीय या, जिसमें तीसरे विद्युत के विषय में भारत उभर रहा था।
- आंतरिक परिवृत्त → भारत जया एवं हुआ करा था, जिसमें गरीबी समाज 40% थी।
- घटनाएँ :- 1947 → भारत-पाकिस्तान मुद्दा
1962 → भारत-चीन मुद्दा
- नीति :- → आदर्शवाद पर वल, Africa - Asia की विस्तृति पर वल,
→ NAM [गठनिशेष ओदीखन] → भए एक Policy [हमें इस समा संपर्क में करनी थी तथा विकास की घटना था, इसलिए एक नीति के रूप में NAM की स्वीकार किया।]
↓
विकास करना है तो विद्या खोदूर रहना
ओदीखन [एक विकासशील जा यह ओदीखन या जिसमें नव-उपनिषाद और लाम्बाज्यवाद या विद्या छिपा रहा था]
→ PNO को लाने

२) लाल बहादुर शाही :-

- वैशिष्ट्य परिवृक्ष → स्थिरता विकास, जीन के द्वारा प्रदान परीक्षण
जीन - भाष्ट युद्ध [भाष्ट की दौर]
- आंतरिक परिवृक्ष → बेना का मनीषल एवं
आद्यान में
अंतर्राष्ट्रीय नेतृत्व वही
- घटनाएँ → सरकार आक्रमण [एकीकृत होते का अतिक्रमण],
भाष्ट - पाकिस्तान युद्ध
तंत्रजनक उगमसौत [USSR और पैकिस्तान]
- नीति → आदर्शवाद के साथ चीज या व्यवसायक [व्यवसायक पार्टी
की बहुआत]

३) इंदिरा गांधी :-

- वैशिष्ट्य परिवृक्ष → शीत युद्ध में शांति का बैट (देश) (USSR vs USA)
स्थिरता विकास
- आंतरिक परिवृक्ष → आपातकाल
Public Sector देश में [एपले धाय और अधिक]
मिश्रित अर्थव्यवस्था अपनामी खा चुकी थी
- घटनाएँ → पाकिस्तान की दौर [१९७४ सैनिकों की समर्पण
१९७५ का प्रदान परीक्षण [पोखरा - I]]

- नीति → अर्थात् विद्युति
Indo-Russia संधि

1980 - 1990 का दौर

- वैदिक परिवृश्य → USSR economy घाट में, Tiger Economy → Growth Rate
16-20%
Hong Kong
Singapore
South Korea
Taiwan
शीर्ष कुह जी समाप्ति का दौर आरम्भ
- आंतरिक परिवृश्य → लाप्जानिक उचम घाट में
Growth Rate down
राजनीतिक अस्थापत्र का दौर जारी
- धर्मा → अमान्यन पर नियंत्रण (1984 - Operation Meghdoot)
जीसकां में Civil War.
- नीति → कोई नीति नहीं [राजनीतिक अस्थापत्र के कारण]

1990 - 2001 का दौर

- वैदिक परिवृश्य → विद्युतीय विश्व एक धूपीय विश्व में परिवर्तित
USSR का विघटन
फ्रिट्सा का अन्त
निकां के व्यापार पर बस
- आंतरिक परिवृश्य → अस्थापत्र का दौर
LPG की विकासिति [अर्थव्यवस्था विद्युत वित्त]
- धर्मा → मुम्बई Blast (12 March 1993) - (साकुब मेमन)
- 1998 → Atomic Test (परम्परा-II)

- नीति → विदेश नीति में अधिक व्यवस्थारक्ता
Africa, Latin America, Asian Countries के साथ बहर
संबंधी का निमनि
Look east policy को अपनाया जाना
Israel के साथ युद्धीय संबंधी की शुरुआत
मॉनिटर की सेनिक बढ़कार के साथ संबंध

→ अख्य विद्युरी वाजपेयी का मुग है

- वैश्विक परिवृश्य → सफद्धुकीय विवर
अंतर्राष्ट्रीय आंतरिकवाद के विषय लड़ाई
- आंतरिक परिवृश्य → भारत विकास की गति पर
सफ्ट शॉवैशन सरकार (NDA-1)
- घटना → 1998 → Atomic test
1999 → भारत-पाकिस्तान मुठ्ठ (India-Pak)
2000 → विलाक्षण विस्ट (America president)
13 Dec. 2001 → आतंकीय खेलदं पट दमला
- नीति → आदरशवाद तथा अध्यार्थवाद का छुँदर निश्चय
• अमेरिका से नजदीकीयों का घटना

२० मनमीटन लिंग :-

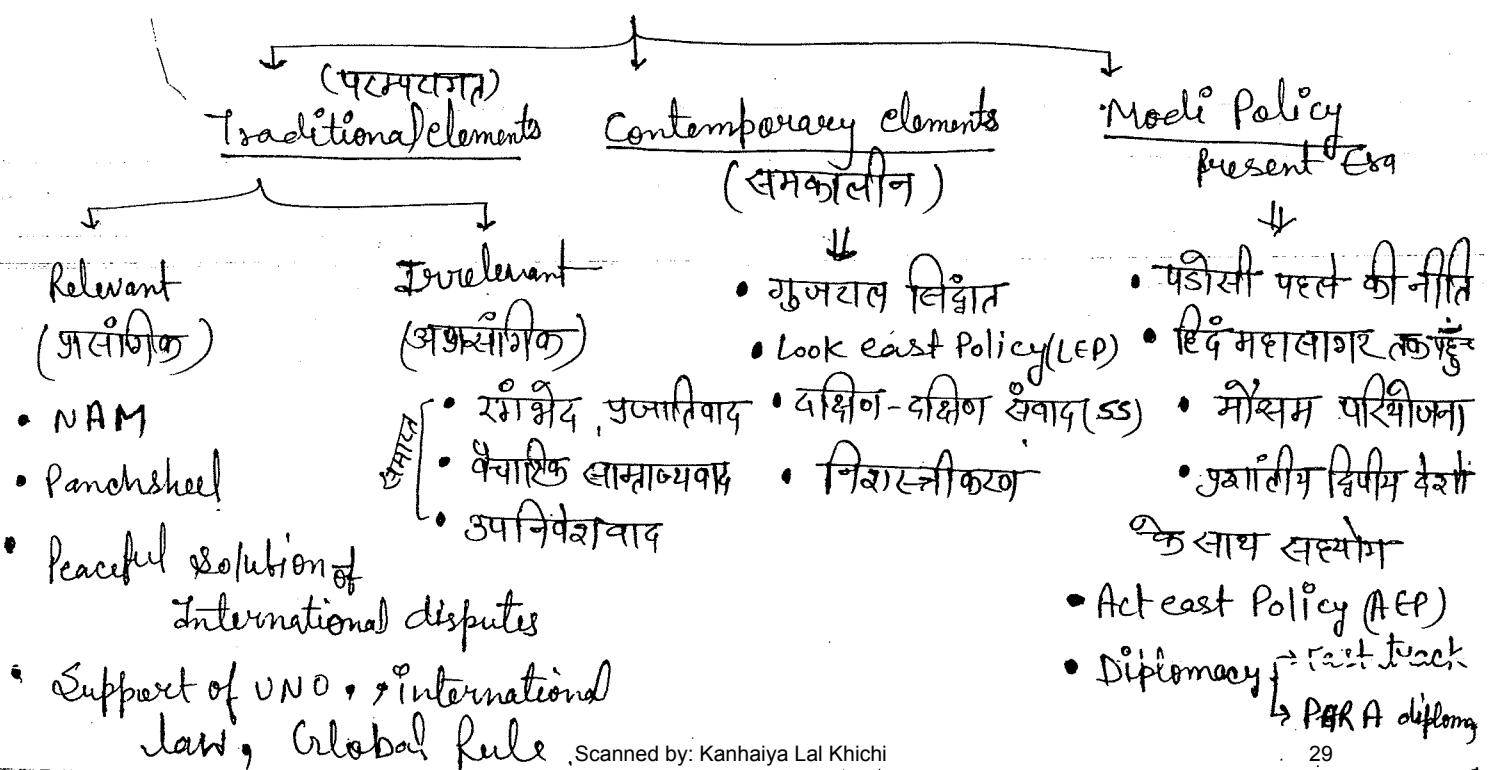
- **प्रैरिक परीक्षण** → एक धूपीय वे बहुधूवीय की ओर
प्रैरिक मंदी (आधिक मंदी)
- **आंतरिक परीक्षण** → - गठबंधन खरकार UPA -1, UPA -2
- प्रैरिक आधिक मंदी का उभाप भारत पर आधिक नहीं
हुआ
- **घटना** →
 - 26/11 की घटना, Mumbai attack (26 November)
 - लमसौत express (2007) → Bomb Blast
 - अमेरिका के साथ Nuclear deal
- **नेटवर्क मोटी :-** [Next Page]

* भारत की विदेश नीति का उद्देश्य :-

[Article - 51]

- 1) अंतर्राष्ट्रीय सम्बोध एवं बांटि की बढ़ावा।
- 2) अंतर्राष्ट्रीय विदेशी का सम्मान बांटिपूर्व तरिके से।
- 3) अंतर्राष्ट्रीय दैनिकीय का सम्मान एवं विवाद।
- 4) भारत के विदेशी का सम्मान बांटिपूर्व तरिके से।
- 5) पड़ोसी के साथ बहुतर संबंध।
- 6) विदेश के सभी राष्ट्रों के साथ बहुतर संबंध।
- 7) विदेश में भवित्वावपूर्व उगाली का विरोध।
- 8) विदेश में विद्यमान हुराक्षीया - आरंकवाद, प्रशिवण आदि मुद्दों पर दुनिया का समर्थन।

* भारत की विदेश नीति के तर्फ :-



Scanned By Kanhaiya Lal

पड़ोसी पूर्वों की नीति - SARC Satellite (सार्क सेल्यूट) → 158 countries
 → Bilateral relation from each country.
 one meeting - one year.
 → technical and economic support on-cost
 not profit

4/4/18

[Modi's foreign Policy]

1) पड़ोसी पूर्वों की नीति :-

- पड़ोसीों के साथ बेहतर संबंध स्थापित करने के लिए मीदी के द्वारा "पड़ोसी पूर्वों की नीति" की शुरुआत की गयी। इसकी शुरुआत मीदी जी के शास्त्रीय समायें से हुई। जब SARC के सभी देश भारत की ओर पर आये तथा शास्त्रीय समायें में आगे लिया।
- इस विदेश नीति का वर्णन "एक गुजरात लिंगान्त" के मिलता है। गुजरात लिंगान्त जॉ.कॉ. गुजरात (भूरप्रव भारतीय PM) के द्वारा प्रसरण किया गया था। जिसमें पड़ोसीों के साथ बेहतर संबंध बनाने के लिए भारत की ओर से शुरुआत करने की बात तो गई थी जिसमें "पंचांग" के लिंगान्त की दृष्टिकोण किया गया था। इस नीति की अपनावी का फारा था "Big Brother syndrome" ऐसी आलीचना की व्यक्ति भरना।
- 2014 में PM मीदी के द्वारा शुरू की गयी विदेश नीति के 3 महत्वपूर्ण पूर्ण हैं (i). mpm समिक्षा समिति → इसके अंतर द्विपक्षीय संबंधों की संभालनामें व्यवस्था।

(28)
Scanned By Kanhaiya Lal

(ii) SAARC Satellite :- अप्रैल 2017 में स्थानिक द्वयी Space
center द्वारा launch की गई। यह satellite "संचार तथा मौजूदा"
के लिए कार्य करती।

(iii) Economic & technical cooperation :- कुल 158 देशों के साथ
तकनीकी तथा आर्थिक होत्र सहयोग करने की नीति। जिसमें "SAARC
वीजों" पर आधिक focus किया गया। eg. अफगानिस्तान और भूटान
की दी गई आर्थिक सहायता, नेपाल में शूक्रपूं आदि पर आधिक
सहायता की विषया जो सफल हैं।

→ "पड़ोसी पड़ोसी की नीति" के लाभ :-

1) पड़ोसी देशों के साथ पिछले 4 वर्षों में द्वारा लिया अद्यतन (update)
बामिल हैं (इस update को इस आगे पढ़ुने)

2) कुछ महत्वपूर्ण बिंदु →

- बांग्लादेश के साथ Land agreement, आखूपना वा आवास प्रदान
- Joint Patrolling एवं Posting
- भूटान → Doklam, Hydro Project
- श्री लंका → दम्भनयीय प्रौद्योगिकी
- पाकिस्तान → Surgical Strike
- अफगानिस्तान → सहायता कूटनीति

2) Indian Ocean outreach (हिंद महासागर तक पहुंच) :-

- इस विद्या नीति में सुख्ख्यतः पूर्वों के खाथ बेहतर संबंध स्थापना
है। मारिशस, सीर्ल्स, मालदीव, श्रीलंका देशों पर विद्या
शामा।
- फरवरी 2015 में PM मोदी जी की पूर्वों की आता पर गयी थी।
दृढ़ाकि मालदीव की आता अंतिम द्विंशीं में एक दर्दी गयी थी।
[कारण → मीट्समंड नलीद (पूर्व मालदीव दौष्टपत्र) की गिरफ्तारी]

→ भाग १

- प्रौद्योगिकी का कहना है कि 21वीं शती उत्तरी होर्डी विद्यान हिंद महासागर
पर उत्तराधिकारी, कर्मीकरि 19वीं शती द्वामस्य द्वागर की रही थी जो पूर्वोप
की रही 120 वीं शती अंतर्राष्ट्रीय महासागर की रही थी अमेरिका की
रही। 21वीं शती में ही होर्डी अथवा भारत की रही।
- हिंद महासागर के विकास के कुछ समुद्री व्यापार जो 60% व्यापार द्वारा
कर्मीकरि देशों में औद्योगिक शक्ति ही गुणी हैं और यह उत्पादन का Hub
बना रहा है तथा विकास की ^{लगानी} "जनसंख्या एकिया की है जो शुष्क आजारी
है।"
- ये नीति विद्या नीति Maritime Silk road, String of Pulse जो
Counter करने के लिए कहा जाता है [पूर्वों] जो अर्थव्यवस्था में
"Blue economy" के महाव्युत्पन्न भूमिका हैं। भारत अपने South
States की आर्थिक व्यवस्था की "Blue economy" के रूप में विकास

करना चाहता हैं जिसमें भी केवल भारत की लहरायता हो सकती है।

- भारत अपना ऐसिया उभाष पैदा कर रहा है।
- भारत प्रश्न के अंतर्राष्ट्रीय संघर्षों में अपनी आमिका मजबूत पख्ता चाहता है — UN SC, NSG आदि।
- ~~एक~~ पड़ोसी के साथ अच्छे संबंध बनाने के लिए, अपनी देश की आपश्यकताओं की पूर्ण कुरती करें।

3) मौखिक परिवेशना :- [Maritime Root and Culture Landscape across the Indian ocean]

- ① 20 June, 2014 की भारत सरकार के "Ministry of culture" द्वारा अह योजना प्रारंभ की गई। इस परियोजना के तहत भारतीय कला में जिन विशेषों के साथ व्यापारिक संबंधों के साथ-साथ जॉन्स्ट्रुक्शन संबंध भी बन गये थे। उन्हीं सांस्कृतिक संबंधों की पुनः प्रीविंट किया गया है।
- ② इस परियोजना के तहत विना देशों के साथ में बहुत संबंध बनाने के उभाव किया गया :- - पूर्ण अफीलन देश
 - अरब की देशों
 - भारतीय अमरशास्त्रीय
 - South east countries आदि।

- ③ दासीकि 1995 में भारत सरकार के द्वारा 20 वीं शताब्दी के साथ संकर "हिन्दमहालागर Rim Association" बनाया गया था। 2011 में 6 देशों की उन्नित किया गया → सामुद्रिक सुरक्षा एवं स्कैरक्षा,

- व्यापार तथा निकाय सुविधा
- मरम्मत सुविधा
- आपदा जीखिम सुविधा
- अकादमिक विज्ञान तकनीकी सहयोग
- पर्यटन एवं सांकेतिक प्रभास्त्र

आभूत

- दिनमध्याहर पर नियंत्रण के लिए [India ocean seafarers act
पहले 2 Point]
- चीन की प्रति संतुलित
- तेल की आपूर्यका बढ़ावा करने के लिए
- Global impact
- International organisations के प्रभाव (e.g. UNO-SC, NSC)
- पड़ोसियों के साथ-साथ अफ्रीका, एशिया countries के साथ
वैद्यतर संबंध बनाने की नीति

4) Act East Policy :-

- ① Act east Policy , look east Policy (जर्वेटिंग) में बदलाव करके बनायी गयी है।
- ② Look east Policy 1992 में P.V. लक्ष्मण शर्म [भूत्युक्तज्ञानमंत्री] द्वारा शुरू किए गए थे जिसमें Assam के लिए साथ व्यापारिक संबंधों की वैद्यतर बनाने पर ध्यान दिया गया था। पहला वर्ष (1992-2002)
- ③ इस Look east Policy का दूसरा वर्ष 2003 से 2012 तक है।

जिसमें ASEAN के साथ-साथ China, South Korea, और भूताना, न्यूजीलैंड आदि को भी समिलित किया गया था।

- ① 2014 में आठवीं PM मीटिंग के द्वारा भारत-आशियान सुनील बिश्वर वार्ता के 12वें सम्मेलन में द्वारा 9वें पूर्व एशिया बिश्वर वार्ता "Look east Policy" का जगह "Act east Policy" की घोषणा की गई।

- ② Act east Policy में economy के साथ-साथ security पर भी ध्येय दिया गया। जिसमें Maritime security, terrorism मुद्दों पर सहयोग आदि पर भी ध्येय दिया गया है।

→ Look east तथा Act east Policy की आपूर्यमत्ता

- 1) 1990 के बाद वैश्विक परिवृत्ति में आगे चारितर्फ़ कारण नेप-का-विकासी की तरफ़ा
- 2) LPG के कारण भारत का दृश्यमान अब विद्यारथीय के स्थान पर प्राप्त ही गया था। और मध्य ASEAN Countries Tiger economy बन चुकी थी। इनके साथ बेहतर संबंध बनाना उद्देश्य रूपमें भी आपूर्यमत्ता थी।
- 3) बीन बन देशी के साथ अपनी बेहतर संबंधी का निर्माण कर रहा था ऐसी में भारत का बन देशी की दूर रहना सामान्य समस्या-चुनौती उत्पन्न कर सकता है।
- 4) North east के राज्यों के विकास के लिए आपूर्यमत्ता थी।

* Act east ?

16/05/2018 Scanned By Kanhaiya Lal

- चीन की प्रति संतुष्टिकरण के लिए
- विद्यु द्वारा मध्यामर में अपना विप्रवासी रखने के लिए (यदि किंचित् चीन सामर की द्विं मध्यामर मध्यका State से जोड़ा है द्विं मध्यामर में अपनी की मध्यवृत्त बनाये रखने के लिए ज़रूरी था।)
- दक्षिण चीन सामर में अवैधत आरत के मिश्र राज्यों के द्विं के सुरक्षित रखने के लिए इस नीति की आवश्यकता थी। eg. विभिन्न के साथ ब्रह्मी संमिलित विद्यु सम्बन्धों
- पर्याप्त पुआप, UNSC में उचाप बढ़ाने के लिए

5/4/18

(5) Cooperation with Pacific Island:-

आस्ट्रेलिया तथा न्यूजीलैंड के अलावा अन्य 14 देशों के साथ विद्यु सम्बन्ध बनाने के लिए इस नीति की एवीकार किया गया है।

- इस नीति में विभन्न 14 देश हैं :- Cook Island
Niue, Papua New Guinea,
Fiji, Kiribati, Marshall
Island, Micronesia, Nauru, Samoa,
Solomon Island, Palau, Tonga, Tuvalu and Vanuatu.

- इन देशों के साथ विद्यु सम्बन्ध बनाने के लिए अक्षी तक दी Summit की तुली बैठक

(*) : 21st November 2014, (योगा, Fiji) :- इस Summit की बैठक

- प्रियंका :-
- Trade office India में बनाया जायेगा
 - digital Connectivity
 - Visa on Arrival
 - e-network विकास किया जायेगा
 - Space cooperation
 - training for Diplomates

2nd Summit - 1 Aug. 2015 → Jaipur.

- निम्न प्रियंका :-
- Blue economy
 - oil and natural gas पर सहभाग
 - खनियां उत्पादन
 - IT
 - health Care
 - fishing and marine research.

-> लाभ :-

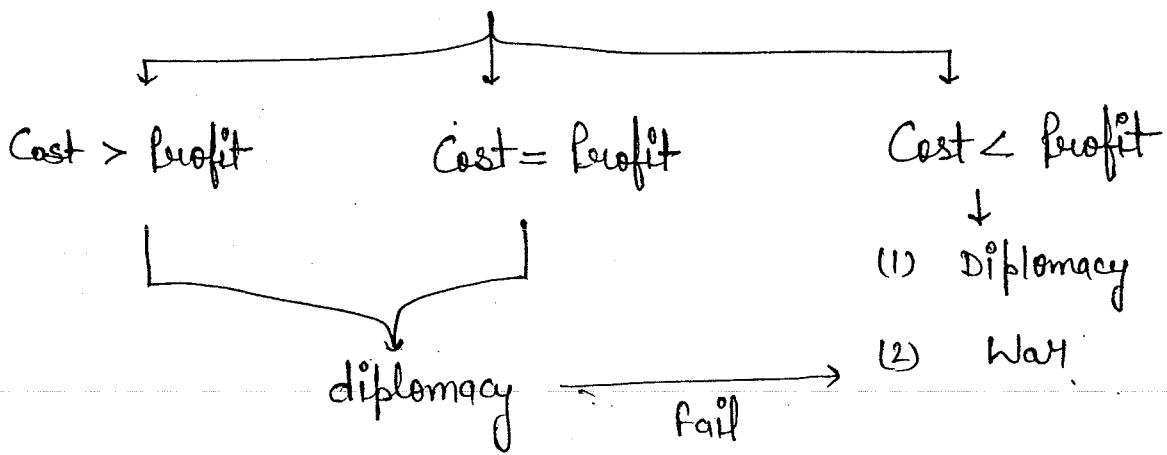
- 1) कबूली की अधिकारियों ने भी अधिकारियों पर निश्चय है, भारत कबूली blue economy की स्थिति चाहता है और अपने दक्षिण भारत के राज्यों का विकास Blue economy पर करना चाहता है।
- 2) यह केवल सौन्दर्य, खनियां, काबितीक, Oceanic, Hydrocarbons में काफी समर्थ है है, भारत कबूली सौन्दर्य में सहयोग लेना चाहता है।
- 3) एकमान में कबूली के साथ भारत का export 20 Crore का होना चाहता है।
- 4) नियुक्त वाक्ता का प्रश्न
- 5) भारत भूटानी एवं संस्थाओं में लदहारा का मिजूरा 102 ना।

6) आखर आपनी Act east Policy का प्रस्तार कर दिया गया।

Diplomacy

Profit \Rightarrow राजनीति हिंदू
 Cost \Rightarrow राजनीति हिंदू
 साधने के + खुलासा

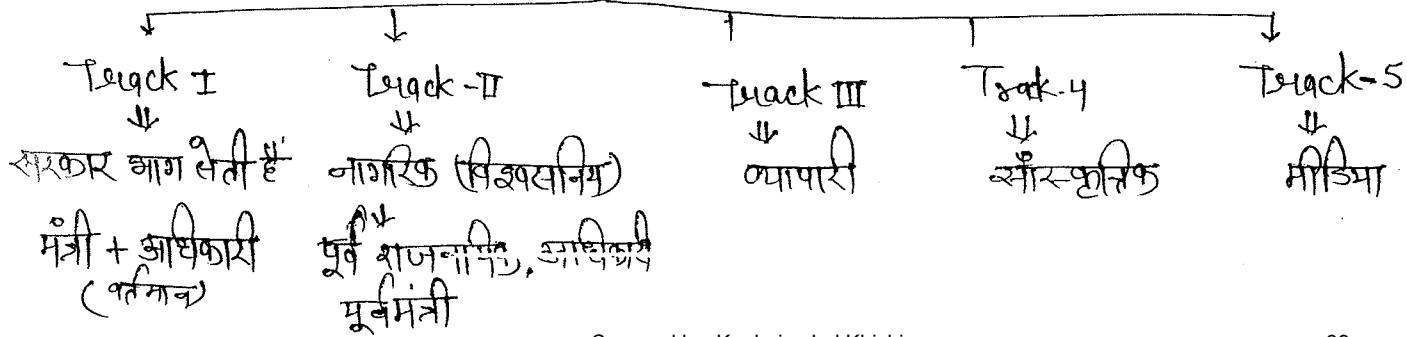
कूटनीति संबंध



कूटनीति :- कूटनीति के आशय हैं वात्त की एक छल, जिसमें शुद्ध के बगैर शब्द के दिलों की साधने पर उपाय किया जाता है कूटनीति में इसे बात पर विशेष हमान किया जाता है लंबाद-दीनता नहीं।

- अपि संबंधी में कोई तनाव भी जाता है तो वात पर दखलीड़ दीड़ किया जाता है ताकि दखलीड़ दीड़ पर बातचीत हो सके।
- कूटनीति में उत्तेक शब्द अपने प्रभाव पर व्यवहार करता है ऐसे प्रभाव "Soft Power" के रूप में किया जाता है, जिसमें Economy, Military, अन्य साधनों पर व्यवहार किया जाता है।

Types of Diplomacy



Track-I

Track II

Track-III

Track-IV

सरकारी कूटनीति

~~विदेशी विदेशी~~ विदेशी कूटनीति

कार्य → माध्यम बनाना सरकारी
कूटनीति है।

* मोदी की कूटनीति :-

1) fast track diplomacy :- द्विमास्त्रयाप के अनुसार,

Proactive से आशय
→ विदेशी अर्थ है कि भारत विदेश के साथ जी संबंधी प्राज्ञिमणि करेगा
जो बहुत दी सक्रियता के साथ करेगा, जैसा कि इस भारतीय PM
मोदी में देखते हैं कि वह protocol का हमान वर्षणकर भी संबंधी
जी सुदृढ़ता पर कार्य करते हैं। [e.g. गर्से लगाना, Airport पर वाहि
करना]

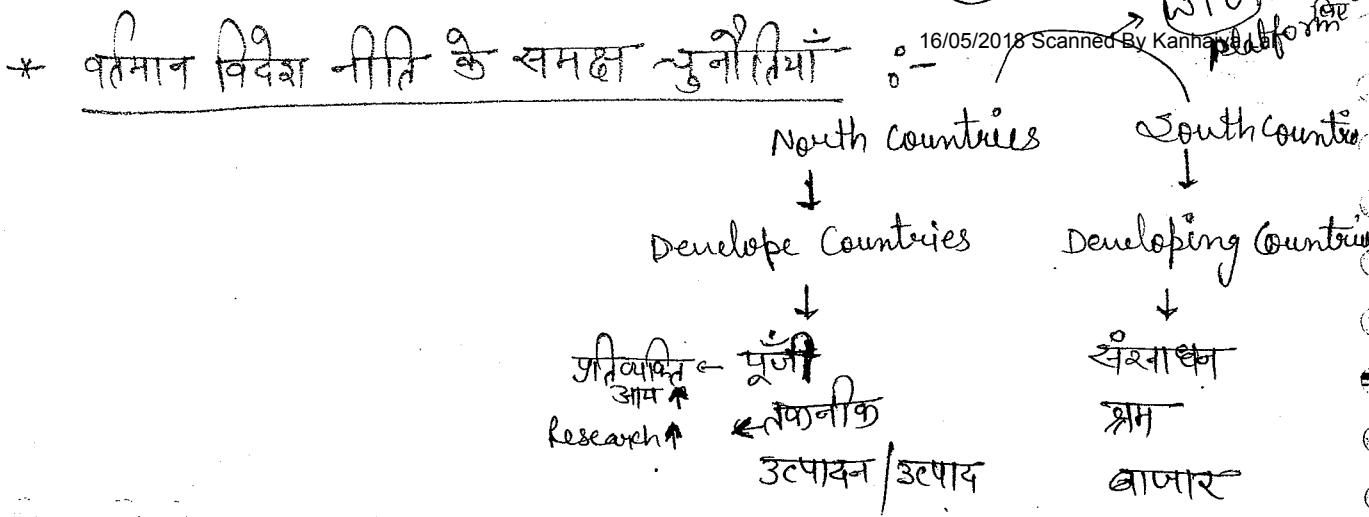
→ Strong से आशय है कि विदेश के सामने आपत के पक्ष की मजबूती के
साथ रखना, जिसमें उस की कोई मुजाहिदी न हो [e.g. सीरें प्रिस्वर्फ
में अमेरिकी पत्रकार की मोदी पी के हाथ दिया गया क्रिटिक्यू, तथा
UNO में आंतकाद मुद्दे पर USA की कृष्णरी में व्यजा रखना और यह
कहना कि अच्छा और कुरा आंतकाद कुछ नहीं होता, जो कुरा है वह
सबके लिए बुरा है और अच्छा सबके लिए अच्छा है]

→ Sensitive से आशय है पिंडित नीति में भापनाओं का होना, और यह
भी हमकी देखने की मिलता है [e.g. नेपाल में आपदा आने के बाद भारत
सहमता पहुंचाने वाला पहला पैदा बनता है,] मालदीप में ~~प्र~~ प्रियंगल

संकेत - १९ वीं पट्टी रेल नीर पनी की बोरले तुरंत बेज गया।

fast track diplomacy का मह उमान दी रस्ता हूँ कि, विश्व भारत की सामान्य राजदूत के काप में नहीं से रस्ता हूँ बहिक विश्व भारत की एक ऐसी काफिले के काप में विविहर करता है [eg. Dec. 2017 में जीनाल द्रैप का कद - भारत एक विविहर काफिले के काप में उमर रस्ता हूँ, इस बात नीचुड़िर आता हूँ।]

2) Peace diplomacy :- अब वीं दशी के बीच में स्वतंत्र बनाने की ओर राज्यों और शहरों की दूसरी राज्य एवं शहरों से जोग खाता है ताकि वीं दशी इन शहरों के मास्थम से का नजदीक आएं।
इ० - चीन के साथ मुम्बई - शांघाई, अहमदाबाद - Guwahati और जोपान के साथ Kyoto - बनारस।



North - North Dialogue | North-South → WTO

[South - South Dialogue] → Platform = NAM

- आपत की make in India और नीति की सफलता पर एक विशेष लिये investment की ओरिंग से अधिक आकर्षित करना।
- make in India की सफलता के लिए भारतीय, पूर्जी एवं शांति प्रबल्यों और FDI की एक नीति के रूप में स्वीकार किया गया है।
- FDI की आकर्षित कुर्सी है त्रिमोदी छाता 3D की नीति की अपेक्षा गमा
- दाथ ही कांति के लिए Good Governance एवं Internal security पर ध्यान दिया गया।
- World के ocean trade पर अपना प्रभाव मजबूत करना। यह की एक चुनौती है क्योंकि China और देश भारत की घटाएँ एवं चुनौती के रूप में यह चुनौती Maritime Silk Road, String of Pearl और नीतियों की उत्तिसुन्नत करना एवं चुनौती है।
- आज का विश्व Unipolar world से multipolar world के बारे

वह रसा ही इस विषय में अपनी दृष्टि की परिवर्ती के साथ बदल रखना
अहंकार चुनौती है।

- नियम की सभी अनुरागीय संस्थाओं की बहर, लोकतांत्रिक बनाना भी एक
चुनौती है e.g. UNSC, NAM
- नेपाल विषय में अपनी नियम नीति के मुख्य रूपों जैसे - आदर्शनाद,
भयानकाद, पंचासिय, NAM आदि की बनामी रखना भी एक चुनौती है।
- पड़ीखियों के बाघ - बाघ विषय के अन्य देशों के साथ बहर संबंधी ज
निमित्त करना भी - "South-South Dialogue" के विषयित बनाना।

- Instruments of Current Foreign Policy :-

- Diaspora
- 3D → Democracy, Demographic Dividend, Demand
- Diplomacy
- Soft Power + Smart Power
- Science & Technology



→ मोदी जी की विदेश नीति के साथन :-

1. Diaspora (प्रवासी भारतीय) :- वर्तमान में विदेश नीति की सफल कल्पना के लिए मोदी जी Indian Diaspora पर आधिक ध्येय विषय है, क्योंकि इस Diaspora विदेश में भारत के द्वितीय की साथीने वाला एक घटता फिल्म व्यवसाय है। अब Diaspora की वर्तमान सरकार जीड़ी में सहाय होती है तो इसके अनेकों फायदे होते हैं। ऐसे इस Diaspora विदेश में एक मजबूत विद्युति में है और निवास के लिए छोटे बड़े बड़े सकारात्मक व्यवसाय जो संकुर होते हैं।

(1) प्रवासी भारतीय सम्मेलन (18th Oct in Delhi)

(2) Tressing the roots

(3) अनेकों बाट भारत PM नीदी जी का कुदना कि

"पालपोटी के बड़े बदलने से चूना के रिकॉर्ड नहीं बदलते"

2. 3D → Demographic Dividend (जनसंख्या की धार्मिकता)

Demand

Democracy

इस भी विषय के निवास की आकृष्टि करने का भारतीय PM नीदी द्वारा दिया गया Formula है।

3. Diplomacy :- (see previous page)

4. Soft Power + Smart Power

5. Science :- भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान (ISRO) के द्वारा हाल में

किसी ग्रन्ति परीक्षणी के विषय में भारतीय औद्योगिकी दृष्टि से दुर्जा किया है।
 जैसे "मंगलयान मिशन" बैठक किफायती मूल्यों पर किया गया आभीरान है।
 104 सेटलाइटों का स्तर साथ में जाना।

**SMART POWER :-

शक्ति के अंदर में अनेकों अपव्याख्यानों उत्पन्न हैं:-

- (1) Hard Power
- (2) Soft Power
- (3) Soft State
- (4) Smart Power.

(1) Hard Power, जो केवा होते हैं जो अपने राजनीय हितों की साधनों के लिए मुख्य से भी दिलचिचारी नहीं इस केवा शक्ति के अर्जन पर अधिक वज़ह होते हैं और शक्ति के माध्यम से हितों की लाभवाला प्राप्त करते हैं। eg. अमेरिका, इजरायल।

(2) Soft Power, बाढ़ परा उमीद पर्वती वार Joseph S. Nye के द्वारा किया गया था। कन्दीने बताया कि Soft Power आर्थिक तथा सांस्कृतिक शक्ति से विपरिणाम हैं। ऐसे देशों के उत्तराधिकारी जूतों की जूती देशों की जूती ही जाता है तो उस जूती की वज़ह से उस देश की Soft Power होती है।

① Soft Power Country की विषय का एक दृष्टि गम्भीरता से लेता है और विषय सर्वै उसके साथ सहयोग करने के लिए तैयार रहता है।

- ① Soft Power Country Diplomacy की अपना स्ट्राइटरी बनाती है और अपने प्रभाव को उत्पन्न करने के लिए अनेकों तरीकों का संसाधन लेती है। ये, Culture, राजनीतिक मूल्य (लोकतरी, मानवाधिकार), विदेशी सेवा में विकास (पैदशाली), उच्चशिक्षा, स्वत्थाम (विद्यालिका, अभियालिका, आधिकारिका), व्यापार तथा नवाचार।

- ② भारत में Soft Power के लक्षण :-

(i) आष्ट्रायामिकता - प्रबुद्धि में भारत की एक आष्ट्रायामिक शुरूआती की पहचान बनाई है जिसकी भारत की रक्षा रखना देश है, जो अनेकों भूमि-भूतत्वों

की मानवी वास्तव है और उसके बाद भी सभी की एक साध-धैर्य वलनी वास्तव है। ऐसी- भारतीय आष्ट्रायामिकता की रूपरेखा ऊर्ते हुए एवानी विवेका नंद जी ने कहा था कि भारतीय संस्कृति अह मातृ है,- जिस धरण सभी जीवों और में जाकर सागर में मिल जाती है। उसी प्रकार सभी धर्म और में जाकर उसी शून्य में मिल जाते हैं।

(ii) शोगा :- शोगा की भृत्यां की लम्बाते हुए UNO के 21 June 2014 में अंतर्राष्ट्रीय शोग विषय मनाने की घोषणा की है और वस्तु घोषणा से प्रबुद्धि के सभी राष्ट्र 21 June की अंतर्राष्ट्रीय शोग विषय मनाते हैं। पहली भी भारतीय प्रभाव घोषणा है।

(iii) धार्मिक मान्यता :- वौद्ध धर्म का जन्म भी भारत में हुआ लेकिन इसका प्रचार और प्रसार विश्व के अन्य देशों में हुआ जिस कारण प्रबुद्धि के वर्ष देशों ने भारत के साथ झुड़ाप महसूस किया है।

(iv) सांस्कृतिक रूप :- भारतीय नृत्य, संगीत, लोकगीत, कथा

(v) भित्रित संस्कृति :- भारत की संस्कृति अनेकों रूप, अनेकों मान्यताओं का सुन्दर-सा एक मिश्रण प्रियाई वेता हैं उसके बाद भी इकता वज्र आती हैं।

(vi) आदिला कालिकान्त्र

(vii) भारतीय औषधन

→ भारत दरकार ने Soft Power की स्थापित सं मञ्चबूते करने के लिए अनेकों गुदम उठाये हैं जैसे PDD (Public Democratic Division)

ICCR (Indian Council for Cultural Relation)

जैसी संस्थाओं की स्थापित किया है, जो संस्थाएँ भारतीय संस्कृति के छान्दो-छान्दो का कार्य कर रही हैं।

① विद्यार्थी में भारतीय पर्यटन की बढ़ावा देने के लिए "अतुल्य भारत" पर अभियान पर्याप्त है।

② एकमान प्रधानमंत्री जी की विद्या भाजाओं में भारतीय Diaspora, भारतीय संस्कृती पर आधिक धूल देखा भाता है। Indian Diaspora की सुभाषित करने के लिए जो भी जी की यात्राओं में अनेकों सांस्कृतिक कार्यक्रम देखने की भित्ति हैं जो सांस्कृतिक कार्यक्रम पर्याप्त की दिलचस्पी भारत की जीड़ने के लिए किया जाते हैं।

③ भारत की इस विद्या जीवि की आखीयना जी की जा रही है →

④ भारत की व्यापकता का अजनि पड़ीली देशों के मन में इस उत्पन्न करना है जो इस हीत का संतुष्ट रिगाड़ रहा है जोकि जी आखीयवाले सभी जाति है, क्योंकि भारत ने सर्वोपर्याप्त है कि भारत के इकाइ

का अजीब कियी देश में इर प्राप्त करने के लिए नहीं आये अपनी
सुरक्षा की सुनिश्चितता की लेफ्ट किसा गया है ताकि वाकित में बहुत
बना रहे।

(3)

Smart Power :-

Hard Power [surgical strike,] + Soft Power.
Decade Standoff

(4) Soft State :- यह देश दोहरे हैं जो हमेशा संकीर्ण, स्वैच्छिक
में नियंत्रित हैं जो इष्टजनी आगे कमा प्रतिक्रिया होती। इन
देशों में दुर्दृढ़ व्याकुलता की कमी देखी जाती है और अपनी
हितों की पूर्ण व्यवस्था के लिए भी लंबीय दिखती है (उग्र-पूर्व देश
भारत)

* मीदी की नीतियों की आलोचना :-

- Reduction of Investment (निवेश में घटाव)
- China की लेफ्ट अपनामी गरी नहीं बहुत अधिक जामाना
नहीं रखी है छोड़ने वीच सामर में वीच की प्रतिसंतुलित नहीं
किसा गया, और साथ ही दृष्टि मध्यांशर में वीच के दस्तावेज़
की शोणा नहीं गया है
- क्रांति की अस्तित्वा और अधिक उत्तर दुई हैं

* सोवी की नीति के सफलता :-

- आरत एक पैशेवक कानून के रूप में उभरा है [अमेरिका के जेनाल ट्रॉप (एचपी) का फैला]
- अंग्रेजी पैशेवक संगठन - MCR, Australian group, वालीनार Group, का अदख बना। तथा NSC एवं Security Council में अपनी दीन की मजबूती की रखना।
- पड़ोलियो के साथ -साथ पिंड के साथ भी बेहतर संबंधी कानूनी रूप, जिसमें क्षयाभल, UAE, के साथ बेहतर संबंधी की देखा जा सकता है।
- भारत ने Smart Power एवं Nature की स्वीकार किया है।
- Guard पर्सी संगठनी का आरत बदख बना है और केवल बदख नदी एक leader की शुभिका में भी आया है।
- South China Sea, में विभवाम, लाव्हान के साथ बढ़ता सही दीन की गतिसार्थियों करने की नीति के रूप में देखा जा सकता है।

* सफल प्रिवेट नीति के तरफ :-

- भारत की अपनी GDP की दौशा बढ़ते रखना है।
- सामाजिक समावेशन - समाज के उल्लेक की का उत्थान होना भी राष्ट्र की जरूरत है। एक समृद्ध राष्ट्र ही एक सफल प्रिवेट नीति की दिक्कत के सकता है।
- सीक्युरिटी में स्थापित - इतिहास में यदि कोई जब जब उड़ाने में असमित्य का दौर रहा है तो तब प्रिवेट नीति कमज़ोर तथा अस्थायी कियार्ड की है।

- 16/05/2018 Scanned By Kanhaiya Lal
- एकी शब्दनीति परिप्रैः में समन्वय बनाया जाये। और काम की तरह अन्तर्राष्ट्रीय मुद्दों पर एकजुट ही रेखा पर ही क्रियान्वयन की बाध सबूत लांग जायें।
 - पर्यावरण विकास नीति का सफलता पूर्ण क्रियान्वयन किया जायें।

© NiPUN Alambayam

भारत के विद्या नीति के हृष्प :-



Tradition



Relevant



- NAM

- Panchsheel

-: Panchsheel theory :-

(i) अशी देशों द्वारा अन्य देशों की क्रियाएँ अखोड़ता हथा समर्थन ना करना।

(ii) इसके द्वितीय देश के आंतरिक मामलों में व्यवस्थापन करना।

(iii) आपस में आक्रमण न करना।

(iv) परव्याप्त सहयोग एवं लाभ की वदाना देना।

(v) बांतिपूर्ण सद्व्यवहार की नीति का पालन करना।

- पंचशील के अह विधान 29 अप्रैल 1954 की भारत और चीन के बीच हुई समझौते (तिब्बत संबंधी) में अपनाये गये।

- अह विधान बैठके सतिकारिक अभियानों से जिन गये हैं, जिसमें लोहु-गिरहों के व्यवहार की विश्वित करने के तत्व निष्पत्ति थे।

- हांसिंह का पंचशील के विद्वानों की ओट 1962 के चीन के आक्रमण से लगी। लेकिन पंचशील विद्वान भारत की विद्या नीति के मुख्य तत्व हैं और अह मुख्य तत्व के द्वारा सभी सरकारी ग्रन्त हैं जैसे-

22 Sep. 1954 - २० डीनविमी का द्वारा इन लिंगान्ते 6/5/2018 Scanned By Kanhaiya Lal

जाना।

- Dec. 1954 - मुगीस्त्राविया के द्वारा इन लिंगान्ते की स्वीकारण।
- 23 June 1955 - USSR द्वारा अपनामा जाना।
- 25 June 1955 - पौलिएट के द्वारा
- 1955 में "बाहुंग समीलन" [29 countries ने आशा लिया होइ 24 countries ने पंचशील में आक्षय]
- 1964 में "कालिक समीलन" (संयुक्त अर्थ गणराज्य)
- 1966 - "त्रिशृङ्ख समर्थन"

आरत की यह विवरण बीते बादलों का विवरण रहते हैं,

- ① नेपाल जी के समय से ही चिकित्सा, नेपाल- भूटान संधि आदि की लेफर
- ② शास्त्री जी के समय में 100 cross कर्जे धार्हर तक पहुँचना।
- ③ छिपिरा जी के समय में पाकिस्तान बांग्लादेश के मुद्दे में, हथा लिये (श्रीलंका) की समर्थन ११ में
- ④ राजीष गांधी के द्वारा श्रीलंका में लैना भीजा जाना (गिर्ध war १२)
- ⑤ अगस्त में गोवी जी के द्वारा ४ नेपाल में "आण्ड्र नाटवंडी" तथा Surgical strike, आदि की लेफर।

लेकिन यह क्सारी जाली-बनाएं एकदम विश्वासरह नहीं। जिनका एक ऐसी रूपरेखा करते हैं आरत ने कभी भी दूसरे देशों के आंतरिक समस्यों में व्यक्तिगत नहीं किया है। ⑥ नेपाल- भूटान की संधि उन देशों की छोड़ा जा समान थी, लिखितम् जा आस में विलय, चिकित्सा वी जलता। ⑦ समान था, ⑧ बांग्लादेश का अलग दीना पाकिस्तान के बांती

प्रपश्चार का परिणाम था।

- ① पर्तिमान नींवी शूरकार पर लगाये गये आरोप बैपाल पर आर्थिक उत्तिवेद्ध लगाये गये, पहली निराधार आरोप है, क्योंकि इस आर्थिक नाकृतिकी मद्देहियों के द्वाय की गयी नाकृतिकी थी।
- ② Surgical strike "उड़ी attack" के बाद किया गया था।

आरत ने सर्वैष पंचवीत के खिंचाती पा पालन किया है, और सर्वैष पड़ीखी के साथ बहुतर सबूधी की लेकर चला है। पूर्व - पर्तिमान में पड़ीखी के साथ पहले की जीति आई।

- Non Alignment Movement (NAM) :- गुरुनिरपेक्ष आंदीलन
- मुख्यालय - अफगानी (कजीरनीगा)
- सदस्य - पर्तिमान - 120 देश
- पर्वतीय - 17 देश
- स्थापना - नाशिर, टिये, नेहर के द्वाय की गयी थी
- 1947 के द्वी NAM के अधिनियम अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में दिखने लगा
- 1947 - अफगानी - पश्चिमा समीलन → नई दिल्ली
- 1949 - इण्डीजीविया
- 1955 - बाझुंग समीलन [NAM के विवर दिया गया]
- इण्डीनिश्चानी
- 1961 में बेसगर्ड समीलन में [NAM की स्थापना कुर्सी]
(कजिट में)

① NAM का अर्थ :- (Non Alignment Movement)

- पश्चिम देशों के लाल से आवास "प्रत्यापनप्रदाता" की नीति से लगाया उनका एहता था कि उन देशों के पहले नीति अपने कामज़ोरी में स्वीकार की हैं, पहली अंतर्राष्ट्रीय राजनीति से दूर जाने की नीति न कि सक्रियता की नीति। और साथ ही जिमीदारियों से मानवी की नीति हैं।
- उन देशों [NAM के देश] के छह कि - पहले अंतर्राष्ट्रीय राजनीति से आगे की नीति नहीं बल्कि सक्रियता की नीति हैं। पहले साक्षमता, एवं स्वतंत्र शहद के रूप में हैं जो कि इसी शहद का प्रियदर्शन मूल्य है। पहले नीति विचारधाराओं के द्वारा का विशेष गुण है। औषध अपनी स्वतंत्र विचारधाराओं के साथ विश्व की बाजनीति में शुभिका निभाने की नीति हैं।

② NAM के कारण :- मुख्यतः दो कारण NAM के लिए माने जाते हैं

- (i) राजनीतिक
- (ii) आर्थिक

- राजनीतिक कारणों में दो गुणों से स्वतंत्र रक्षक अपनी स्वतंत्रता का संरक्षण करने की नीति।
- आर्थिक कारणों में विवादी से दूर करके विकास की नीति और कोई गुणों से सहयोग नहीं की नीति।

○ NAM की पिंडितता:-

- दी गुरीं की स्वतंत्र रक्षक विकासवील देवी के पश्च में कान्ति स्तुति बनाना।
- विकासवील देवी की एक जूट करना।
- विकासवील देवी की शोषण बचाना।
- विचारधाराओं के द्वांसे से बचाना।
- दक्षिण- दक्षिण स्पंद की बढ़ावा देना।

○ NAM की अपालंगिकता :-

- USSR के विघटन हीने से विचारधाराओं का दृढ़ समाप्त हुआ। इसीसे NAM के अस्तित्व का आधिकार्य नहीं बनता।
- फिर आज दिल्लीपीय से बहुधुपीय, तथा 1990 के बाद एक धुपीय बन चुका था। NAM इस गुट राजनीति से दूर रहने की नीति थी। ऐसी भग गुरीं का आस्तित्व ही नहीं रहा तो NAM का आधिकार्य है।
- USSR के विघटन के बाद भारत भी देवी के LPG की स्वीकार कर दिया जो पूजीवादी विचारधारा के वक्षण है, तो यह तो स्पृह ही गुटपीकारों की त्याग देना है।

○ NAM की प्रालंगिकता :-

- NAM इसीसे आज भी प्रालंगिक है वयोगि NAM के कारण विकासवील देवी की एक मंत्र मिल रहा है जहाँ यह राष्ट्र और कर आपस में सहयोग की बढ़ावा दे सकते हैं।

- इस संगठन के द्वारा दीक्षित संतुलन की (NAM के द्वारा) प्रिकाल्यालि वैश्वीं के पक्ष में आमा जा सकता है, इन वैश्वीं को हीने की शीष्मा से बचाया जा सकता है।
- पिछले की बहुद्वृप्ति बनाया जा सकता है।
- पहले पक्ष एकजुट होकर पिछले के समक्ष समर्थाओं और आंतरिक तथा खलवायु परिवर्तन आदि से निपट सकते हैं।
- पहले सभी शहर एकजुट होकर पिछले की सभी संस्थाओं की वेदता भीकर्ताओं की बना सकते हैं - e.g. World Bank, IMF, UNO etc.

**
(NAM → 2.0) :-

- 21वीं सदी के लिए भारत की विदेश नीति।
- भारत के द्वारा एक दशक (2011-2020) के लिए 2011 में इस विदेश नीति की घोषित किया गया था।
- इस विदेश नीति में कहा गया है कि - अपनी राजनीतिक स्वाधीनता की बनाते हुए और साथ ही अपनी मूल्यों की स्वीकृति स्वरूप हुए भारत की पिछले के सामने आना। जिसमें ऐडिप्यु मॉड पर आधिक प्रिकाल्यालि की साथ होकर चलना।
- इस विदेश नीति में यह भी कहा गया है कि जी माहौल भारत के पक्ष में बना है वो आधिक विन तक भारत के पक्ष में बदलने वाला नहीं। क्षेत्रीय आपक्षयकता है कि उन सबका व्यापक विद्यालय प्रण जी समय की माँग और जरूरत है।

३ इस प्रिंदिका नीति का लक्ष्य :-

- आज पूरा विश्व भारत की ओर देख रहा है ऐसे में भारत के पक्ष में अनेकों अपसर जने हीं क्या अपवाह की तसाबानी तथा भाषा-लाभ-उच्चारण है, लक्ष्य हीं तथा इस भाषा के लिये में जी चुनौतियाँ हैं जिसे दूर करना।
- धार्यना के बारे में इस प्रिंदिका नीति में क्या शामा है कि निकट अधिक्षय में सम चीज़ के समतुल्य आने वाले नहीं हैं, लेकिन यीन की कमज़ोरी की दृष्टिकोण से उसकी अतिक्रमण की नीति के बदले खेल किए जायें।
- ऐसे प्रिंदिका नीति तभी सफल होगी जब India की Growth Rate अग्रात्मक बढ़ती रहेगी तथा सामाजिक समाप्तिशाल होगा साथ ही लीकत्वे में स्थापित होगा।

Note:- इस प्रिंदिका नीति में औपचारिक रूप से आदर्शवाद एवं भूदर्शवाद की क्वांतिकरण गया है।

→ भारत और पाकिस्तान सम्बन्ध :-

भारत और पाकिस्तान के बीच निम्न मुद्दे हैं:-

कश्मीर
सियाचीन
सरक्रिया
सिंधु नदी

(i) कश्मीर :- ① कश्मीर की भाषत में विलय पत्र के द्वारा 26 अक्टूबर 1947 मिलाया गया। इससे पहले एक छोटे तंत्र पर पाकिस्तान गुजार कर चुका था। पाकिस्तान की ओर कश्मीर पर अपना दावा करता है, जिसका विद्युस्तान का कहना है कि - पाकिस्तान में गैरकानूनी तरीके से कश्मीर पर कुछ लिया गया हुआ।

② पठमान में पाकिस्तान का कहना है कि कश्मीर में जनमत समृद्ध दीना काहिर। ऐसिन भारत उसकी इस बात का परिचय करता है भारत का कहना है कि 1949 में 90 दिन की बारी लगाई थी तब ती पाकिस्तान ने दीना नहीं देया था। अब जनमत समृद्ध जो कोई मतलब नहीं है।

③ साथ ही भारत इह भी कहता है कि अस्त का संविधान कश्मीर का संविधान 26 January 1957 की लागू हुआ था और उसके अधीन उसे क्षेत्र गया है कि कश्मीर जो भारत का अभिन्न अंग होगा अतः जनमत समृद्ध की आपूर्यकता नहीं है।

① पाकिस्तान का यह भी कहना है कि पाकिस्तान में जली जली नदियाँ
कश्मीर से निकलती हैं, आरत जब वाहौ इनका misuse कर लगता है
और आरत अपाक में कशी-भी आपदा जा सकता हैं इसलिए कश्मीर
पाक की मिलना चाहिए। उसके अलावा पाक यह भी कहता है
कि कश्मीर की जीड़ी वाला एक भी Highway आठ खींची है
इसलिए भी कश्मीर पाक की मिलना चाहिए। ② पाक यह भी कहता है
कि कश्मीर की "कश्मीरी गत" "इखलामियत" है और पाक एक इस्लामिक देश
है इसलिए कश्मीर पाकिस्तान की मिलना चाहिए।

- भारत इन सभी तर्फ का एक खिंची से बदलन करता है और कहता
है

आरत द्वारा

③ कश्मीरीयत इखलामिक नहीं है कश्मीर में मुस्लिम, पांडित तथा खुफी
आते हैं तथा पाकिस्तान का यह तरफ भी गलत है कि कोई Highway
आरत से नहीं जुड़ता है, वरना में कारबिल Highway है जो भारत से
जुड़ा है।

④ कश्मीर के कुछ लोगों का कहना है कि भारत हमारी स्पायरेट्स का समावेश
नहीं करता है 1953 में किंग गम समझौते का सम्मान भारत की करना
चाहिए। कश्मीर के कुछ लोग आजादी की बात करते हैं।

⑤ भारत सरकार के द्वारा उठाये गये कदम :-

(1) भारत सरकार के द्वारा कश्मीर की समव्याप्ति के समाधान के लिए निम्न
कदम उठाये गये हैं।

(1) सुरक्षा उपाय (2) विधिवत उपाय (3) आर्थिक विकास

(1) शुरूआती उपायों में भारत सरकार के हाथों निम्न कदम उठाये गये हैं

- बीडी-एस "Multi model and Multi layer" हेतु नामी
- लैज रीवानी, कटिले तरी की व्यवस्था
- DIPAC तकनीक की अपनाया गया है [Image System]
- Unified Command. [Police DGP Rank, + BSF + ITBP + CRPF + IB.]
- District Armed force
- CRPF की Pasting
- पुलिस के आधुनिकीकरण पर ध्यान

(2) सिविल उपायों में :-

- शुपा विनियम कार्यक्रम
- "पतले की जानी" कार्यक्रम
- Loc cross. याता तथा व्यापार [सीमा पार याता तथा व्यापार]
- कवमीरी पंडिती का पुनर्वय
- अमरनाथ की यात्रा में व्यापार करने की हुट
- UDAAN Scheme [Professional की well paid Job]
- कवमीर "Update" magazine
- अर्थीकरण प्रोजेक्ट में - भारतीय PM के हाथ दीखना कि जमी योजना

- 200 4 में M. Singh, छाता 24000 रु. का आंसूटन
- 200 8 में युवा कवमीरी प्रवालियों के सिर राष्ट्र योजना

- 2015 में PM मीटी के द्वारा ₹5000 Cr. की आवंटन की घोषणा
- रेपगाड़ी की शुरूआत (कट्टर से उद्यमपुर)^{Kashmir}
- सुरंग बनार्ह गढ़ [चैनारी नौहरी-बस] 2017 में - पट्ट National Highway 44 पर है - South Asia की सबसे लंबी सुरंग।
- लैट - सहाय्य के विकास के लिए प्रतिवधि किया जा रहा fund.

→ कब औब उपर्योग के साथ- साथ आते सरकार द्वारा अन्य कदम भी उठाये गये हैं।-

- 2010 में दिलीप पाइपलाइन समिति [इस समिति के कामीर की उम्मीद में बांजे की बात थी थी]
- 23 अक्टूबर 2017 में दिनेशर शर्मा समिति [दिनेशर शर्मा IAS के Director रह चुके हैं, भारत सरकार ने दिनेशर शर्मा की अपना Special Representative नूना है, कर्ने की समझ का समय किया गया है सभी पक्षों से बात करने के लिए], पट्ट समिति वर्तमान की स्थिति पर विचार करती न कि पूर्व की स्थिति पर] इस समिति की असम्मानवादी से भी बात करने की दृष्टि नहीं है, कामीर की दी मुख्य पार्टी ने इस समिति का स्वागत किया है।

- मद्दूबा मुकिन बीतोकहा है कि - भारत सरकार द्वारा बातचीत की पहल भी भी जी द्वारा 15 अगस्त 2017 के छह बजे क्यन के नजदीक है - जिसमें भी जी के कहा था - "न गोली से बाली से कामीर की समस्या सुलझानी गई खगाने थी।"

* पर्यावाणी और कृषकीय :-

- पर्यावाणी की कृषकीय में "कुन्नी जंग" कहा जाता है। और क्से कुसे बलों की "संगवाज" कहा जाता है।
- पर्यावाणी की बुखार आते mugal empire में हुई थी। लाकियर स्पतं भारत में अद्य 2008 और 2016 में अधिक हुई है।
- 2016 में लगभग 2600 घटनाएँ हुई हैं। पर्यावाणी के दौरमें अद्य कहा जा सकता है कि कृषकीय जा भुपा बिरोजगार है इसे काश पर्यावाणी कर रहा है। लाल में कुछ जो तो भइ भी कहना है कि क्स के पीछे पाकिस्तान fund कर रहा है।
- भारत सरकार पर्यावाणी की शोषण के लिए बांध-बांध सुरक्षा बलों की व्यवस्था जी दी रखी है।

* पाकिस्तान और बहूचिक्षण :-

- आजादी के समय 570 रियाली थी, जिनमें से 10 पाकिस्तान का हिस्सा बनी।
- जिनमें से 40 रियाली खारन, मकरान, लाल बेला, जालात के प्रमाण बहूचिक्षण का हिस्सा थी, जालात के खान की पाकिस्तान के हारा बहुप्रबल सभ पाकिस्तान में शामिल होने के लिए वजामद किया गया।
- जालात के खान ने पाकिस्तान से समझौता कि पार विधि- currency (क्रेडिट) वैश्विक संबंधों, संचार एवं वित्त पाकिस्तान सरकार के पास रहेगी। यह बाकि विधि जालात के पास रहेगी।
- अक्टूबर 1952 से इन चारों रियाली की एक बर्फी एक नया उत्तर बहूचिक्षण बना दिया गया।

- अक्टूबर 1958 में "गवादर पीट" की ओमान से रक्षादलर वसुचितन का हिर बना किया गया।

- इस उकार के विषय में वसुचितन के लोगों के मन में पाकिस्तान के शहीदों की चौपाई किया। तथा वह अनेकों बार विशेष प्रश्नों के जवाब में भूमिका निभाए। [1958, 62, 73, 2003 और इलम में भी ऐसा हुआ]

- पाकिस्तान के पूरे विशेष भी भारत के द्वारा अड़काया हुआ बताता है।

- 8 June 2015 की पाकिस्तान के गृह मंत्री सरफराज खुग्नी (Sarfaraz Bugti) ने आरीप लगाया कि भारत में वसुचितन के लोगों की पाकिस्तान के विवाहित विद्रोही की मज़का रखा है, अक्टूबर 2015 की 080 में सबूत पेश किया। उपर्युक्त सबूतों की घासिकता दिनों के लिए 29 March 2016 की कूलभूषण जांचप की इसी कठी में भिरपतर किया और आरीप लगाया कि भारत के "RAW" का एजेंट है और उसे वसाफ़र कूलभूषण जांचप की फाँसी की सजा हुनाई।

- भारत ने इन सभी आरीपों का खबर किया। भारत जो छद्मा है कि भारत पंचवीस और विद्रोही की माफ़ा हैं वह विद्रोही की मानहृष्ट भारत का कहना है कि - भारत ने उसी भी किसी राजदूत के आंतरिक मामलों में दृष्टक्षेप नहीं किया है और कूलभूषण जांचप की लेकर कहा कि - कूलभूषण जांचप पूर्व में Navy के Captain हुआ करते थे। और उसकी Resign करके पहले पर्मान में द्वारा भी व्यापार कर रहे थे। पाकिस्तान ने द्वारा ये उसका अप्रक्षण कर वसुचितन लाये हैं और उन्हें आरीप लगाकर फाँसी की हुजा हुनाई। भारत ने इसकी अनुराधीय व्यापार (UN) में चुनावी दी। तथा कूलभूषण जांचप की फाँसी पर शीक्षणकारी

- बहुविस्तार पाकिस्तान के कुल Land का 40% ^{पूर्ण} और अन्य भूमि सेवाधारी से सम्पन्न होकिए जाना उत्थनन नहीं किया जाता। हाँकि इसके विकास के लिए पाकिस्तान ने चीन के साथ CPEC की ऐक्यता समझौता किया है। ऐक्यता बहुविस्तार के लिए इसके द्वारा आपने विशेष में मानते हैं। बहुविस्तार का मानना है कि इसके माध्यम से बहुविस्तार के सेवाधारी का उपभोग पूरे पाकिस्तान के लिए किया जायेगा और साथ ही रावदर पीट के Development से उनके मध्यभी पक्की का होना भी सीमित हो जायेगा।
- बहुविस्तार का बीड़िया अफगानिस्तान और दूसरा से खाता है और बहुविस्तार को दूसरा और अफगानिस्तान में भी होते हैं। अफगानिस्तान बहुविस्तार की पर अपना दावा पूर्ण ही हो करता है।

Surgical Strike

- "सर्जिकल स्ट्राइक" के आवाम एक नियमित क्षेत्र के अन्दर कि गई सैनिक कार्रवाई।"
- क्षेत्र अनुगति एक क्षेत्र की सैनिक दुकाड़ी द्वारा लाभित स्थान की साधनी के बाद अन्य क्षेत्र की तुकड़ान पहुंचाये बौद्ध अपने क्षेत्र में पापल आ आना।
- यह बाढ़ गंभीर की "Surgery" के लिया गया है।
- भारत ने औपचारिक रूप के द्वीपों कर अग्री तरफ उबर Surgical strike किया है।
 - June 2015, Nov. 2017 → म्यामार के Sagoing
 - 29 September, 2016 की PoK में → PoK में कार्रवाई द्वारा स्मृति के उत्तर में मारी जाती है। लेकिन पाकिस्तान में कुल Surgical strike की भारत ने Lt. Gen. Ranbir Singh (Indian Director General of Military operation (DGMO)) ने कहा कि भारत ने पहले कार्रवाई "Preemptive Self defence against terrorism" अंतर्राष्ट्रीय की रीक्षण के लिए पुर्व में कि गई कार्रवाई के तहत की है।
 - DGMO ने कहा कि भारत की बहुत की नियमित स्पेशल जानकारी मिलती ही की भारत के festival season के दौरान द्वारा आंतरिकतादीय के द्वारा एक बड़ी घुसपैठ की तैयारी थी। इसी रोकने के लिए Seven Launching Pad की उपलब्ध किया गया।
 - [वह स्थान से जहाँ से Flying Lorry के बाद आंतरिकता भारत ने घुसपैठ का उत्तराखण्ड के दूर से पहले LOC (International Kargil Line of Control) से दोता है]

- पाकिस्तान ने इस strike का घोषन किया था 16/05/2018 Scanned By Kanhaiya Lal

कोई भी strike वही किया गया भव्य हुक में UNO के द्वारा भी इस बारे

की पुष्टि की कि इस तरह का कोई भी strike पाकिस्तान में नहीं हुआ था।
- लेकिन आखर वे इस strike का जीर्णदार समर्थन लेते हुए कहा कि अपना

में भी इस प्रकार के strike किसी जाते रहे हैं। परन्तु पाकिस्तान अपनी

गतिविधियों की जटी रोकता है।

* Siaction

- 1984 वें श्री लिमाकिन पर किसी राष्ट्र का कोई छला नहीं था। 1984 में

पाकिस्तान के द्वारा "Operation अबाबिल (Ababil)" (Launch किया गया)

जिसके द्वारा उत्तर में भारत ने "Operation Meghdoot" किया और आखर

के द्वारा सिएला, विल्फ़ी फ़ोड़, Cryong-la की अपने निपत्ति में ले लिया

और पाकिस्तान के जिहां में Saltoro, Ridge निपत्ति में आयी।
(Sia-la)
- लिमाकिन पिछले के सबसे ऊँचा मुद्रक्षेत्र हैं जिसकी ऊँचाई 12000 फ़ीट है।
- यह उत्तरी गांत (गिन) (सिन्धियांग गांत), तिब्बत, कारकोरम Highway

(तुक्की नदी के 80% मुख्यम धर्दा रहते हैं)

से खुड़ा है।
- सैन्य उपार्थको के कारण भारत 8 मे. 1947 के उत्तिविन थहरा पर अपनी हित

है।
- लिमाकिन की सामरित महत्व CPEC बनने के कारण बहुत आवश्यक है।

गर्फ़। और उथेक नाम्बे के लिए यह सदृश्य बन गया है।

16/05/2018 Scanned By Kanhaiya Lal

(64)

- पाकिस्तान का कहना है कि लिमाचीन की बेनारं हड्डी जायि, कमोलि विद्युत उपस्थिति की वयविरण पुजापित ही रक्षा है। लेकिन भारत, पाकिस्तान के छांस पूर्व के अपिक्षणाली के कारण यहाँ से सैन्य उपस्थिति हड्डी की तैयार नहीं हैं।

* SIR GREEK (सरकारी)

- सरकारी, गुजरात के खासीप एक दलदली क्षेत्र है, जिसकी लेकर दीनी की आजादी की पूर्वक विप्रवाद है।
- सरकारी की कुल संबंधी-104 km है, जिसमें से कशीब 35 km Area दलदली है, बाकी सामान्य है।
- 1914 में खिंच और कुच्छ के राजा के बीच से समझौता हुआ था। इस समझौते के आधार पर 1925 में यहाँ पर सीमा विधीरित करने वाले पत्तेर लगाये गये, लेकिन आज भी दीनी के बीच छांगड़ा चम रक्षा है।
- इस विवाद का मुख्य कारण है कि इस क्षेत्र में व्यापक मात्रा में टेल की विष्णुर जा अनुमान है। इसकी लेकर दीनी देश 1965 में एक बार ज्ञाती में कर दी है। इस क्षेत्र में लगभग 10% इस्लाम पाकिस्तान के पास रखा गया।
- 1969-72 तक दीनी देश के बीच 5 बिठ्ठे हुक्म लेकिन सभी बनतीला निकली। 1998 में फिर वार्ता घरमा कि गई लेकिन असफल रही।
- 2004 में UNO के द्वारा विवाद की सभी कर्तव्यों के लिए दीनी देश की 5 लाख जा समाप्त किया गया और कहा गया कि 5-लाख में पापि विवाद का समाप्ति नहीं हुआ तो UNO के कर्तव्यों की अवृत्तिकीम प्रथा क्षेत्र दीप्ति

- अरविंगा) लेकिन क्षीर तक मात्रला जीं का आर्थिक समाजान सामुद्रिक जल संधि के द्वारा कर लिया जाएँ लेकिन पाकिस्तान का कहना है कि पहली दखली है और ग्राही पर सामुद्रिक विभाग लागू नहीं होगी।

* Sindhu River

- बट्टवारे के बाद दोनों दशों में खिंचूं तथा स्थापक नदियों के जल की लेकर विवाद हुआ। इस विवाद के समाजान के लिए World Bank ने 1960 में दोनों दशों के बीच संधि करवायी गई।
- इस संधि में पक्षियन की तीन नदियाँ Indus, Chenab, Jhelum पाकिस्तान की तथा पूर्वी तीन नदियाँ Beas, Ravi, Sutlej भारत की दीर्घी की गई। इस संधि में कहा गया कि बन नदियों का बहुमाल दोनों दश आपागमन के लिए, उपायर, विजली, उत्पादन के लिए कर सकते हैं तथा खिंचूं का 20% पानी इसीमाल के करने का अधिकार आपत की दिया गया। इसके अलापा 10% का सम्पूर्ण दोनों दशों की दिया गया ताकि ऐसे दशों का नदियों के पानी की बहुमाल करने के लिए नहीं बन सके। जिसके लिए भारत ने एक बड़ी शक्ति पाकिस्तान की
- 1970 से एह संधि लागू हर दी गई। संधि के लागू होने के बाद अनेकों बार खिंचूं जी पर बांध बनाने की लेकर विवाद रहा है जो Baghler Dam [1999-2008] इस कांदे के लिए दोनों दशों के बीच में 1999 से लेकर 2004 तक एक बार बातही ही झूकी थी। यह Round नामक बैठकीजा निकली।

- 2005 में World Bank के द्वारा Committee ने भारती और प्रियंग नदी की जल संधि की छानता की 13% से ऊपर करना पड़ा।
- दूसरी बांधों की अन्य बांधों की लेकर भी पाकिस्तान ने आपही जलाशय और नीर की स्थिति की बाधाएँ कियानंगेगा नहीं पर, "Run of the River" कियानंगेगा जलविधुत परियोजना एवं चैबाव नहीं पर "शारीर जल विधुत परियोजना।"
- पाकिस्तान का कहना है कि क्या कौन कौनी परियोजनाओं के उत्तराव लिए जाने की संधि की उल्लंघन कर रहे हैं और पाकिस्तान के प्रकृति की मांग की हैं।
- सिंधु की लेकर आस्त का कहना है कि पाकिस्तान सिंधु के पानी का अधीन नहीं रखा एवं यहाँ लाल जल अधीन लाता है और आस्त ने इसकी अपील करने की मांग की हैं। पाकिस्तान का विषय विपरीत कहना है कि आस्त सिंधु नदी का कम जल दर्जता है, जिस कारण इस व्युत्क्रितान में पानी नहीं पहुंचा पा रहे हैं।
- दूसरी बांधों की नीन-पाकिस्तान ने मिलकर नयी बांध बनाने की घोषणा की है ताकि पानी का सही उत्तमात्म ही सके।

→ प्रकाश निमित्त के उपाय → अभी तक 3 बार imp. प्रायः किए जा
 ① 1992 ② 1999 ③ 2004 [लेकिन लेनी बार असफल हुए]

- 1998 परमाणु परीक्षण, तथा कारगिल, संदर्भ पर दम्भा तथा 2007 में समझौता express एवं 2008 (26/11)
- प्रवासी बहाली के की तरफ़ :- (i) और नागरिक उपर्युक्त
 (ii) नागरिक उपर्युक्त



→ और नागरिक उपायी में - खेलिज सेवाएं निमग्न पर कार्य किया जाता है। जिसमें

- flag meeting [दिनों दिशों के बीच में LOC पर DENO
वालों, Automatic C BM, (Automatic
हट करने से पूर्व जानकारी देना),]

• Round वार्ता

- दिनों दिशों के खेलिज अधिकारी भी वार्तालाप से सुनाएं देना आदि।

→ नागरिक उपायी में - नागरिकी की सम्बांध, Trade Relation, पर्यटन, बख-
साताएं (लाईर - विली बख शाता), धार्मिक साताएं आदि।

→ समर्त वार्ता → समर्त वार्ता से आश्रम है, जब वार्तालाप में एक साथ
अनेकी मुद्दों की समिलित कर लिया जाता है, और

समिलित करने के बाद दिनों दिशा विषयों के समाधान के लिए संस्थागत
वार्तावाहिक के लिए तैयार होते हैं। इस समर्त वार्ता में "तुलबुल परियोजना"

[अष्ट परियोजना तुलबुल के मुद्दों से जुड़ा है, यह क्षेत्र नवी भू-
गण्डी के मौसम में नीपूण करने के लिए 1985 में जरम्म, श्री गंगोत्री
पाकिस्तान का कहना है कि भारत 1960 की संघीय तुल्यांगन कर रहा है],
अक्सीर, स्थाचीन, आंतकवाद, व्यापारिक सहयोग, Gangas आदि।

पाकिस्तान का कहना है कि दिनों दिशों के बीच में मुख्य
प्रधान अक्सीर है, जब तक अक्सीर के पिपाद का समाधान नहीं होगा तब
तक दिनों दिशों के बीच में सहयोग नहीं होगा जबकि भारत कहता है कि

(Q) दोनों के बीच में आंतरिकाद मुख्य विषय हैं इसका समाधान खस्त बातों के जरूर द्वारा हो सकता है।

- भारत और पाकिस्तान के बीच में आंतरिकाद का मुद्दा :-

- पाकिस्तान अभी तक 5 युद्ध भारत से कर चुका है - 1947, 1965, 1971, 1999, लेटिन इन घारी युद्धों में पाकिस्तान की वारदुर्दी है। तब पाकिस्तान ने 1989 में "Low Intensity conflict" (Proxy War, अथवा अप्रत्यक्ष युद्ध) की अपनाया है। 1988 में पहला प्रमाणू उत्सर्जित किया पाकिस्तान ने।
- क्षय 2005 में पाकिस्तान ने 1 Alliance बनाया। इस Alliance में पाकिस्तान के चार घटक थे → अलगाववादी (Separatist) + आंतरिकादी (Terrorist) + ~~उत्तरपंथी~~ समूह (Radical group), + अंगठित अपराध (Organised crime).
- इनकी सहयोग 2007 द्वारा थमा गया। मह युमानित हीते हैं कि retired डिवरल वन संगठनों के मार्गदर्शक थनते हैं। [The Hero movie]
- पाकिस्तान ने इसका क्रूरतमाल निकल करणी से किया:-

 - 1) एक ले पाकिस्तान की यह युद्ध लेस्ट घड़ता है।
 - 2) पाकिस्तान, भारत की कमज़ोर करना चाहता है।
 - 3) भारत की अंतर्राष्ट्रीय छपि की भी कमज़ोर करना चाहता है।
 - 4) राष्ट्र सी, पाकिस्तान की लाभ भी ही रहता है → पाकिस्तान वन संगठनों की जिम्मेदारी नहीं लेता तथा इन संगठनों के साथम से पाकिस्तान की विविध फर्द भी गाहु होता है।

→ अंतर्राष्ट्रीय संगठनों द्वारा मार्दि दबाव की पड़ता है तो (6)
Scanned by: Kanhaiya Lal Khichi

होता है।

→ राष्ट्रों के अपने हित - पूर्व में अमेरिका का हित
- प्रतिमान में चीन का हित,

इसकी मसूद अजहर के मुद्दे पर चीन ने Veto किया है।
आफीज सर्वदा उमुक्के पर भी Veto,

- चीन की लाग → CPEC की सुरक्षा करने के लिए [चीन की एक बड़ा निवेश CPEC में चुका है] - चीन की कट्टरपंथी समूहों के साथ भी सहयोग करना पड़ रहा है।
- चीन, पाकिस्तान की सुरक्षा पर भारत की कमज़ोर पर रहा है

- * अमेरिका अंतर्राष्ट्रीय मौद्री पर इन संगठनों की आंतरिकाधीनीकिता कर दिया जाता है तो पाकिस्तान की - एक आंतरिकाधीनी राज्य घोषित कर दिया जाएगा। जिससे पाकिस्तान में चल रही चीन की शीर्जनाएँ भी खतरे में पड़ सकती हैं।

• फरवरी 2018 में उमेरिका

- फरवरी 2018 में अमेरिका ने पाकिस्तान की प्रशिक्षण निगरानी सुची [शामिल स्पर्तनता का उत्खंडन करने वाले देश] में शामिल किया। पाकिस्तान के सुची में द्वामिल हीने वाला पहला देश है। पहले सुची 2016 में अमेरिका के क्रेंक आर बुल्फ इन्डस्ट्रीज विलिंजन फ्रीडम एक्ट, 2016 में बनायी गयी एक शीर्जी है। द्वामिल कि अमेरिका ने अभी पाकिस्तान की प्रशिक्षण सिंग के देश की सुची में शामिल नहीं किया है। इस सुची में वे देश का शामिल होते हैं जो बार-बार शामिल स्पर्तनता का उत्खंडन करते हैं तथा बार-बार हिंसा करते हैं। कल सुची में North Korea,

सुडान, प्रांतीर, चीन, इथन, सऊदी अरब 6/05/2018 Scanned by Kanhaiya Lal Khichi

तुक्कीमेनिस्तान, तजाकिस्तान वामिल हैं।

पाकिस्तान का कहना पहले कि पाकिस्तान तो सुध आंतंकवाद से बहस्त किया है, और पाकिस्तान ने अपनी List जारी की है जिसमें लगभग 12 खंगठनों की उसमें वामिल किया गया हैं। भारत ने जी करीब 36 खंगठनों की अपनी "Ban सूची" में वामिल किया हैं।

• अम्बवर (1998)
- JK

- लक्ष्मण-ए-तैत्वा की Ban ← (1986) • लक्ष्मण-ए-तैत्वा (जय) - साधिण मोदमद खर्द
- किया गया था तब "तारिक-ए-आजावी कुवमीर"
- एक चापा खंगठन बनाया गया इसकी ओर Ban कर दिया गया।
सब ही में दाफिज खर्द ने एक Political Party बनाकर भी उसकी ओर अमेरिका ने Ban कर दिया गया।
- दूसरे खंगठन शास्त्रीयी खंगठन "जमात-उल-दापा" है जिस पर भी Ban लगा दिया गया है।
- मुमली attack तथा Parliament attack के claim के लिए कुपर हैं।
अर्थ attack (प्रवालोट) Attack

- जैयशी-ए-मोदमद - 2000 में बना (JK), Head - मशूद जाजर
- अलकायदा (अर्थ-सैन्य अड्डा) - 1988 में बना, 2011 तक इसका Head - ओस्मान बिन लादेन, 2011 से Ayman - Al-Zawahiri
अलकायदा शाही दुख्य रूप ISIS के रूप में जानी जाती है।
अलकायदा इराक - (अब इस वक्त अगदादी) Head
ISI (Islamic State of Iraq)
ISIS (Islamic State of Iraq and Syria)

• تالیبان (جذبہ - دہشتی کا سینگھن) :-

16/05/2018 Scanned By Kanhaiya Lal

- مسیم احمد (2013 تک Head)
- مولانا عبدالعزیز مانڈویر (2016 تک Head → death by drone strike)
- Maulawi Habibullah Akund Jalal (present head)

* آرٹ اور پاکستان کے بیچ لادبوجہ

- پرہمناں میں دینی دیواریں کے بیچ میں 10 B\$ کا پیاسار ہے
- SAARC, SCO کی Member ہیں
- 2015 سے تاریخی Project پر دینی دیوار کام کر رہے ہیں

پاک - چین

1963 میں پاکستان نے کشمیر کی بھیجیاں ہیلی اسپاہی میں چین کی دی۔ اس 100 کھی کے لیکر لیجن میں کی جسمی ہے۔ پڑی اسی دینی کی میتوں کی بُرکھا ات ہیتی ہے۔ چینی ریڈیو کشمیر کی مُردی پر پاک کا سماں کر رہا ہے۔ اسی کشمیر مُردی کی ہی ڈھانچہ بھائی، کشیدہ چینی پاکستان کا پکھ لیکر اکسائی چین کے مُرد کی سُرپھی رکھنا چاہتا ہے۔

پرہمناں میں چین پاکستان کی سماں کی چینی سُرپھی کر رہے کے لیکر کر رہا ہے (اور ڈالہی میں اپنے کی سماں کی دیگری پکھی کے بیچ سُپنل ہے، جسے - پرہمناں سماں (2012)، پرہمناں پنڈھی ہیں کہا دیا جاتا تھا CPEC آدی) (2014)

→ CPEC کی چین کی دینی پارے لاؤں

- ① چین اپنے پیشہ راجح سیکھیاں کی پیشہ کرنا چاہتا ہے، اسی چین کا سکھ پیشہ چین ہے، جس میں سماں 80% آبادی تک مُسٹیلہ ہے، اسی کے ساتھ چین کی دن کی سُنپھی کی کرنا چاہتا ہے کہ چین کی سُنپھی کی ہے
- ② چین CPEC کے نامہ میں میڈیم اسٹریٹ تک پہنچنا چاہتا ہے چین کی دوسری کم ہے | ابھی چین کی میڈیم اسٹریٹ تک پہنچنے کے لیے

12/4/18

भगवन्न 30,000 किमी की दूरी पर कर्ता पड़ते हैं। इनकी कृति के पश्चात्

16/05/2018 Scanned By Kanhaiya Lal

अद्वैती मार्ग 3200 किमी रह जायेगी।

③ चीन के लिए CPEC "सिंगा और पुल" का पुनर्विस्थान आरं ओवर ऑफिलो विस्थान है।

- CPEC - चीन की "One Belt One Road" का विस्थान है। भारत के से बल्कि प्रश्नोच्च कर रहा है। विश्व प्रकार है।
- भारत में CPEC की प्रतिसंतुलित कर्ता के लिए चाहवार पीट तथा अफगानिस्तान से नजदीकी बनायी है, जिसके लिए भारत चाहवार पीट की तैयार कर चुका है। और अफगानिस्तान में अपनी बड़ी अभियान चिंगा रहा है।
- * चाहवार पीट :- चाहवार पीट १००० किमी महालाश्वर तक पहुंच बनायी जा इस हीत्रा का संबंध गहरे पानी का पीट है। चाहवार पीट कर्ता के विस्तान अंतर्में है और यह मकरान और हीमुजि खंडि पर्वती है। (विषयित्वान) (आमत की वाड़िमें)
- इपादर पीट से बल्कि दूरी ७२ km है। मुख्य से ४०८५३ Nautical Miles हैं।, कराची से ५५१ Nautical miles, और दुबई से ३५३ Nautical miles दूर हैं।

→ चाहवार पीट का महत्व है-

- 1) नीसीनिक अभियान एवं समुद्री प्रवासी की ज़रूरी के लिए (खुदी-ज़क)
- 2) चीन की प्रतिसंतुलित कर्ता के लिए वाष्णव में पाकिस्तान की भी प्रतिसंतुलित कर्ता के लिए [पाक ने बादा बीड़िर से हानि कर्ता व्यापार की मता कर दिया था]
- 3) चाहवार पीट से भारत ने जश्न (अफगानिस्तान) तज जीवन की विभाषा बनाई है। [अफगानिस्तान में भारत जश्न-इलारम रीड फैसलेकर रहा है]

*) [यह बीड़ गाड़ियों Highway का दिल्ला है०] 16/05/2018 Scanned By Kanhaiya Lal

- 4) भारत पर्टी परिवर्तन एकीकरण से धीन वाले दिन व्यापार की भी समर्थन देगा। जिससे आप्त की तेज आगामी Cost भी कम आपेगी।
- 5) भारत पर्टी "उत्तर-दक्षिण गलियारा" का प्रारंभिक चरण है०

* उत्तर-दक्षिण परिवहन मालियारा :-

16 मई 2002 की रात, इरान और भारत ने इस गलियारे की शुरूआत की जिसमें बाद में, अजरबैजान, उम्मीदिया, कुजाखट्टान, बिलासपुर क्षेत्र दिल्ली बने। और वर्तमान में यह केवल क्षेत्र श्रीजना से जुड़ द्यक्षे हैं। ऐसी तुर्की मैनिस्तान (पाकिस्तान के बाद चीन की one road one belt का दूसरा बड़ा सह्योगी); ओमान, मुक्केन, ताजिकिस्तान, तुर्की, सीरिया, किर्गिस्तान आदि भी इसके दिल्ली बन चुके हैं।

इस गलियारे में दो तथा पृष्ठाएँ line बीनी की बनाने की श्रीजना है० 2014 में 2 मार्ग शुरू होनुके है०

1) मुम्बई से बांद्रा (अजरबैजान) → बंदर-ए-अब्बास से (द्वारा हुए)

2) मुम्बई से आस्ट्रेंजन (कर्स) तक → बंदर-ए-अब्बास और तेहरान जौर बंदर-ए-अज़िली से (द्वारा हुए)

* भारत पर्टी के चुनौतियाँ :-

- 1) इरान एवं चीन की बढ़ती हुई नेज़दीकीया भी आरत के लिए लम्बाया भी जाना चाह चाहती है०, क्योंकि अभी हाल ही में चीन ने दक्षिण की पर्यावरण कांडियाँ की अपना समर्थन दिया तथा भरान भी free-

trade zone कर दिया गया।

हास द्वी में भारत ने इकान की तैयारी जा एक्रीयकर भारत से तेस एक्रीया है जो चिंग के विषय हैं।

CPEC - पाक

- CPEC की अनुमानित खागत 46 Billion दी लेटिन अभी तक इस पर 62 Billion रुपये हैं तुकड़ा हैं। CPEC की शीजना विसंवर 2019 में पूरा होने की उमीद हैं।
- अप्रैल 2018 में पीन ने CPEC की दिया जाने वाला फछ रोक दिया हैं। पीन का कहना हैं कि पाकिस्तान में बहुत सारा Corruption हैं।
- पाकिस्तान के सामने CPEC की लेकर भी कुछ पुनर्प्रतिशों आ रही हैं। ऐसी Link road का न बना, बल्कि भी किसी आदि। हाँसकि पाकिस्तान के लिए CPEC ज्यों अब तक बड़ी शीजना हैं। पाकिस्तान की व्यवस्थे बड़ी उमीद थी। लेटिन वर्गमान में CPEC को उल्लंघन परियोजना बन चुकी हैं।

~~India & Bangladesh~~

India & Nepal

- भारत और नेपाली के संबंध ऐतिहासिक हैं [शमायणकाल, बुद्धकाल]
- 17वीं शताब्दी में गोरखा रिंगड़म ने भारत के अपघं और मिथिला पर आक्रमण किये और वससी रुप से छोटे हीव पर छहजा कर लिया।
- 1814 में दीनी विट्ठि और नेपाल के बीच में शुष्टु हुआ। इस शुष्टु में नेपाल के राजा वार्षी हैं। 1816 में "Treaty of Sugauli" की जारी है। जिसमें अपघं और मिथिला का हीत्र भारत में मिला सिंगलता है और साथ ही नेपाल का भी शुष्टु होता भारत में मिला सिंगलता है।
- 1857 के शुष्टु में नेपाल, विट्ठि की नदय करता है जिसके कारण विट्ठि का नेपाल की एक अधिकृत हीत्र वापस लौट दी गई है।
- आजाद भारत के साथ नेपाल के संबंध अब्दू नहीं हैं (1990 हुए के साथ)। 1990 के बाद जाह्न और नेपाल के बीच बहुतर संबंधी की शुक्तजात होती हैं।
- 1990 के बाद किंग विट्ठि बनते हैं।
- 1996 में नेपाल में Communist Party of Nepal (Maoist) गठित है [वीन के सहयोग से]
- 2005 में वहाँ वाजटंत्र की समाप्ति होती है, हीर वहाँ संविधानिक उकिया का शुरू होती है।
- 20 Sep. 2015 की संविधान बनकर तैयार होता है, जिसका

मदहिवी विद्युत करते हैं

- कारण :- (1) सीधे का कम मिलना
- (2) राज्यों का कुनॅनिमान
- (3) नागरिकता

- इस विद्युत में मदहिवी आर्थिक नाकेबंदी करते हैं और इस आर्थिक नाकेबंदी का आरोप नेपाल, भारत पर लगाता है।

→ दाल में चीन के छाता नेपाल के साथ समझौता किया जाता है। इस समझौते में यह आ कि स्वा भुमिकी रुप रोड तथा रेल लिंग बनायेंगे।

→ चीन - नेपाल :-

- चीन ने शुक्रमय स्वी शहर के लिए दाल द्वी में 944.15 अरब नेपाली रुपये नेपाल की दिये हैं।
- 2025 अरब \$ का नेपाल के साथ ट्रेन खीज के लिए समझौता किया गया।
- चीन ने 13.05.2 अरब का निवेश भी नेपाल में किया है।

→ दाल द्वी में भारत - नेपाल

- नेपाल के PM [23-27 Aug 2017] भारत की भवा पर आये।
पिछले 8 समझौते किये गए → विद्या, संस्कृति, आपास, अपर्सेपना, ड्रेंग तकनी, स्वास्थ्य आदि की लिए समझौता किया गया।
- भारत वर्तमान में पंचश्चर बहुउद्देशीय परियोजना की पूरी तरी में काम कुआ है, LPG प्रबल भारत का नियंत्रित, विद्युती पहुँच सेवा नदी

(47)

पर पुल की बनाने में अपनी बड़ी ज्ञानिका निवारत है।

- Sept. 2017 में भारत ने सूखकिरण 12 वाँ शैन्य अभ्यास का प्रारंभ
- (नेपाल) में किया है।
- भारत ने कुल 31 अभ्यास फॉर्म निवारत किया है।

भारत और नेपाल

* काला पानी विवाद →

काला पानी नदी है, जो भारत और नेपाल के बीच सीमा का विचारना करती है। भारत 1962 में काली पानी नदी के पूर्व में १५ किम्ब बनाता है। इस केम्प बनाने के पूर्व दीनों की दौड़ी के समय शीर्ष विवाद नहीं था, परन्तु विवाद 1962 के बाद ही उत्पन्न होता है और नेपाल का कहना है कि भारत इस ओर की हायर और पश्चिम में बैकर जाए, लेकिन भारत ने क्या बात की अन्ती तक स्पीफार नहीं किया है। दीनों की दौड़ी के क्षेत्र में कई बार इस विवाद के समाधान के लिए पत्ता हुआ, लेकिन अबी तक समाधान नहीं हुआ है।

→ डीफलाम के समय नेट विवाद उत्पन्न होमने आगे जब चीन के अधिकारी ने कहा कि ऐसा सैट ऑफ भारत के आवायन के लिए किया है। ऐसा ही चीन नेपाल के काला पानी और कश्मीर के लिए भी सत्ता है। इस वक्तव्य के दौरान नेपाल ने कहा कि नेपाल के PM की 23 अगस्त 2017 की आवत की यात्रा हुई। इस आवत ने संपूर्ण वक्तव्य के दौरान नेपाल ने कहा कि नेपाल इस मामले में किसी का पक्ष नहीं लेगा, अस्थानी स्थान रहेगा और शायद ही दीनों की दौड़ी के समय उसमें पार्ट हुए।



India & Bhutan

- ① भूयन, भारत का प्रैसी क्षेत्र है।
- ② GDP Concept स्पेक्टर नहीं करता
- ③ Happiness Index की मानता है, 2014 से GDP Concept की मानती तरीका
- ④ भाषुभिक्षरपं जल संसाधन में एक अच्छी स्थिति में

- मुगल साम्राज्य का भी यह हिस्सा हुआ छरता था।
- 18वीं शताब्दी में भूयन एवं त्रिपुरा के मध्य में "Treaty of Sinchug" हुई थी। उसके बाद 1910 में "Treaty of Punakha" हुई थी।
- कल संधि के द्वारा भूयन के ऐवंशिक गाँगों त्रिपुरा के पास आ गए थे।
- 8 Aug., 1949 की भारत पर भूयन के मध्य संधि हुई।
- और यह संधि भूमि की संधि का दोहराप थी।
- 18 July 2008 की भूयन के अन्दर संपूर्णांचिक शाजतां दी स्थापना हुई। आरत और भूयन के संबंध गरम्भ से बीचितर हो थे लेकिन 1949 में हुई संधि का पिरोड़ त्रिपुरा के अधिग्रहण के बाद से ही चल रहा है, क्योंकि ऐसी उपकार के साथी गर्मी थी की भारत त्रिपुरा की रक्षा भूयन की जापी में मिला रहा।

व्यक्ति का यह असर आ कि भूयन आपने ऐवंशिक मानवी में स्पतां हीने पर दापा करने लगे। और यह बाबा - 1972 में द्रुतांशु (द्वितीय) में बनाना। 1971 में UN का सदस्य बनाना। 1979 NAM के summit में आमिल आग लेना आदि मेनिक्यामी किया।

एक साल भारत और भूयन के बीच संधि में तनाव का दौर किया गया [2003-04] इस तनाव का कारण था भूयन की Royal Army

(80)

के द्वारा भारत के माओवादियों का समर्थन करना। इसकी वाप 200+ प्रदू
संघि ग्रेड दी गई। तथा इसके स्थान पर 2008 में एक अस्थि संघि की
गई। अब संघि दीनी वेशों के सुरक्षा से लंबित भी।

पहलान में Hydro project शूयन के बाप आरत के पाल
रहे हैं भारत ने 2020 तक 10 हजार Mg. wt. के उत्पादन का लक्ष्य रखा है।
लेकिन दाल हमें जिस project से उत्पादन दीने लगा उनकी विजली
शूयन के उद्योग नहीं कुर पारा था तो आरत के इस विजली की
गांधार के मूल्य पर खरीद लिया है।

इस तरह से आरत ने विश्व की अब खेदवा दिया हूँ कि "आरत का
पता नहीं है, बल्कि एक अपसर है।" आरत ने शूयन की 2013 तक
30 Billion \$ की बदामता दी थी। 2015-16 में ही 61 Billion \$
की बदामता.

Bhutan - China

शूयन और चापना के बीच में सबसे मुख्य विवाद कुंबी चली गा है।
1961

India - Bhutan

* डीक्लाम विवाद :-

भूटान और चीन के बीच में चुम्बी खेली विवाद की दशा का पुराना है। 1961 में चीन ने एक मानसिकत के बाद भूटान और चीन के बीच समझौते हुआ। इस जारी रिया जिसमें उसने भूटान, नेपाल और लिकिंग के छोटे दो आपात्क्रिया क्षेत्र मानसिकत के बाद भूटान और चीन के बीच में समझौता हुआ। इस समझौते के दृष्टान्त तथा हुआ कि विवादित क्षेत्र के लिए बल और नहिं किया जाएगा। उसके पांचवाले समझौते के साथ कार्य किया जाएगा।

2002 में पुनः चीन ने क्षेत्र के अद्यता की ओर पुरा क्षेत्र उत्तरा कीते हैं। इसके पश्चात् भी भूटान और चीन के बीच में आगे-की वातरी हई। लेकिन फिर इन वाताओं का निष्कर्ष नहीं निकला तो भूटान ने 2015 में अद्यता के काट दिया कि चीन अपना इतापास भूटान में तब तक नहीं बना सकता जब तक वह चुम्बी खेली विवाद को समाप्त ना कर दे।

इसके पश्चात् भारत 2016 में यह विवाद पुनः पनपा और इसके लिए भूटान विदेश मंत्री चीन की आज्ञा पर गए। इस आज्ञा के बाद दोनों सरकारों ने यह सहमति भरताई कि इस विवाद को अतिक्रीद्ध समाप्त कर दिया जाएगा।

भूटान-चीन सीमा विवाद दूसरे में 16 पूर्ण 2017 को पुनः पुराना हुआ, फिर चीन अपनी सेना एवं इन्जीनियर्स को लैकर चुम्बी खेली से निपटने की डीक्लाम घर निभाने कार्य के लिए पहुंचा। मुख्य बैठक इस निभाने कार्य के गतत साबित किया। और भूटान ने कहा कि इस तरह की क्रिया 1974 के समझौते का उत्तराधिन है। जबकि

चीन का तर्क था कि 1890 में अद्य हिस्सा मूर्यान का नदीं चीन का भाग था।

डोकलाम एक त्रिजंक्षण बिन्दु (TRIjunction point) है। भी तीन देशों की सीमाओं पर पड़ता है - चीन, मूर्यान और भारत (सिक्किम)। क्षु द्विसे को भारत ने १९७५ में लिया है, कि ये मूर्यान का होता है। लेकिन चीन इसे अपना द्वीप घोषित करता है, तथा क्षु क्षेत्र को डोकलाम कहता है।

अद्य डोकलाम भारत के नाथुला दर्श, सिलिगुडी कोरिडोर (चिक्कन नेक) मात्र 15 किमी दूर है। क्षु शस्ते के हारा भारत के उत्तर पश्चिम के सात वज्य खुड़ते हैं। यदि इस शस्ते को नियंत्रित कर सिया भारत तो भारत पर भी व्यंक्ति के बावजूद उपर सज्जते हैं।

भारत ने मूर्यान का पक्ष लिया और 2007 में इह रक्षा संधि को निभाने के लिए भारत मूर्यान पक्षिया और चीन के निभिं द्वारा की शैक्षु दिया, जिसे भारत और चीन की सीमाओं का स्टेट ऑफ कहा गया।

* चीन को डोकलाम पर नियंत्रण करना चाहता था:-

चीन ने 2017 तक चुनी धारी में अपने निभिं कार्य करने का लक्ष्य करवा था, जिसके लिए वह कार्यरत था, जिनकी वह अपने हितों की संरक्षित इक्क द्वारा और उसकी सामरिक स्थिति (Strategic situation) मजबूत हो, एवं भारत से बदत मिले।

○ भारत का तर्क -

1. भारत ने कहा कि भारत अपनी 2007 की संधि की प्रतिबंधिता को नदीं छोड़ सकता, अद्य वात भारत के राष्ट्रीय द्वारा स्वास्थ्यार्थ अधीन डोकलाम के हारा चीन में पाकट दोहराई गई।

2. मूरान और चीन के बीच में 1998 का समझौता हो कुछ हुआ
जिसमें यह तथ्य हुआ था कि इस क्षेत्र में चीनी ओर तरह आ
निर्भावी ओर कोई ओर देश नहीं कर सकता।

* 3. भारत द्वारा यह तक दिया गया कि अन्तर्राष्ट्रीय नियमों के
अनुसार भी चीनी कोई क्षेत्र किपाइट हो और अन्य देशों के
द्वारा उस पर आपति लगाई गई हो तो उस पर नियमिती कीर्ति
नहीं हो सकता, और यह क्षेत्र आरत के लिए भी चिन्ता का
विषय हैं जोधी यह आरत के सिसियुडी इंडोरियोर के नजदीक हैं।

* विवाद का समापन :-

यह अगस्त 2017 में हुआ पिस्में दोनों देशों की ओपसी सहमति के
द्वारा पहाँ ज्ञे अपनी सेनाएं हटा ली गई हालांकि चीन ने सेना हटाने
के बाद अमान दिया कि तकालीन सेनाएं हटाई गई हैं। लेकिन चीन
पहाँ पह पेट्रोलिंग खारी रखेगा तथा अपना दावा बनाए रखेगा।
भारत ने अमान दिया कि - हमें खुशी है कि चीन ने आरत की
कुरुक्षा की चिन्ता को समझा है और इस विवाद को समाप्त कर
आसी सहमति के द्वारा सेनाएं हटाई हैं। जिसे आरत ने अपनी
दृष्टिकोणिक विजय (Diplomatic victory) करार दिया।

इस विवाद के समापन के बाद मूरान ने कहा कि
चीन का भद्दा से हटा भूटान की चिन्ता को बाल्फ करना था
अदि चीन भद्दा पर अपनी उपरियति दर्ज करा देना तो वह
यिम्फु (भूटान की राजधानी) पर भी नियन्त्रण कर सकता था।

हालांकि चीन ने मूरान को अनेको प्रत्योगिता दिए थे
चीन ने मूरान को कहा कि भूटान और चीन की उत्तरी
सीमा पर विवाइट मूर्छि भूटान को दे दी जाएगी अदि भूटान
लेक्हाम को छोड़ दे, लेकिन भूटान ने कहा कि मूरान अपनी
ओर भारत की कुरुक्षा से जोई समझौता नहीं करेगा। वहसुनी बाद

16/06/2018 Scanned By Kanhaiya Lal

चीन के क्षरण में धमकी भेसा व्यवहार दिखाई दिया। इस व्यवहार
में चीन की मीडिया ग्लोबल टाइम्स ने कहा कि चीन आरत के
1962 के सुष्ठुप्ती की भाद बिला देगा (पिसेमें आरत की हर दुई थी)।
इसके अलावा चीन के विदेश मंत्रालय के आधिकारी ने कहा कि भेसा
स्टैंड ऑफ भारत भूतान के पक्ष में ऐसा रहा है, जोसा स्टैंड ऑफ
चीन की नेपाल और उत्तरीर के लिए ले सकता है। यह ही
पहली बार ऐसा हुआ था कि इस मुद्दे पर चीन ने अन्तर्राष्ट्रीय समुदाय
(UNO) के मद्द मांगी, और यह ही चीन की मीडिया ने इस मुद्दे
को अपरिहार्य घोषिया किया।

भारत ने इस मुद्दे पर एक संयुक्त व्यवहार दिखाया तथा
एक बार भी कोई उत्तेजक घोषणा नहीं किया, हालांकि आरतीय मीडिया
द्वारा चोटा गढ़ुत प्रतिक्रिया हुई। भारत सर्वैष दूरदृशी युद्धों की
बात करता रहा और भारत ने वी दूरदृशी के पहले कर्त्तव्य दृष्टि
अन्तर्राष्ट्रीय डोक्याल को इत के लिए चीन ओजा।

* चीन की समस्याएँ करने के कारण :-

1. नवम्बर 2017 के पहले स्पॉट में चीन में तुनाप होने वाले थे पिसेमें
पी-पिनपिंग अपने को दोगारा राष्ट्रपति बनाना चाहते थे और
इस मुद्दे के सम्बन्ध में उनका व्यक्तिगत कमजोर पड़ रहा था।
(चीन के पिछ्ले 4-5 वर्ष ~~आपने~~ आन्तरिक मीर्च पर विभिन्न
वर्ष कहे जा रहे थे और जो वर्ष पी-पिनपिंग के कार्यकाल के
बीच)
2. डोक्याल में भारतीय सैनिकों की हितें बहुत मजबूत थीं। उन
मजबूती का उदाहरण है, भारतीय सैनाएँ उन्होंने रस्तर पर
पर्वती चीन की सेनाएँ नियंत्रित स्तर पर थीं।

3. भारतीय सैनिक वर्तमान में नोर्थ इंडिया में लाइन 3,00,000 सैनिकों में हैनात है। और हस्ते आलावा भारत ने North East की जीभाओं पर बहोस भिसाइल को भी हैनात किया है।
4. स्थितभर के पहले सप्ताह में CBRICS सम्मेलन होने वाला था (जिस बयान के आरत और चीन दोनों सहस्रांग हैं) और उस सम्मेलन में भारत का उपस्थित होना आकृच्छिक था परन्तु कारण क्षस का दबाव चीन पर था कि इस विवाद को खली क्षमाप्त किया जाए।
5. भारत में अधोदारी नौसम सार्थक ले रहे थे जिसमें चीनी जीभान के बटिल्यार की आवाज जताई जा रही थी।
6. भारत के सैनिक चीन के सैनिकों की तुलना में जमीनी क्षेत्र पर अल्पाधिक दल एवं बेहत मदबूत हैं जिनकी आख के सैनिकों ने जितने कुछ लड़े हैं उन्हें चीन ने नहीं लड़े इसका 1990 के दशाएँ से भारत आतंकवाद के पूर्ण रहा है और यह अज्ञात युद्ध भी भारतीय सैना द्वारा लड़ रही है।
7. चीन डोकलाम मुद्दे पर अनेक पड़ गया था अहं तक कि नेपाल जैसे देश भी उसके साथ यह नहीं हुए।

* निष्कर्ष :-

इस डोकलाम विवाद से विशेषज्ञों का कहना था कि चीन को हानि हुई है। ऐसे हानि (अन्तर्राष्ट्रीय हानि) को लेकर, इसका आधिक साति को लेकर। लेकिन भारत ने अपनी इतनीति के नियम के माध्यम से यह पुमावित कर दिया कि भारत अब Soft Power की उत्तमी की अपनाकर वैश्विक पुक्षाएँ उत्पन्न कर रहा है। और इस विवाद के बहुत तथ कर दिया कि भारत एशिया पर पुक्षाएँ उत्पन्न कर सकता है। (आने वाले समय में)

- * मारत का सरोक़ार :- ① मारत ब्रह्मण देखे गरीब देशों के साथ हैं।
 ② Big Brothers Syndrome का रखन करता है।
 ③ मारत पड़ोसी देशों के लिए वितरा नहीं है।

- 1824 में ब्रिटिश ने म्यामार की भारत में मिला दिया।
- 1935 में ब्रिटिश ने इसे पिर से अलग कर दिया
- 1948 में ब्रिटिश ने म्यामार की स्वतंत्र कर दिया।
- 1948-62 तक यहाँ संवैधानिक शासन रहा।
- 1962-2011 - यहाँ पर सैनिक शासन की ~~आम~~ रक्षा (पुर्ण द्वारा)
- 2012 में यहाँ पर लोकतंत्र के उभास हुए। और एक सफल लोकतंत्र की स्थापना 2015 में हुई।
- 2016 में राष्ट्रपति Htin Kyaw वर्ते तथा State Counsellor (PM) - Aung San Suu Kyi

* म्यामार में समस्याएँ :-

- child soldiers

- बालशरण / बच्चुओं मजदूरी
- Human trafficking (मानव व्यापार)
- Rohingya मुठभेद issue

* आरत-म्यामार संबंध

- आजादी के लाद से लेकर 1962 तक भारत के साथ म्यामार के संबंध बदिया जाते रहे।
- 1962 से 1990 तक संबंध में छुटा की रहे
- इस दौर chattier खमुदाम के गवर्नर द्वारा नीति पर खमुदाम 1930 के आखियां म्यामार में आकर बस गये थे जो भारत से जपी थे परमान में कर्नकी रख्या गया एवं लाप

- कल दौर में चीन के साथ बेहतर संबंध होते हैं।
- 1990 के बाद Look east Policy की अपनी भवित्व का जारी भारत-
म्यांमार संबंधी में महुरता देखी गयी।
- वर्तमान में दीनी दिनी के बीच बेहतर संबंधों देखा जा रहा है।
 - आर्थिक संबंध
 - सैनिक संबंध (Surgical Strike : Sep 28 2017)
 - आच्छायक संचागत संबंध (कालाधान परियोगन,
जबर्दस्ती कालाधान, आर्ट-फ्रिमार्ट, थाइलैंड, लाइओस एक
लड़क निमाण Friendship Highway)
 - धर्म गतिक संबंध (Buddhist C, मैकांग गंगा संबंध).

* म्यांमार का महत्व *

- म्यांमार का बीड़ी India और China दीनी की Share होता है
[डीफलाम के बाद से और ज्यादा महत्व बढ़ गई है।]
- म्यांमार भारत के साथ Land & Ocean दीनो Border Share होता है।
- North east Andhra के विकास के लिए [उत्तराय और Link Road]
- Demys के व्यापार के नियंत्रण के लिए
- Myanmar Asian के लिए Gateway है।

म्यांगार

श्रीहिंदू मुद्दा - अभी हाल ही में चर्चा का विषय पुलिस बना कर्मचारी श्रीहिंदू के खुड़े संगठनों ने 25 अक्टूबर 2017 की रखाइन झान्त (म्यांगार) के उत्तर में पुलिस पोस्ट पर हमला किया और 12 पुलिस कर्मचारी की मार दिया। उसके पिछले म्यांगार में गुरस्सा अड़का और वहाँ की जेना ने श्रीहिंदू के पिछले अधिकार चलाया तथा श्रीहिंदू मुरिली का पलायन वडे स्तर पर और देशी की ओर होने लगा।

श्रीहिंदू म्यांगार के पिछले झान्त रखाइन में रहते हैं। इसके बारे में गोपियाद हैं कि ऐसे लोग कब व कहाँ से आये हैं। लेकिन जाताजाता जाता है कि 14वीं शताब्दी में वहाँ पर आठ रहने लगे। उसके बाद विदेश काल में श्री रखाइन झान्त में श्री विदेश काल में रहे। 1971 में पूर्वी पाकिस्तान में सह भुइ के दौरान श्री आठर बसे।

मूल समस्या संघर्ष की छाँटी नहीं बरिक न्यातीय संघर्ष है। और यह संघर्ष 17वीं शताब्दी से बुक्क लोकर अब तक चल रहा है। 2012 में भी यह संघर्ष प्रारम्भ हुआ था। तब श्री करीब 2 लाख श्रीहिंदू देश छोड़ दिए थे। इनका ज्यादा पलायन गांलादेश में है। वर्तमान में लगभग 5 लाख श्रीहिंदू शरणार्थी लाख हैं। गांलादेश सरकार ने श्रीहिंदू लोगों को भग गांलादेश से बाहर निकालना बुक्क किया तब वहाँ पर हो रही यह धरना की आलोचना संतुष्ट राष्ट्र छारा की गयी। दालांगि UN ने श्रीहिंदू की मुद्दे पर कोई बड़ा स्टेट नहीं लिया है। फिरभी भाँत करने की मना कर दिया है। लेकिन UN की मानवाधिकार परिषद ने यह कहा कि श्रीहिंदू पर जो श्री

आधार दो रहे हैं, उन्हें रोका जाए। तथा जो भी यह काम कर रहे हैं, उन पर मुकदमा लगाया जाए।

मारत - वर्तमान में भारत 15000 शहिंद्या UN का रिपब्लिक आड़ लेकर बह रहे हैं। भारत ने कहा कि भारत ने अभी तक UNHCR की सोचि पर अभी तक इस्तकार नहीं किये हैं, लेकिन भारत ने केवल 15000 कोटी नहीं पूर्ण में भी मानवाधिकार के आधार पर रिपब्लिक को ह्रीशा करन दिया है।

लेकिन विवाद तब उत्पन्न हुआ, जब सगाहग 40,000 शहिंद्या भारत में अवैध व्यक्त से आ गए, जिनके पास कोई भी पहचान नहीं है, पहचान में रिपब्लिक का, किसी देश कोई नागरिकता या अन्य कोई आत्मात सम्बन्धी का नहीं है। भारत सरकार ने अनेकों तरफ दिए हैं-

- > 2013 में हुए बम प्रिस्टोटो में कन सोगडो से छुड़े लोगों का घण्ट है।
- > बंगलादेश सरकार हाथा-भारत सरकार को रिपोर्ट दी गई है कि वह के सम्बन्ध आतंकादी सोगडो से हैं।
- > भारतीय चुप्पिया एजेंसी की भी रिपोर्ट है कि कन सोगडो के लिए भारत में कामित उत्पन्नी सोगडो से हो चुके हैं।
- > भारत सरकार का यह भी तर्फ है कि भारत की सेना और पदों के लोग वहना प्रशीघ्र कर रहे हैं तो इसके कारण की भी समीक्षा होनी चाहिए और खासकर वोह समुदाय ऐसा क्यों कर सकता है।

इसके साथ भारत की चिंता का प्रैषम आन्तरिक सुरक्षा तथा भारत में अंतरिक्ष के सम्बन्ध न बिगड़े रहे जी हैं।

भारत सरकार द्वारा लिये गये निर्णय के बाद 2 शोहिंग्या ने सुहीम कीट में वायिका लगाई और कहा कि भारतीय संविधान अनुच्छेद 148(2) के बाद नागरिकों को ही नहीं बल्कि मानव को देता है। इस वायिका के बाद भारत सरकार ने कहा कि यह मामला कार्यपालिका का मामला है, और व्यायपालिका क्षेत्र में दस्तकेप न करें। इस प्रकरण के बाद भारत सरकार का प्रियोद्य भी प्रारम्भ हुआ। प्रियोद्यों का तरफ है कि शोहिंग्या को शरण देना चाहिए क्योंकि भारत एवं ऐश्विन शक्ति के क्षेत्र में उभर रहा है, इसलिए भारत की ऐतिहासिक प्रभेदारी बनती है। कि यह शरण दें। पिस्से भारत का दावा UNSC में और मजबूत होगा। यहाँ तक कि तुछ लोगों ने इस मुद्दे को धार्मिक रूप भी दिया है, जिनका कहना है कि एकमा शारणाधिकारी को तो शरण दिया, दलाई लामा को तो शरण दिया, लेकिन शोहिंग्या को मुस्लिम होने के कारण शरण नहीं दे रहे।

शोहिंग्या को लेकर भारत के अपने सुरक्षा हित खुड़े हुए हैं, जिनके हुमां भी सरकार के पास हैं। उन युमोगों को देखने के बाद सुरक्षा के मुद्दे की महत्वपूर्ण मानकर यह निर्णय दिया गया है। दातांशि मानवता के आधार पर भारत सरकार की यह किंचार करना चाहिए कि शोहिंग्या के सभी लोग आंतरिकी नहीं हैं।

* भारत - चीन :-

चीन ने भारत में आरी निपेश किया है। चीन के सितम्बर बन्दरगाह के पास विशेष भाष्यक द्वीप का निर्माण कर रहा है। इसके अलापा अन्य और परियोजनाओं में भी चीन अपना निपेश भारत में बढ़ा रहा है, जिन द्वारा द्वीप के कुछ घटनाओं को देखना कहा जा सकता है जिसके भारत एवं तटस्थ इंडियन चीन और भारत के लिए अपना क्षेत्र है। उसी सितम्बर बन्दरगाह को भारत सरकार ने कलापान परियोजना के लिए भारत को दिया है।

इन सबके अलापा जहाँ भारत सरकार पूर्व में भारत के उत्तरपारी स्थगृही की समर्पण दे रही थी (जिसका एक कारण चीन द्वारा अड़काया जाना था) तो वहीं आप वर्तमान में भारत सरकार आख्य तु द्वितीय की सुरक्षित रखने के लिए बड़े बड़े कर दिखा रहे हैं। उसके उपाय यह है - सागारिंग मान्त की उन्नति धुसरेटी के लिए अतिविधित करना, बोर्डर पर समुक्त गश्त / पेट्रोलिंग करना, और अभी द्वारा में दो-दो स्थानिक रद्दाशु की अंजाम दिया गया - 2015 & 2017।

* भारत और बांग्लादेश :- India & Bangladesh

भारत और बांग्लादेश के रिहिते आजारी के बाद से ही बेहतर है, जिन समरभात्व तष्ठ पुराना होती है। जब शासक इरकाद जीते हैं। इरकाद बांग्लादेश को एक इस्लामिक देश घोषित करते हैं। 1991 के बांग्लादेश में श्री-१३३५ व्यक्त्या शुक्र दीती है। - आपामी
लीग तथा BNP (ANTI- INDIA) (Pro India)

आपामी अग 2000 के सत्ता में हैं, जो भारत की समर्थन पार्टी हैं।

- वर्तमान में भारत और बांग्लादेश के बीच विपाद के अनेकों मुद्दे हैं, जैसे -

1. गंगा धारा - 12 Dec. 1996 के द्वारा इस समझौता को इर (Ganga Water Treaty) करने का प्रयास किया। 30 वीं संधि के द्वारा।

2. आतंकवाद - भगात - ए - इस्लामी बांग्लादेश भारत के विरन्दृ आतंकवादी गतिविधियों में शामिल रहता है। इस पर उत्तिष्ठित करने का प्रयास चल रहा है। हालांकि इसके उमुख भोली उर्द्धमान को 2016 में ब्रूफुर्ड दे दिया गया और व्यापक उत्थापन व्यवस्था की कर ली गयी। - 2013

3. वर्तमान में संयुक्त गश्त तथा संयुक्त चौकी बना ली गयी है। बांग्लादेश का लैड ऑफ़ एट लैना, जिसके लिए एक आवागमन मार्ग बनाने की बात चल रही है, जिस पर लगभग बांग्लादेश की सहमति ही गयी है। कससे भारत में इरिया 1600 किमी से 400 किमी कम ही खायेगा

4. बांग्लादेश से अपेक्षा आपूर्जा होता है, जिसके लिए भारत की TSLF ने छठ टू किलोमीटर की नीति अपनाई है। करीब 1700 लोग इस नीति से 2011 तक मरे भा चुके हैं। जिसका विरोध बांग्लादेश द्वारा ज्ञापा होता है।

5. चक्रमा शरणार्थी

6. तीन बीड़ा कोरिडोर - यह दोनों समझौता 6 जून 2015 द्वारा समाधान की भा चुकी है। इसमें 11 एक्स्ट्रें - बांग्लादेश, 51 - भारत।

सहयोग -

- व्यापार और निवेश में 2018 तक 10 बिलियन डॉलर का टारगेट रखा गया है।
- मारत वहाँ पर अनेकों मित्रियन के उपेक्ष बना रहा है।
- मारत सरकार इसारा अनेकों द्वितीय में लोन - पदमा चिज के लिए 1 बिलियन डॉलर का ऋण देना, एवजी कोपरसेन - देनों देश मिलार 58,971 मेंगावाट उत्पादन की व्यावसायिकों को लेकर काम कर रहे हैं।
- द्वारच्य सहयोग - अस्पताल निर्माण
- छात्रवृत्ति
- High Level Visit

* बांग्लादेश - चीन ; तीन मुद्दों को लेकर मारत चिंतित है -

1. चीन बांग्लादेश को आरी मार्ग में ध्यायार बेच रहा है।
2. चीन ने BCIM को विकसित किया है। जिसमें भारत की शुभिका कम और चीन की शुभिका ज्यादा है।
3. चटगाँव बन्दरगाह - यह बांग्लादेश का चीन द्वारा विकसित किया जा रहा है। जिसे भारत ('स्ट्रिंग ऑफ पल') का हिस्सा देख रहा है। जो भारत के आविष्य के लिए असुरक्षित भीन का निर्माण कर रहा है।

पकड़ा

पकड़ा का मूल निवास दक्षिणी शुर्की बांग्लादेश है, जो चटगाँव द्वितीय में पड़ता है। यह द्वारा द्वितीय पटाड़ी देगा है। ये शुर्की द्वितीय की मानवी वैली हैं तथा कृषि मुख्य व्यवसाय के रूप में मानते हैं। फ्रिड्रिश कार्ल में इनकी आबादी ७६% थी

(चक्रमा के अलावा अन्य जातियाँ भी यहाँ पर रहती हैं; जिन्हें संयुक्त रूप से खुम्ला कहा जाता है) मुख्य आवादी चक्रमा की है-

विट्ठि भरकार ने 1900 में CHT गिल पास किया और इस गिल को पास करके इन्हे स्वामता दी। आजादी के समय जब भारत-पाक का बट्टपारा हुआ, ये खुम्ला लोग भारत के साथ रहना चाहते थे, लेकिन जब रिपब्लिक सेत्र में जनसत संगठन हुआ तो उसने पाकिस्तान में मिलने की धीमगा की, जिस कारण में लोग भी पाकिस्तान का हिस्सा बन गए, लेकिन इन लोगों ने भारत का छांडा फूदराया, जिस कारण पाकिस्तान भरकार ने इन्हे गदार कहा और पाकिस्तान भरकार ने इन्हें देश को मिले विकासाधिकार को दीन लिया, जिस कारण पूर्वी पाकिस्तान के अन्य क्षेत्र के लोग भी इन्हें देश में कहने लगे।

1962 में पाकिस्तान ने इनके क्षेत्र में एक बांध बनाया। जिस कारण अब्बी लोगों को 9हों से पलायन करना पड़ा और वे भारत में आनंद बस गए। भारत में ये मिजीरम, गिरुदा तथा अस्तगांधील पुंडेरा में जाकर बसे। लेकिन भारत के स्वामी लोगों ने इनको दबीकार नहीं किया, इस कारण यहाँ भी एक संघर्ष पुराना हुआ। पाकिस्तान के बट्टपारे के बाद भी समस्या यही की ओर रही। उसके बाद चक्रमा ने दधियारो का संघरा लेकर संघर्ष पुराना किया, जिसके लिए 2003 में गोरखादेश भरकार ने एक समझौता किया, भी असफल रहा। और भारत में SC ने 1996 में कहा कि अतिकीदृश्य चक्रमा के सौगों को भारत की नागरिकता की जाए, लेकिन अभी तक बहुत कम लगभग 2000 लोगों को ही नागरिकता मिली है। 2015 में ने भारत भरकार का इंटर लगाई और कहा कि अभी तक इन्हें नागरिकता क्षमा नहीं दी गयी। लेकिन

इस नियम के बाद अर्थगत उपदेश, मिजीरम और शिखरा में
हरने के प्रस्तुत आनंदोलन चल रहा है। इसमें विषय वर्ष
उत्कृष्ट हुआ, जब मिजीरम सरकार ने चक्रमा से आपि ५ छात्रों
जो (मेरिट में) शीट देने से बचार कर दिया। केन्द्र सरकार
ने मिजीरम सरकार के प्रस्तुत कार्यवाही की ओर मिजीरम की
सीटें कम कर दी। यह अब अन्य विषय शारण हो गया।

Note :- 2014 में भारतीय PM ने कहा था कि हिन्दु शरणार्थी
मो जिसी ओ देश में शरणार्थी हैं, वे भारत आ सकते
हैं, बगीचे भारत हिन्दुओं के स्वाधी आपस हैं। और 2016 में
वर्षसे सम्बन्धित बिल ओ पारित हुआ, इसमें यह कहा गया
कि यही जिसी दुसरे शरणार्थी को ।। साल नागरिकता लेने में
लगेगी तो इन शरणार्थी को मात्र 6 साल लगेगी।

अभी इस द्वी में BBIM (Bangladesh, Bhutan, Indian,
Myanmar) मोटर वाहन सम्झौता किया गया है। और यह भारत के
शिखर Initiative लेनकर किया गया है। (Ching के Counter Balance
करने के लिए) जिसमें वन चारों देशों की जोड़ने वाली राजनीति
का निमित्त वरपाचा जायेगा।

14/4/18

India - China :-

16/05/2018 Scanned By Kanhaiya Lal

97

- 1949 में चीन में साम्यवादी क्रांति होती हैं भारत उन आधिकारिक देशों में से एक था जिसने चीन की मान्यता दी थी।
- 1954 में भारत और चीन में पंचशील आ समझौता होता है ऐसा देश,
- के संबंधों में लगा 1958 से ही देशने की मिलता है।
- 1962 में दोनों देशों के बीच में झुष्ट होता है। जिसमें भारत अपना एक बड़ा-सा छीत रखी देता है।
- 1967 [सिक्किम के संदर्भ में] में झुष्ट होता है, जिसमें चीन वारंटा हैं।
- 1987 में तापांग की लेकर संघर्ष, 2017 में डोकलाम की लेकर संघर्ष
- परमाणु में दोनों देशों के बीच में निप्पन मुहूर्ह है।

(1) Mc Mohan Line → 1914 में ब्रह्मपुत्र खोली गई थी (जिसका कुछ द्वारा ~
है आज चीन क्षेत्र रेखा की दीवार बनाने की वारंफतां हैं और चीन, कश्मीर के द्विसे तभा उत्तराखण्ड एवं जम्मू-कश्मीर के कुछ हिस्सों पर अपना दाता करता है)

(2) ब्रह्मपुत्र नदी → ब्रह्मपुत्र की लेकर भारत और चीन के बीच में कई मी
सांधि नहीं हैं, ब्रह्मपुत्र नदी पारदेशी से देकर गुजरती - चीन, भारत,
आंग्गिलर्पिता, ब्रह्माण्ड। भारत का आरोप है कि चीन बरसात के दिनों में
ज्यादा पानी की देता है, जिसमें आलाम में अत्यधिक पानी नष्ट
होता है जिसमें पानी रोक देता है जिससे कहाँ सुखा हो जाता है।
→ चीन का कहना है कि भारत के बूढ़े आरोप हैं इस तरह की पर्याप्त
कीफ समस्या नहीं है।
→ दोनों देशों के द्वारा पानी का इया share करने के लिए एक

पृष्ठा १०

संयुक्त अमेरिका बनाया गया था लेकिन वह आमीग १५/०५/२०१७ Scanned by Kanhaiya Lal Khichi हो दी है।
पा रहा है २०१७ में उल्के त्रुपरिवाम विवाह की दिन।

सीमा विवाद एवं जल विवाद की लेकर चीन द्वा खरख थीज़ और अंतिम दिवाह देता है वह आधिक छीन में तो Rebate करने की तरफ है लेकिन जल और सीमा के मामले में बही।

२०१५ में चीन ने ५८.४ Billion \$ का विस्तर किया था तो वही भारत ने मात्र १५.६ Billion \$ का विस्तर किया।

* आंतर्राष्ट्रीय और चीन *

चीन पर एट आरोप लगते रहे कि चीन भारत में कार्यकृत आंतर्राष्ट्रीय एवं अतिपादी संगठनों की सहायता करता है। मह आरोप "मेखूद अण्ड" की लेकर veto, तथा "दाफिज सर्क्य" की लेकर veto, करने की लिए बहुत आधिक लगी।

लेकिन चीन के president ना कहना कि इफ्कानी Network, एवं तालिबान संगठनों की आंतर्राष्ट्रीय संगठन हैं (Bricks summit)।

लेकिन अमेरिका में कार्यकृत आंतर्राष्ट्रीय संगठनों की लेकर उदासीन रवैपा रखता है।

Trade War & China :-

- २१वीं सदी एकीका की हैं क्योंकि एकीका में आधीगिक्रन ही कुछ है और एकीका एक बड़ा बाजार ही बन गुण है, और यही उन्होंना एकीका

की ओर बख्त कर रही हैं

- यीन स्वयं इन्हीं वेदा के अलापा अन्य देशों में विवेका करते हैं। निषेद्ध के अलापा पह व्यापारिक मार्गी पर नियंत्रण भी बदाश्च हैं।
- इस नियंत्रण को लेकर विश्व के सभी राष्ट्र वित्ति हैं क्योंकि उन्हें व्यापार करने में अनेकों परिवारियों जा सामना आता है खुता हैं।
- निषेद्ध के द्वारा भी यीन अपनी "Debt Trap Policy" को मजबूत बना देते हैं इसको लेकर भी विश्व के अन्य राष्ट्र उमुखतः आते अधिक वित्ति हैं।
- बन लावके अलापा अमेरिका एवं यीन "संरक्षणवाद की नीति" पर बहुत धिक्कर हैं। अभी दासी में डीनाल्ड ट्रंप जा सह छड़ा किए। "अमेरिका अपनी लोटी की संरक्षण व्यवे के लिए बाहरी आने वाली लोटी पर पर अधिक १५ लगामेगा।"
- यीन जा क्योंकि ग्रीष्मकाल में कहना है कि नदि अमेरिका कुछा करेगा तो यीन भी अनेकों उत्पादों पर इस तरह की संरक्षणवादी नीति अपना सकता है।

→ भारत का तरफ़ :-

- भारत का कहना यह है कि Ocean Route पर केवल यीन का नियंत्रण न होकर free Navigation यीन परिसर
- भारत "Debt Trap Policy" का विरोध बताता है।
- संरक्षणवाद की नीति जा भी भारत विरोध कर रहा है क्योंकि

आरत में "Nake in India" जैसे project अपनी उपग्रह
प्रातः को अधिक में बहुत अधिक उम्मीद हैं।

© NIPUN Alambayam

मारत - चीन

* दक्षिण चीन सागर :-

१० चीन सागर विवाद तब उत्पन्न होता है, जब तेल के नमे स्थानों की खोज होती है। ऐसा चीन का वाका कहता है कि १० चीन सागर का नाम चीन के नाम पर है। क्षमता यह पूरा सागर में है।

2013 में विवाद तब बढ़ जाता है जब जिशा (प्रायोल) और नानसा (स्ट्रेसी), इन दोनों द्विपो का एक आर्टिफिशियल विस्तार करते हैं, जिससे 1986 में इस समुद्री संघी का उल्लंघन हो जाता है। यह समुद्री संघी शान्ति खल की तीन आगों में विभाजित करती है।

- 1) 12 Nm - समूचे रूप से उस देश का अधिकार क्षेत्र
- 2) 24 Nm - इस क्षेत्र में एक शाष्ट्र ट्रैक्स आवंटित जाए जाता है।
- 3) 200 Nm - केवल आधिक रासाधनों पर अधिकार।

फिलीपिंस का मामला UNO में उठाता है और UNO प्रस्ताव पारित करता है कि चीन इसके साहयम से सामुद्रिक संघी का उल्लंघन कर रहा है। लेकिन चीन इसको उल्लंघन नहीं मानता और UNO की प्रस्ताव को मानने के कारण कर देता है। क्षेत्र समझी तब अन्तर्राष्ट्रीय लम्जंदी होती है। इस लम्जंदी में USA, जापान, ऑस्ट्रेलिया जैसे देश आगे आते हैं, जिसके नेतृत्व में USA बनता है। USA अपना सांतवा बड़ा १० चीन सागर में छोड़ता है, फिसला चीन विरोध करता है। इस विरोध के कारण USA की अपना बड़ा वहाँ से हटाना पड़ता है। लेकिन इस मुद्दे की लेकर चीन और USA में विवाद

अमेरीकी चल रहा है।

USA अपने सद्योगी देशों की मदद की बात करता है तथा मुक्त आपागमन की जी बात करता है, वही भारत का तर्क है कि भारत के जी सद्योगी देश कर बात के कदम में है, पिछले को लेकर भारत भी चिंतित है।

भारत जी मुक्त आपागमन के अधिकारी खुदी खंडि 1986 का भारत करना चाहता है। इनके अलावा जी भारत के अन्य और समान करना चाहता है। इनके अलावा जी भारत के उत्तर और दक्षिण है, लैंगिन भी दृष्टि अवधि से प्रभुत्व है।

* चीन की ओर नीति :-

इस नीति के दो घटक हैं - (1) Maritime Silk Route
(2) New Silk Route Road

खुदी भारी का निर्माण किया जा रहा है जिसमें एशिया - अफ्रीका के ओरोंको देशों के बन्दरगाहों को जोड़ा जा रहा है, तो वही यूरोपियन रोड-वड इसी आधारित मार्ग है, पिछ पर शेड और रेल कनेक्टिविटी खोड़ने की योजना है।

चीन को लक्ष - इस नीति से चीन की कनेक्टिविटी अफ्रीका, यूरोप तक ही जाएगी। उससे चीन की तेज आपूर्ति व्यापार अपनी क्षुरियत तथा मजबूत हो जायेगी।

भारत - भारत की आपूर्ति यह है कि चीन इस रोड का फ़सलीमाल भारत के विकल्प कर सकता है; जैसे इस रोड की एक परियोजना CPEC है, जो भारत की संपुर्णता को जी चुनीती दे रही है।

भारत की यह जी चिंता है कि चीन इन छोटे-छोटे देशों को नहीं देकर अपने निपत्रण में करने की योजना बना रहा है। जो उसके - उपनिवेशीय दुष्प्राप्ति को पिछा रहा है।

चीन द्वारा योजना के माध्यम से भारतीय सीमाओं तक अपनी पहुँच बढ़ा रहा है, ऐसे - तिब्बत का धर्मान्तर रोड का निर्माण कर लिया है, और अब इलाह द्वीप में ड्रॉकलाम प्रिंसिपल उत्पन्न ढांगा था।

दालांकि भारत ने चीन की यह योजना को अपने से दूर रखा है, लेकिन चीन ने भारत की कानूनी जरूरतों के लिए अनेक बार प्रस्ताव दिया है, खासकर क्षेत्रकाला बन्दरगाह को लेकर।

भारत ने चीन के इस प्रस्ताव का आक्षर दिया, लेकिन सभी दी कहा कि चीन की यह नीति कई प्रगट अस्पष्ट है, तथा भारत के चुरशा हिलों की जुरियत नहीं कर रही है।

भारत ने चीन की इस नीति को प्रत्युत्तर भी दिया है, पिछले प्रौद्योगिकी के साथ बेहतर सम्बन्ध बनाकर, प्रियंका ताजा उदादेश शीलण है। श्रीलंका ने इवांतों बन्दरगाह के 2 प्रोप्रेक्टस को (चीन की ओर) भारत को दे दिया है।

आरप ७५

आरप ७५

D Company
Company
D
D
9/13/2012
9/13/2012
Memorandum

white house down

* भारत - अफगानिस्तान

अफगानिस्तान का समाप्त (उ) नृजातीय (कविलिमाई) समाप्त है। यह समाप्त आपस में ही व्यंद्यधर्षत है। यहाँ पढ़ारी मरुस्थल है। तथा अधिक्यास्थान का उन्हें मुख्यतः अफगानी रेती है। धालानि अफगानिस्तान में रेतीनिप के व्यापक उपजार हैं। जिनमें Cu, Fe, U आदि हैं। पिनकी अनुभावित लागत लगभग 1 ट्रिलियन US डॉलर (\$) है। इसके बारे में कहा जा सकता है। अदि अफगानिस्तान के रेतीनिप का अन्यत दौहन हो भारती भविष्य का अंकी अरब बन सकता है।

अफगानिस्तान में प्राचीन काल में अशोक का स्थानांश तथा तथा विद्युत काल में अंग्रेज - अफगान युद्ध तीन बार हुआ (1838-काशुगुल का युद्ध, 1878, 1919)। 1919 के युद्ध के बाद विद्युत ने अफगानिस्तान की एक स्वतंत्र देश घोषित किया, जिसमें अमनुल्लाह खान शाखुफ थे।

1933-73 तक जाहिर शाह शाखुफ थे, 1973 में इनकी हत्या कर दी गई और वाइद खान शाखुफ की। 1933-73 तक इसके प्रचार 1978 में वहाँ पर PDPA (People's democratic party of Afghanistan) सत्ता में आई। यह एक साम्यपादी दल था; जिसने अफगानिस्तान पर नियंत्रण करना चाहा, लेकिन अफगानिस्तान पर नियंत्रण नहीं ही पाया। क्योंकि वहाँ का नृजातीय समाज इसके सरणर की स्वीकर नहीं करता है। इस कारण इस सरणर की वहाँ पर विकर्त्ता का समान करना पड़ा। जिसके लिए 1979 में रक्सी सेना वहाँ पर उपेक्षकरणीय सेना ने वहाँ पर नियंत्रण करने का उमाख किया, लेकिन, अह नियंत्रण असंभव हुआ। इसका कारण था तालिबान खँगठन के हारा जेल्द कागँब किया जाना। जिस कारण फिर कुछ दौशा तथा लोग इस ओपीएल में सम्मिलित हुए और USA और दूसरी देशों ने इस युद्ध की समर्थन किया। जिस

1989-96 तक वहाँ पर गृह युद्ध चला। 1996 में तालिबानी सरकार सर्वान्मेरी में आई और यह सरकार 2001 तक बनी रही। 9/11 की घटना के बाद USA ने तालिबान के ओस्मामा-बिन-लाईन [आलाकमान-सउदी अरब] की मार्ग की, लेकिन तालिबान ने उसी दिन की भवा कर दिया।

तब Dec, 2001 में USA ने Operation enduring freedom लाय किया, जिसमें शाहीन की राष्ट्रपति बनाया गया, और सुरक्षा परिषद की मंजूशी लेकर ISAF [International Security Assistance Force] की शैरागया। इस सेना ने तालिबान का सफाया करना शुरू किया तो वह पाकिस्तान की ओर अग्रसर ही गया। और वहीं से इस लड़ाई की जारी रखा। लेकिन 2009 में तालिबान ने पुनः अफगानिस्तान में अपनी की मजबूत फरना शर्की किया। जिस कारण 2010 में राष्ट्रपति बरझई ने वहाँ पर बांटि की स्थापना के लिए तालिबानी दली से बातचीत की। इस बातचीत से बांटि की स्थापना हुई, लेकिन 2015 में 'तालिबानी नेताओं'। आलाकमान ने इस बार्ता की तेज़ दिया। साथ ही एक लड़ाक परिवर्तन 2014 में हुआ। वहाँ पर अबारु गनी राष्ट्रपति बर्ने और National Unity Government [अफगानिस्तान के सभी समूहों की लेकर बनायी गयी सरकार] की स्वीकार कर वहाँ बांटि बदाल करने का प्रयास किया, जो काफी हद तक सफल थी हुआ।

* USA- अफगानिस्तान *

दोलांकि USA का दृष्टिकोण 1980 की ही अफगानिस्तान में है, लेकिन प्रत्यक्ष दृष्टिकोण 2002 में प्रारंभ हुआ। जार्ज बुका ने वहाँ पर युद्ध प्रारंभ किया। इस युद्ध में USA की मारी मुक्कसान हुआ, जिस कारण जार्ज बुका की USA में आसीचनाएँ हुई। इस सामौल्यनाम के कारण 2009 में बराणीओं

ने दीपना की थी कि वह खत्य दी पर्हों से अपनी जीवना को हटा देगी, लेकिन इसका विपरीत हुआ और इसमें उन्हींने भारी सैन्यवल दी हैनात किया तथा 2009 में अफ़-पाक जीति, 2009 घोषित की। जिसमें USA ने अप्टे और बुरे तालिबान में जीद किया और आध दी सुवाखन की स्थापना पर बल दिया। लेकिन यह जीति भी बहुत अधिक सफल नहीं रही और USA ने दीपना की कि 2014 में USA अपने की पर्हों के हटा देगा और 2016 में पूर्ण रूप से हटा देगा।

2017 में डीनाल्ट ट्रूप राष्ट्रपति बने और उन्हींने नई अफगान जारी की दीपना की, क्य जीति में ट्रम्प ने कहा कि अपने हितों की संरक्षित करने के लिए तथा काँति की स्थापना के लिए USA हर संभव उपाय कीणा। लेकिन उन्हींने 'इस तरह की कोई दीपना नहीं कि किसी सैनिक शहीदी आर्थ साय ही USA ने पाकिस्तान की कहा कि दीदा रवैया नहीं चलेगा, एक तरफ ऐसे आर्थ, वही दूसरी और दूसरी जो समर्थन।

साय ही ट्रूप ने भारत की ऊर्जा की और क्षमता की भारत जिस उकार दिए भवासागर तथा दक्षिण तीव्र भागर में अपनी मण्डूती पुष्टि कर रहा है, उसी उकार पर अफगानिस्तान में भी अपनी भूमिका ध्वनाए।

इसके आध दी ट्रूप ने यह भी कहा कि भारत और USA के व्यापार में भी भारत की फायदे ही रहा है, उस फायदे में से कुछ शरि भारत अफगानिस्तान में सामाजिक अपर्सेक्युनाइट में एवं कर्तृत है।

बासांकि भारत 2010 से ही अफगानिस्तान में कार्य कर रहा है और 2014 के बाद तो अनेकों कार्यों में भारत का भीगदान दिया रहा है, उसी संसद के निमित्त में भारत ने 710 करोड़ रुपये का कर देकर संसद की बनाया, 4 जून 2016 की संसद गांधी का निमित्त अवधारणा गया, जिसे इंडी अफगान स्ट्रिंग्स ऑफ़ ऑन कहा गया; 18 Dec. 2017 से अफगानिस्तान से हीकर गुजरने वाली तापी परिवहन आरम्भ हुई। पूरा करने का

2019 तक क्या होगा है।

इन सबके अलावा भारत व्यापार में एवं अन्य जीजीट में भी अफगानिस्तान में
निवेश कर रहा है, जिसकी दम मुख्यतः तीन आर्गी में लाठे सकते हैं:-

- (I) अपर्याप्तनात्मक विकास
- (II) मानव संसाधन विकास
- (III) सौन्य प्रशिक्षण कार्यक्रम

इन सभी कार्यों का परिणाम यह हुआ कि अफगानिस्तान के लोग भारत की
आधिक प्रस्तुत करने लगे हैं। जैसा कि 2010 में अफगानिस्तान के अंदर काँस अपनी
हुआ था (निवेश के लिए खननात् संग्रह) यह खननात् संग्रह अफगानिस्तान के करीब
1000 लोगों पर हुआ था, जिसमें 50% मुसाजीं भी भारत के पक्ष में मतदात छिपा था।

हालांकि आवत के द्वारा किये गये निवेश की पक्ष पर तालिबानी संगठन द्वारा घटना है
क्योंकि तालिबान द्वारा आपने हीन विश्वार में लगा हुआ है, उसका लक्ष्य भारत द्वारा
निवेश विकासी है, जिस कारण भारत की सुरक्षा चिंताएँ अफगानिस्तान की लीकर बनी हुई
हैं।

पर्तमान में मीजूदा प्रृथक यह है कि क्या भारत की तालिबान के विकास युद्ध में कूदना चाहिए
या नहीं? हालांकि यह प्रृथक एक बड़ा विचारणीय है कि भारत की क्या नीति हीनी बहिर्भा
लीकी प्रश्नों की अपनी - अपनी रूप हैं: लेकिन भारत सरकार की बेद्द ज्ञानानी
वक्तव्य युद्ध में बाहिय हीनी वाले प्रश्न की विचार में रखना चाहिए।

यह व्याप्त है कि अपने निवेश की सुरक्षा के लिए भारत की युद्ध बुद्धी या ज्ञान
करने चाहिए। भारत के लिए अफगानिस्तान ज्ञानरिक, आधिक स्थानीयिता, सौरक्षा
एवं भास्तपूर्ण देश है। इसलिए गंभीरता द्वारा विचार होना चाहिए।

* अफगानिस्तान और क्या

रसने 1979-89 तक अपना नियंत्रण अफगानिस्तान में रखा है, उसके पूर्व भी 19 की वार्षिक
में "The Great Game" में वार्गीयर बना था। यह Game द्वारा तात्फर है, द्वितीय और
रसने में अफगानिस्तान पर नियंत्रण करने के लिए हुआ संघर्ष।

- दोस्री ही में रक्स ने अफगानिस्तान में बढ़-बढ़ कर विद्यार्थी वैष्णवी में है, जिसके लिए रक्स ने 15 जून 2017 की अफगानिस्तान में गांति की स्थापना के लिए रक्स और 5 दीवारी का समीलन बुलाया, जिसमें आदत, चीन, बरान, पाकिस्तान और रक्स के असाधा 5 महज रक्षिता के दैश शामिल हुए, जिसमें रक्सी गीति निमिताजी ने अपने प्रसूत स्वेच्छा:-

- (i) रक्स ने पढ़ियमी वैद्वी की कहाँ कि अफगानिस्तान में गीति निमिति के समझे रक्स की 8 नेशनल अंदाज न किया जाए।
- (ii) तालिबान के साथ संबंध बनाफर गांति स्थापना की जाए।
- (iii) 2015 पर नियंत्रण के लिए भी अफगानिस्तान महत्वपूर्ण हैं।
- (iv) अफगानिस्तान की बड़ी हैं, जो विदेश की 90% अफीस (Offices) की पूर्ति करता है इसलिए रक्स की अपनी भी चिंता है कि रक्स में वही का व्यापार न हो।

- संक्षेप में, रक्स अफगानिस्तान में अपनी भूमिका अपने दिनों की संरक्षित लंगरी के साथ जिसमें वही का व्यापार, आंतरिक वाद की नियंत्रित करना और साथ ही अपनी भूमिका भवानाकृति की अभियासा एवं अफगानिस्तान के अनियंत्रित संसाधनों पर नियंत्रण कहा जाएगा है।

- USA रक्स के दूसरे संक्षेप की संक्षम की नजर से देखता है, उसका कहना है कि रक्स अपने कार्य USA की कमज़ोर करने के लिए कर रहा है।

* अफगानिस्तान - पाकिस्तान :-

- अफगान - पाक के मध्य दुर्दृश्य की लेकर विवाद है। यह दैरेखा 1893 में बनी है और अफगानिस्तान के दीन में व्यापकी गमी थी। आज अफगानिस्तान पाश्तून इसकी की अपना बलामा है तथा बलूच की भी अपना बताता है, लेकिन आसतौर से पाश्तून की अधिक।
- पाकिस्तान की भूमिका अफगानिस्तान की अस्थिर कर्तवी पासे के काप में रही है, क्योंकि अफगानिस्तान में पाक ने तालिबान की सैद्धांतिक समर्थन दिया है, और यह तालिबान सैद्धांतिक से पक्ष गांति के लिए अत्यरा बना दुंजा है जहाँ काश है कि अफगानिस्तान का कथन सैद्धांतिक पाकिस्तान परीक्षीय विषयाई देता है।

* अफगानिस्तान और चीन :-

- चीन की भूमिका बहुत अधिक अफगानिस्तान में नहीं रही है, लेकिन पाकिस्तान का समर्थन उसकी अप्रयोग भूमिका की दिया रहा है। लेकिन दाल के दिनी में 2016 में भारत के खड़े हाट ऑफ एशिया समिट (अमृतसर) में भारत ने चीन से छह कि वह भी अफगानिस्तान में निवाश करे और खेल ने भी अप्रैल 2017 में दूर समीखन में चीन की अपनी भूमिका बढ़ाने के लिए कदा है।
- पर्याप्तान में चीन CPEC के लिए गंभीर है और उसका ध्यान इस पर अधिक है लेकिन विवर में चीन आज अब देशों में स्पष्टिक निवेश करने वाला देश अभ्रा है। दखलिए इस संवादना से इनकार नहीं किया जा सकता कि चीन निवेश नहीं करेगा, लेकिन यह निवेश एक ज़रूरी विवेषण के बाद ही संभाप हो पाएगा।

* भारत - अफगान समझौता :-

- Dedicated air freight corridor service - भारत और अफगानिस्तान द्वारा एक सेवा की आरम्भ किया गया है जो सेवा वामुयानी के स्पतन आगामी से संबंधित है। दालांकि अफगानिस्तान में भी भारत के साथ सामरिक तथा उत्पादन समझौता कर चुका है।

- 27-29 September 2017 → की 5 पर्ष के अफगान पुस्तिका की ~~1000 students की scholarship~~ की द्वारा प्रशिक्षण किया जायेगा भारत ने 2 billion US\$ की सहायता की है तथा 1000 student की scholarship की है।

भारत और मालदीप

(110) 16/05/2018 Scanned By Kanhaiya Lal

* मालदीप :-

- मालदीप की उल आबादी 3,50,000 है।
- मालदीप 1978 में आजाद कुआ। आजादी के बाद वहाँ पर मामूल अफुल गयम राष्ट्रपति बने।
- 2008 में नसीद राष्ट्रपति बने, जो प्रो-इंडिया नजरिया रखते हैं। भोदमद नसीद के समय क्वाविन वेल्ड फॉड बनाया गया। अब फॉड 2004 में आई चुनाव को देखते हुए बनाया गया था। इसमें ओपना थट्टी कि आविष्य में आदि ऐसी ओई समस्या होगी तो शीलना, आरत और आर्द्धेलिया में भासीन रक्की ली जायेगी।
- इस फॉड के कारण मो० नसीद पर आरोप लगाए गये जिसे ४८ फॉड का इस्तेमाल नसीद अपने हित में कर रहे हैं। जिस कारण वहीं इसने 2012 में राष्ट्रपति बन गये।
- 2013 में चुनाव हुए और इन चुनावों में अफुलला भासीन राष्ट्रपति बने। भासीन ने अपना चुनाव चीन की ओर पुढ़ाशित किया, तथा आरत के विरुद्ध अनेकों कुचनों की कठा।
- Feb 2015 में मो० नसीद को गिरफ्तार कर लिया गया, जिसके बाद वो अपना कलाज करोन के लिए श्रिटेन गये और ब्रिटेन ने नसीद को 15 Sep., 2016 को शापेन्टिन शरण दे दी। इसकी उत्तिक्षिया में मालदीप राष्ट्रमुद्देश से बाहर हो गया।
- 1981 में भारत - मालदीप की वीच समझौता व्यापार समझौता ढोला है - Comprehensive Trade Agreement
- 1988 में राजीव गांधी के समय Operation Cactus किया जाता है। जिसमें LTTE को आरतीप 7000ps के हारा मालदीप से बाहर 29/9/95 दिया जाता है।
- इन सबके उलापा आरत ने सम्झौता समीप की अनेकों भासीनों में व्यवस्था करी है। जिसे ~2006 में फारट अटेक कॉम्पनी द्वारा भासा,

117

2009 में द्विनामिक, 4 Dec. 2014 को डिफिंग पर्सनल ट्राइल की तरह
'वेल नीर' पहुंचाई गयी। उसके बाद शम्भू के पारी ओप्य लगाने के
लिए भवीत शी जोड़ी गयी।

इलांगि 2015 में भोटी जी की चागा को ऑलिंप समय में स्थगित करना
पड़ा। पिछले संबंधों में धोड़ी खदास आ गई, लेकिन इल ही में
तत्कालीन राष्ट्रपति भारत की चागा से गये हैं, पिछ्ये पुनः संबंधों
की शुरूआत हुई है।

* चीन - मालदीप :-

चीन की नजदीकियों मालदीप से बढ़ने के कई कारण हैं:-

- एक तो, मालदीप इनी अफीग के नपरीक पड़ता है।
- सातवें वेस्ट एशिया का देश है।
- साप ही मालदीप भारतीय सीमाओं के नपरीक शी है।

ये कारण चीन को मालदीप में क्षमि लेने की उम्रित करते हैं।

India & America

- ① अमेरिका की आजादी 1776 में मिली थी।
- ② अमेरिका ने अपना संविधान 1788 में और यह एक फ़िडरल संविधान है। (इसमें केंद्र सरकार के पास मुख्यतः विवेशिक मानते हैं)
- 1991 से अमेरिका एक power बना हुआ है और इस एक power के साथ पिछे के सभी दैश संबंध बनाने का आत्मरूप है।
- भारत और अमेरिका के संबंध आजादी के बाद से केवल रहे हैं
- 1962 के दौर में अमेरिका ने भारत का साथ दिया।
- 1965 के मुद्दे में अमेरिका ने भारत-पाक दोनों की उत्तरदायी ठहराया था।
- 1971 में दोनों देशों की बीच कठुरता का दौश प्रर्ख हुआ, जिस कठुरता गढ़ती गयी। 1971 के मुद्दे में USA ने पाक का साथ दिया।
- 1970 में पुनः सहयोग देखा गया लेकिन 1976 के भारत यह संबंध ज्ञापा केवल नहीं ही पाये।
- 1998 में तो दोनों के संबंध परमाणु परिष्कार (भारत) के भारत और अमेरिका कुछ ही गया।
- संबंधी की केवल बुखारात ^(2000 में) विषयकिंतन की यात्रा से हुई।
- जॉर्ज बुश के समय अमेरिका के 2002 में भारत के साथ "Smart uparms" की बुखारात की। [हथियारों का साथ मिलकर बनाना एवं ज्यापर करना]
- 2005 में Civil nuclear deal (नागरिक परमाणु समझौता) हुआ। जो अंतिम काप से पुण्यार्थ 2008 में पाल हुआ।

→ इस समझौते के अन्दर भारत की बांटिपूर्ण जारी कु विरोध मानुषिक इच्छा
प्रदान किया गया। इस समझौते में भारत ने अपने परमाणु कार्यक्रम की
दी आणी में विश्वास किया → बांटिपूर्ण जारी
संनिक अनुसंधान

- बांटिपूर्ण जारी के लिए IAEA [International Atomic Energy Agency] के साथ समझौता हुआ। तथा 1967 में भारत की प्रिमियम्हुड्ड्युम्हा
की। इस हुट का यह अपरिणाम हुआ कि भारत ने अनेकों देशों के साथ
परमाणु समझौते किये [फ्रांस, अमेरिका, जार्मनी, South Korea, नामिया,
कृजार्यान, जापान].

→ 2010 में अमेरिका ने कही समझौते के लिए "Civil Liability for
Nuclear Damage Act, 2010" पारित किया। जिसमें 2 clause थीं

गये - (i) परमाणु दानि पर समर्थन नागरिक पिमीदारी सरकार की होगी
इस भारत के संघर्ष में NPCI [National Power Corporation
of India] की होगी। उंगलि अमेरिका व अन्य देशों में
यह पिमीदारी Manufacturer & Insurance Co. की होती है।
(ii) दूसरी ओर साथ ही महं भी क्षम गया कि भारत के सभी
परमाणु क्षेत्रों की निगरानी USA करेगा लेकिन न कि
IAEA [भारत में इस clause का काफी मिक्की दुआ था,
2015 में हीरो शरकार की "Tough diplomacy" के द्वारा
इस clause की समाप्त कुरामा गया।

→ 2009 में अमेरिकी राष्ट्रपति ओबामा बनते हुए तथा दीनी कर्वी के

वीरा M⑧ sign होते हैं।

- क्षेत्र M⑧ - Health, terrorism, economy, trade and agriculture की सहभागीति बनायी।
- तभी Trade Policy forum स्थापित किया। (आपार के विकास के लिए)
- 2011 में दीनी देशों के बीच Strategic Partnership forum स्थापित किया गया। इस में आधिकरण राजनीतिक, सैन्य मामलों पर बहुविद्या गमा और उच्च शब्द दीनी देशों के बीच में सैन्य मामलों में विद्युतीकृत सहयोग [Joint military exercise]
- इसके अलापा दीनी देशों के बीच "Defence, Trade Technology Initiative" स्थापित किया गया। इसके अन्दर दीनी देशों के बीच सशीदार रणनीतिका का सम्बन्ध नहीं होगा बल्कि रक्षा के क्षेत्र में विकास तथा उत्पादन में सहयोग की जाएगी।
- 2013 में दीनी देशों के बीच Strategic Dialogue हुआ। इस पाठी में दोनों देशों के बीच एकलीक क्षेत्र में सहयोग जरूरी गयी।
- इनके अलापा दीनी देशों के बीच में "CCIT" (Counter Terrorism cooperation Initiative) समझौता भी हुआ।
- पर्यावरण में दीनी देशों के बीच में प्राकृति के दौर सहयोग
- ① 2016 में दीनी देशों के बीच में "Logistics exchange memorandum of agreement" sign हुए। इसमें स्ट्राउटरी की सेवाओं की नजदीकी साथे का ऊपर लिया गया है। वर्षीय 3 Agreement हुए हैं।
 - (i) Logistics Support Agreement (LSA)

(11)

(2) Communication Interoperability and Security of Agreement (CISMOA)

(3) Basic Exchange and Cooperation Agreement for Aerospace Cooperation (BECA)

- इन दीनों समझौते के बारा दीनों देशों के बीच Joint military exercises तथा विद्युत माध्य सहयोग एवं आपदा रद्द (disaster relief), मनवी Post calls.

सहयोग पर कार्य होगा।

- इस समझौते में अहं भी जल गमा कि दीनों देशों एक दूसरे के घर पर व्याप्ति अड़े नहीं बना सकते लेकिन युद्ध के समय सहयोग कर सकते हैं (पर उद्द वाह्य नहीं होनी सहयोग नहीं किसिए)

Trans Pacific Partnership :-

- TPP की लिंकर भी दीनों देशों के बीच सहयोग की ओर बढ़ा रही थी।
लिंकर आरत व्यवस्था नहीं है

- भारत का रुक्ति था कि → व्यष्ट समझौते में आने के बाद उसे अपनी श्रम तथा पर्यावरण कानूनों में परिवर्तन करने हीं जिसके लिए आरत तैयार नहीं हैं।

- TPP का Draft, 2015 में तैयार किया गया था। जो फरवरी 2016 में खाल हुआ। (दालेकि आजी प्रशाप में नहीं आया।)

- व्यवस्था 12 देशों ने युद्ध व्यवस्थाएँ ने free trade Agreement किया।

* दीने देशों के बीच वर्तमान में विवाद:-

- (1) American, भारत की एक ग्रीष्म वाढ़ के रूप में व बनाकर प्रदूषण बनाना चाहता हैं। (समाजत का व्यवहार नहीं)।
- (2) Vis-à-vis dispute - (H-1B Vis-à-vis) :- यह यीजा अमेरिका में कार्प कर्पे पाले आरटीयों की दिया जाता है जो उक्षि के लिए दीता है। यानि अमेरिका ने क्षे वीजा में कुटीती के साथ कीस की बदा दी थी। जिसका आरत ने विरोध किया। तभा विरोध का परिणाम यह हुआ कि अमेरिका ने क्षे संबोधन की वापस कर दिया।
- (3) Paris agreement :- खलवास्तु परिवर्तन में कि बदलाव के लिए अमेरिका की पहल से यह समझौता लाया गया। 2017 में अमेरिका ने कब्जे के बाहर निकलने का ~~संकेत~~ के बताया। तभा अब यह समझौता का ओटिटप संकट में पड़ गया। दार्जाकि आरत क्षे समझौते के पक्ष में रहा है।
- (4) Peace Clause :- यह 2013 में किया गया जिसमें WTO के अन्तर्गत यह किया गया कि आरत अपने चिसानी की ~~एगज़ा~~ 10% उत्थिकतम Subsidy के सक्त हैं। क्षे स्वास्थ्यमें Public food holding के लिए Subsidy के बात की गयी थी जो 10% थी। यह 2016 में समाप्त करवी थी। लेकिन अबी तक तो नहीं पायी है।
- 2017 की Summit में भी यह समाप्त नहीं हो पायी। वर्तमान में आरत आहता है कि यह स्वास्थ्य स्थायी करने की जाए। एवं निकालनीय

वैश्वी के लिए अलग निम्न हीनी चाहिए। वही अमेरिका का उत्तराधि

सभी वैश्वी के लिए एक सी निम्न हीनी अलग-अलग नहीं।

- आध ई अमेरिका यह भी कहता है कि कुछ देश अपने की गरीबसारी अन्त में लम्बे हुए हैं।

* सर्वधी में कहुता के बाद - भी दीनी वैश्वा आध में खण्डीण कर

रहे हैं जैव- लीकर्टन की लेकर

- LPG
- India Diaspora.
- आंतर्राष्ट्रीय

आध ई में (दिसंबर २०१७) अमेरिका जा यह कहना कि "भारत एक प्रशिक्षित शक्ति है।" और अमेरिका इदं नष्टालगर में भारत की एक शक्ति स्वीकार करता है।

भारत - रूस

- आजासी के बाद से ही भारत और USSR के संबंध बेहतर हो हैं।
- 1990 के बाद थीज़-खा संघर्षी में विश्वास के पर्याप्त नहीं।
 - राष्ट्रपति चुनिंदा (President-Election) के बाद भी बीची कशी में बेहतर संबंधी की व्युक्तिआत् हुई।
 - 1996 में रूस के इस प्रष्ठाताप दिया गया था कि अदि कन टीनी पीवा [रूस, चीन, आयर] एक साथ आ जाये तो अमेरिका की monopoly की तोड़ सकते हैं। ऐसिन यह रॉयल्डले नहीं बन पाया। उसीके आगे और अमेरिका के बीच में एक बेहतर cooperation केर्पनी की जिया। लेकिन व्यक्ति अर्थ प्रष्ठ नहीं था कि भारत ने रूस से संबंधी की कम किया है।
 - 2012 में रूस और चीन के बीच में विद्यमान संघी dispute की सुसंस्था दिया गया है और दीनी रूप बेहतर cooperation के लाए रख रहे हैं। साथ में पाकिस्तान से भी बजटीयियाँ बढ़ रही हैं।
 - इस दीर्घी का कहना है कि दीनी दीर्घी की बढ़ती अपेक्षायिभा भारत की मिठां का तरण है। व्यापक भारत की प्रियाचर करना चाहिए।
 - भारत की प्रियाचर नीति की मुख्य विशेषता यह है कि यह दीनी दीर्घी की सहयोग के साथ जीकर अल-इस्लाम है। भारत और रूस के मध्य निम्न मुद्दों में सहयोग देखा जा सकता है:-

- (1) दोनों देशों के बीच 10 Billion \$ का व्यापार हो रहा है
- (2) अनेकों स्तरों में दोनों साथ भिन्नकर सहयोग कर रहे हैं जिनमें क्रूज़ क्रूज़ परियोजना पर भिन्नकर विमान जूरे हैं
- (3) सॉफ्टवेयर तथा दवाईयाँ पर भी सहयोग कर रहे हैं
- (4) ONGC + Socaling → (Russia Co.) दोनों भिन्नकर तेल उत्पादन पर कार्य कर रहे हैं
- (5) भारत अपनी जी अपने घायलियाँ का लगभग 55% Russia से दी खरीद रहा है - जिसमें पनडुब्बीया अमृत भी है

दोनों के साथ भी Russia के बीच relation बने हुए हैं। भीन सोशलियुक एकाडमी, जैसे तथा ऐल Russion ये दो खानिका हैं और Russion में Chinese product अधिक मात्रा में बिक रहे हैं। दोनों भिन्नकर 500 Billion \$ की गैस पहल्या बाइन परियोजना पर कार्य कर रहे हैं और दोनों Military में भी एक-दूसरे के बाह्योंग पर जूरे हैं।

भीन के साथ बढ़ते पहले नजदीकीमें भारत के लिए चिंता का विषय बनती है। लैकिन फिरोज़ को जो कहना है कि भारत की विदेशी नीति जो अत्यधिक अपवाहिक रूप से कार्य कर रही है। वह वार्ता भारत और अमेरिका और क्षस के कोनोंपर कृष्ण चतुर्थी जूरे हैं। भीन कृष्ण मुद्दों पर अमेरिका के साथ तनाप है, वही कृष्ण मुद्दों पर दोनों में सहयोग भी है। लैकिन क्षस के साथ तनाप के विषयालालै

इतिहास भारत और Russia के संबंध विगड़ी का तोहँ ऊन सीधी बनाम

16/05/2019 Scanned By Kanhaiya Lal

(120)

~~International~~

- Organisation

भारत - क्रियायल संबंध

- भारत और क्रियायल के संबंध आजावी के बाद से उदायीन हैं। संबंधी की शुरुआत 1992 में हुई, जब दीनी देशी के बीच में राजनीतिक संबंध बने।
- अगस्त 2017 में सम्पन्न हुई भारतीय PM की यात्रा दीनी देशी के संबंधी की एक असर प्रक्रिया में जीड़। इह यात्रा पहली यात्रा थी जब भारतीय PM क्रियायल की यात्रा पर गई।
- क्रियायल और भारत के बीच में अनेकों लैंग्रेंज में सहयोग पूर्व से ही किया गया। स्थापित ही पहले सहयोग ऐम्युटेंशन निम्न रूपालय में है:-
 ① रक्षा तकनीक ② खुफिया एजेंसी
- भारत ने अनेकों बार क्रियायल की रक्षा तकनीकों की ओर जिसमें रडार, मिसाइल आदि महत्वपूर्ण हैं।
- हैदराबाद के समय से ही भारत की खुफिया एजेंसी RAW एवं क्रियायल की खुफिया एजेंसी MOSAD के बीच में बेस्टर संबंध हैं।
- दोष ही में सम्पन्न हुई यात्रा के द्वारा दीनी देशी के बीच जांतरिका, कृषि और जल संरक्षण जैसी क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिए कुछ न समझौते पर दस्तावेज़ हुए हैं। भौतिक - भारत और क्रियायल ने 5 करोड़ डॉलर के - भारत - क्रियायल औद्योगिक अनुसंधान एवं विकास तथा तकनीकी नवीनीकरण कीष ती स्थापना की है।

* क्रियायल - किलीस्टीन विवाद

- यह विवाद बहुत पुराना है। यह विवाद धर्म से भी जुड़ा हुआ है। जिसमें धार्मिक क्षेत्र मैक्रोलम मूल्य है। मूल्यमान समुदाय मैक्रोलम की अपना धार्मिक स्थल बीखते हैं, तो पहली क्रियायल व यहां अपना - अपना धार्मिक स्थल बीखते हैं।
- 1947 से पूर्व किलीस्टीन एक बड़े लैंग्रेंज पर आ - लैंग्रेंज 1947 के में विश्व के अद्वैती अपने धार्मिक आवास पर पहुंचे जिस कारण क्रियायल - किलीस्टीन

- 1967 में दीनी वीक्षा के बीच स्कूल मुद्दे हुआ और यह में स्कूल के हीने पर क्षेत्रालय में कठोर कर लिया।
- अस्ट्रेलिया की दीनी के बीच संघर्षित विचार रहा और जिसमें क्षेत्रालय में बहुत बड़ी वीक्षा पर कठोर कर लिया।
- किलीस्टीन की माँ समाजिक आखिर अरक्त के द्वारा उठायी गई थी, लेकिन उनकी मृत्यु के पश्चात् किलीस्टीन की माँ कमज़ीर हुई हैं।
- दोषांकि 1988 में PNO के द्वारा द्विराष्ट्र सिद्धांत (Two Nation Theory) [क्षेत्रालय और किलीस्टीन दीनी के अधिकार को स्वीकार किया जाना) अपनाया गया।
- 2005 के बाद किलीस्टीन में चुनाव होते हैं और गाजा पट्टी में द्वारा द्वारा परिवर्ती किनारा में अपने फैले अपनी - अपनी सत्ता स्थापित करते हैं एवं दीनी द्वारा आपस में विशेषी विचारधारा की लेकर बँझ रहे हैं।
- अबी द्वारा ही में दीनी के बीच साथ मिलकर काम करने के लिए भी समझौता हुआ है। लेकिन यह समझौता अबी से ही संकाय में चिर हुआ हैं क्योंकि दीनी संगठनों के 'नेताओं' की विवादिती असर - असर दी रखी हैं।
- वर्तमान में किलीस्टीन की माँ यह हैं कि 1967 के पूर्व के किलीस्टीन की मान्यता दी दी जाए।

भारत और अफ्रीका

अफ्रीका एक महाद्वीप है जो 54 देशों से मिलकर बना है। अफ्रीका और भारत के संबंध इच्छित जाल से हैं मौसम परिवेजना भी इन्हीं प्राचीन संबंधों का दोषरा है। आधुनिक जल में अफ्रीका और भारत के संबंध गांधी-नेहरू की विवादों के कारण में दैख जाते हैं।

* अफ्रीका, भारत के लिए अनेकों कारणों से महत्वपूर्ण है-

- अफ्रीका निवाप की कुल आबादी $\frac{1}{3}$ हिस्सा है, जिसमें शुपा आबादी अधिक है भारत की भी शुपा आबादी है भारत सरकार दीनों शुपाओं की एक दूसरे के नियमित दोषी हैं जिसमें अफ्रीका के 22,000 शुपाओं का भारत द्वारा धारापूर्ति भी दिया जाता है।
- दरअे अलापा अवेकी कार्मिकान भी बदलायी जा रही है, ताकि दीनों देशों के शुपा एक-दूसरे का समीप आ सके। ऐसे - C.V. Raman वैज्ञानिक फैलोशिप, कृषि स्कॉलरशिप, Parravicini-network project आदि।
- भारत अपने तेल की आपूर्ति का लगभग 20% अफ्रीकी देशों से करता है।
- अफ्रीका में अपिष्ठ के पश्चुर मात्रा में संसाधन असल्ल हैं, जिनका उभी दीवान भी घरें नहीं हूआ हैं।
- व्यापार - अफ्रीका अपिष्ठ का बाजार देखा जा रहा है। पिछले 10 वर्षों में भी अगर देख तो भारत और अफ्रीका व्यापार के मध्य 14 गुना हुई है, और पत्तिमान में दीनों देशों के मध्य 90 USA डॉलर का व्यापार ही रहा है।
- दरअे अलापा भारतीय कंपनियों ने भी अफ्रीका में बड़ी मात्रा में निवेश किया है।
- भारत अपनी इलीक्ट्रिक पॉवर की पहचान बना रहा है जिसमें वह "दक्षिण - दक्षिण सहयोग" पर भी धूल दे रहा है। इस भी सहयोग के माध्यम से भारत पिछले के काफित संतुलन की अपनी पक्ष में आ रहा है। ताकि UNSC में भारत का दावा मजबूत हो।

15
१५/०५/२०१८
Scanned By Kanhaiya Lal Khichi

— अफ्रीका के साथ में वकीला संबंध बनाने के लिए भारत कुछ अमेरिका की समिट की स्थापना की। इसकी अभी तक तीन बैठकें हो चुकी हैं।

- (1) 2008 → New Delhi
- (2) 2011 → अदिस अबाबा (अथिपीड्या की राजधानी)
- (3) 2015 → New Delhi

वन अभी बैठकों के माध्यम से भारत अच्छे संबंध बना रहे हैं।

* चुनौतियाँ

- (1) अमेरिका के साथ 200 बिलियन \$, चीन के साथ 150 बिलियन डॉलर, तथा भारत के साथ केवल 70 बिलियन \$ का व्यापार अफ्रीका द्वारा किया जाता है।
- (2) USA ने अफ्रीका के 50 देशों, चीन ने 49 देशों में तथा भारत ने 45 देशों में द्वितीय वना रखे। [Diplomatic force की कमी]
- (3) भारत का आधिकारिक संबंध South Africa, अंगोला, सुडान, नार्जीशियाहु दी सीमित हैं।

दालांकि भारत द्वारा वन चुनौतियाँ द्वारा जल्द ही निपट जायेगा तथा भारत की पहुँच से अफ्रीका महानीप तक दोगी।

- पश्चिम एशिया में कुल 19 देश हैं।
- पश्चिमी + एशिया + अमेरिका, अण्डर्जान, साइप्रस जौर्जिया]
- 1- निउज़ीलैंड + वेस्ट एशिया (वरान)
- 14 देश : 
 - सुन्नी देश :- बहरीन, ईराक, इजरायल, जाह्न, कुर्फ़ुत, लेबनान, ओमान, फ़िलीपीन्स, कतर, सउदी अरब, श्रीलंका, तुर्की, समन, UAE
 - सिया देश :- वरान-ईराक, बहरीन, अण्डर्जान

* आरत के लिए पश्चिमी एशिया की महत्ता :-

- ① तेल की आपूर्ति → आरत तेल का 60% का आयात पश्चिम एप मध्य एशिया से करता है।
 - इन देशों में आमल सेक्टर (तेल लैप) के कार्य में लगा हुआ सबसे बड़ा पर्याप्त भारतीय हैं तेल उत्पादन के छोटे में लगभग 60% भारतीय Diaspora हैं जिसके हितों की रक्षा के लिए इन देशों के साथ हमारे संबंध अच्छे हीना आपूर्ति हैं।
 - मफ़्रा मवीना संस्कृति → भारतीय मुस्लिम वर्ग प्रत्येक की हज यात्रा पर जाता है जिनकी सुरक्षा के लिए भी ये देश आपूर्ति हैं।
 - पाकिस्तान जो भारत के लिए हुच्छ प्रभाव करता है कि भारत में मुस्लिम सुरक्षित नहीं हैं भारत इस तकार के संबंधी की बनाऊर इसी निषिक्षण कर देता है।
 - भारत अपना रजीवल प्रभाष ऐदा कर रहा है क्योंकि आक्त की UNSC और संघीयता में सदस्यता याहिए तो ऐसे स्वयंभु की भी आपूर्ति होती।
 - एर्मान में 60-70 lakh Indian Diaspora होते हैं जो यहाँ की तेल कंपनियों में कामरित हैं।

हाल ही में भारतीय PM द्वारा अनेकों कर्तव्यानुभव के लिए उनकी जिम्मेदारी की गई।

UAE | यह देश पाकिस्तान का समर्थक देश है औं लेकिन हाल के बिना में यह क्षेत्र इस्लामिक ज़रूरत की ज़रूरत का पालन कर रहे हैं। उत्तम रूप से पाकिस्तान के समर्थन में ज़रूरी धाराओं की तुर्की के राज्यपति भग आरत की पात्रता पर आश्री थी, उन्हींने भी यह प्रियदर्श उपन्यास किया था कि क़दमीकर की समस्या विपक्षीय समस्या नहीं हैं। इसके लिए लीखरे पक्ष की महत्वपूर्ण भूमिका है, जिसमें तुर्की महत्वपूर्ण करने की तैयारी है।

[UAE में ज़ंदिर निमाण कार्य किया जाएगा भारतीय PM की घोषणा के बाद]

संयुक्त अमेरिका के आकर्ष

संयुक्त अमेरिका के 20 केश हैं।

- बड़े देशों में भारत की पहचान, आश्वासन, ओगा, रवनि को लेफर हैं।
- भारत के सबैंध इन विश्वी के साथ बहुत ही सीमित हैं।
- 1990 से पहले क्षमता तक ही सीमित थी। 1990 के बाद भारत ने अपनी की विस्तृत किसां और क्षेत्र विस्तार में भारत ने ब्राजील, कैनॉन्यूयार्क, मैट्टिसन, अर्जेन्टिना, पेरु, कोलम्बिया तक अपनी पहुँच बढ़ायी है।

United Nation Organisation (UNO)

संयुक्त राष्ट्र संघ :-

Ist World War.



organisation = The League of Nation (वांतव्यापा के लिए



लैंगिन

IInd World War.



(24 Oct. 1945) → organisation = UNO [United Nation Organisation] (ज्ञातव्या
उत्तराधिकारी प्रिवासी का समाधान)

संस्थापक सदस्य = 51 [इनमें भारत भी शामिल था]

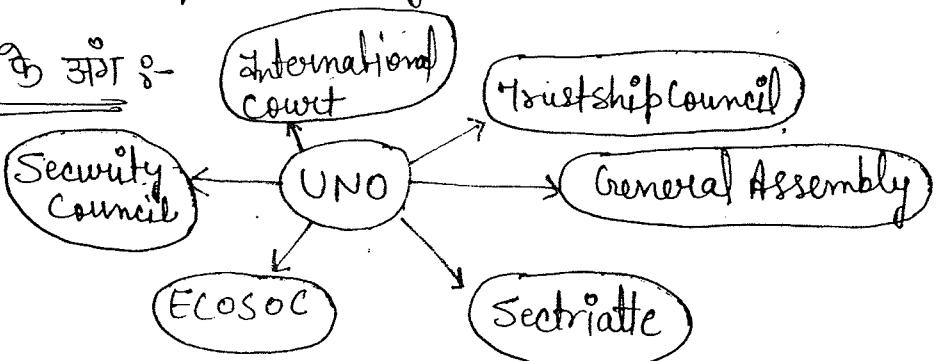
पर्यावरण में = 193 सदस्य

प्रिवासी का समाधान

UNO → प्रथम विश्व युद्ध के बाद अंतर्राष्ट्रीय विपादी के समाधान के लिए "League of Nation" का निमंत्रण किया गया। लैंगिन यह अपनी उच्चिमो में असफल हुआ। इसलिए क्षेत्रीकृत स्थान पर 24 अक्टूबर 1945 के बया संगठन संयुक्त राष्ट्र संघ बनाया गया। UNO के संस्थापक सदस्य 51 थे, जो पर्यावरण में 193 हैं।

[The Hague see/ Vatican City तथा ~~संस्थान के सभी शामिल नहीं हैं]~~]

* UNO के अंग :-



(1) General Assembly (महासभा) :- महासभा का उपर्युक्त संसदीय संगठन है।

सितम्बर में ही ग्रृहीत जिसमें सभी देशों के आवाहनाव्यक्त आग ले रहे हैं, जिसमें पहले अपने शब्द का प्रतिनिधित्व करते हुए अपनी समस्थानी, अकांक्षाओं की पिंडित के सामने रखते हैं देश जाए तो वह महासभा एक संघटन की तरह अधिकारियों की तरह कार्य करता है जिसमें विवरणी विकास तथा होती है, अर्थात् वह तभी होता है कि पर्तमान और अधिकारियों का क्रिया केसा होना चाहिए।

(2) Security Council (Security Council) :- समिवालय, UNO की प्रशासनिक इकाई है। जो पूर्व UNO के प्रशासनिक कार्यों की क्रियता है जैसे - कोई उस्तुति यदि UNO के सामने आना है, तो पहले किस प्रकार की क्षमा खोएगा आदि परनिर्णय समिवालय द्वारा लेता है। समिवालय का सचिव अधस्त्री के द्वारा नियुक्त होता है।

(3) सामाजिक - आर्थिक परिषद् (ECOSOC) :- ECOSOC, UNO का एक महत्वपूर्ण अंग है जो UNO के सामाजिक और आर्थिक सहयोग कार्यक्रमों की क्रियता है। इस परिषद् का सबसे मुख्य कार्य सामाजिक और आर्थिक कार्यक्रमों के द्वारा प्रिय में वास्ति क्षमता द्वारा द्वारा होता है। इसकी कार्यक्रमों में शारीरी, अधिकारी, अनुसंधान आदि समस्याएँ हैं। सामान्यतः वहाँ पर आंतरिक विवाद हिस्से जैसी घटनाएँ क्रियने की मिलती हैं जैसे → सीमाविभाग।

(4) व्यापारी परिषद् [Trade and Economic Council] :- यह परिषद् पर्तमान में कार्यरत नहीं। वस्तु मुख्य कार्य होता था → गरीब-पिछड़े देशों की गोद ले लेना। लेकिन पर्तमान में इस परिषद् का कार्य ECOSOC द्वारा करता है।

(5) अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार नियन्त्रणीय [International Court of Justice] :- इस अंग का कार्य शब्दों के मध्य उत्पन्न विवादों को सुलझाने का प्रधान, विवादों के संदर्भ में नियन्त्रण करना है तीन अंग हैं:-

• International Court of Justice [ICJ]

- legal dispute के समाधान के लिए
- UN की नियाएँ देने वाली संस्था
- Judge-15 [Period 9 years] - [आरटे के लिए दसवार भवितव्य]

① International Criminal Court (ICC) (13)

- स्थापना - 1998

- Terrorism से संबंधित मुद्दों की विभागता है।

② Permanent Court of Arbitration (PCA)

- प्रह मद्यस्थता करने वा कार्य करता है।

③ सुरक्षा परिषद् (Security Council) :- UNSC ; UNO का सबसे चर्चित अंग

हैं जिसकी कार्यकारी अंग के रूप में भी जाना जाता हैं। प्रह परिषद् विक्रम के संदर्भ में महत्वपूर्ण निषिद्धि लेने वाली संस्था मानी जाती हैं। इसके 15 सदस्य होते हैं → 5 स्थायी तथा 10 अस्थायी।

UK, USA, France
China, Russia

जो अलग-अलग मताद्वय से दो वर्ष के लिए चुने जाते हैं।

अफ्रीका, एशिया = 5

ईरिन अमेरिका = 2

पू. श्रीप = 1

पू. यूरोप तथा अन्य = 2

- भारत 1947 के बाद 2011 में इसका अस्थायी सदस्य बना था, द्वासाले भारत जो कई बार उनकी वैशीं के द्वारा सदस्य बनने के लिए उत्तमित किया गया था लेकिन भारत ने स्थायी सदस्यता की माँग की लिए इसका सदस्य नहीं बना था।
- स्थायी सदस्यों के पास एक विशेष शक्ति होती है जिसे Veto Power के भाव से जाना जाता है।
- प्रह विद्युतीय पॉवर निषिद्धि के संदर्भ में होती है अदि 15 सदस्यों का जरूर एक तरफ ही और एक अंकुषा Veto Power पाला किया द्वारा ही तो पहली निषिद्धि की प्रआपित कर सकता है।

- प्रह अंग विक्रम में छांति बनाये रखने के लिए कार्य करता है, जिस प्रारंभ ने Veto Power द्वारा चर्चा का विषय बनी रहती है। अनेकों देश Veto Power की लेने के लिए संघर्षित हैं जिसमें 7-4 देश [Germany, Japan, भ्रात्यर्पण, India]

* आरत की UNSC में दावा :-

(1) भारत का दावा यह है कि उसने सर्वैये UNO के आदर्शों की स्वीकार किया है, वर्ष तक कि अपने संविधान में भी UNO के आदर्शों की शामिल किया है। (Art. 51-DPSR)

(2) विक्रम छांति के तुरि अपनी प्रतिवहता योग्य है। ऐसे - UNO के छांति कार्यों में

- ① Peace keeping - अंगांत्री में शुद्ध विराम की संचय करना।
- ② Peace Making - किसी राष्ट्र की आंतरिक अद्वांति की शांति सेना से दूर रखा।
- ③ Peace-enforcement - समस्या-बुझाफ़र शांति बनाना (विपर-विमर्श) और निशाची करण करना।

निशाचीकरण के लिए भी भारत के द्वारा UN की समर्थन किया गया है और भारत ने जैविक दृष्टिभाव का हमेशा परीक्षा किया है। और इसमें बनाया भी बही है तथा 1992 में UNO के द्वारा जब राखायनिक दृष्टिभाव की नई नीति ली गई है। शायद ही परमाणु बम के लिए भारत ने "No first use policy" को स्वीकार किया है। जिसमें न्यूनतम गतिशीलता की दीर्घकालीन धूमधार है।

- ④ भारत ने कहना था कि पर्तिनान में स्थानी सदस्य प्रिक्सित राष्ट्रों की उत्तिविधि लेकर करते हैं।, प्रिकालबील राष्ट्रों का नष्टीजो वापिस संतुलन की प्रिक्सित देशों के पक्ष में लात है।
- ⑤ पर्तिनान में स्थानी सदस्य शूरीप से अधिक है और दृष्टिभाव से कम; प्रिक्सित के केवल दृष्टिभाव मानवीय रैख्य है, जो प्रिक्सित की 1/3 आवादी से अधिक भा उत्तिविधित करता है।
- ⑥ कर्तिनान में स्थानी सदस्य शूरीप से अधिक है और दृष्टिभाव से कम, प्रिक्सित दृष्टिभाव मानवीय भारत की भवसर्वाण्या आप प्रिक्सित की दूसरी स्वप्रभावित भवसर्वाण्य हैं करनी जड़ी भवसर्वाण्या की भविष्यत जनमत से दूर रखना और जीकुतांशिक है।
- ⑦ भारत ने UNO के शांति पूर्ण कार्य के लिए 1,60,000 सैनिकों की सहायता भी दी है। इन सैनिकों ने UNO के 43-सिलान की समर्थन किया है। इस उकार भारत प्रिक्सित का दूसरा एजेंटों बन जाता है, जो UNO की शांति सेना में अपना शीघ्रदाव देता है।
- ⑧ भारत एक जिम्मेदार राष्ट्र है। (आप तक भी भारत ने अपनी और से उथन आफ़ना नहीं किया है।)। प्रिक्सित जैसे सिद्धान्तों की अपनाया है साथ ही मानवाधिकार आदि की स्वैच्छ समर्थन किया है।

* भारत के दोषी का समर्थन :-

परिवार में अनेकी शहद्र भारत के दोषी का समर्थन कर रहे हैं, पहले तकि P-5 देशों में सभी देशों में UNO के UNSC के सुधार एवं भारत के दोषी का समर्थन किया है, जिनमें अपना समर्थन कूट्यनीतिक तरीके से देते हुए बीला हौंड के UNO के सुधार हीना ही चाहिए लेकिन केवल भारत ही नहीं। ऐसिन इसुलकर प्रियंग भारत का शपथिक पाकिस्तान भरता है औ अन्य शहद्र इसुलकर भारत के प्रियंग में नहीं हैं। पहले तकि ज-5 देशों में जापान उठता है कि भारत की स्थानी सदस्यता पर्दे के बीजाएँ, जापान की बाद में।

- J-5 देशों की ओर भी अनेकी देशों की स्थिरांतरी हैं जैसे - ब्राजील की ओर, लैसिन अमेरिका और अफ्रीका के देश, जर्मनी की ओर फ्रांस के देश आदि।
- सदस्यता के लिए 2/3 सदस्यों का समर्थन आवश्यक है, यदि किसी भी शहद्र के हारा प्रस्ताव लाया जाता है और उस पर 2/3 सदस्य अपना समर्थन देते हैं ही पहले सदस्य छवि बना सकता है।

Note :- P-5 देशों द्वारा तरह के सुधार की ओर उन्होंने भी नहीं लाई जाती है पहले तक ही सीमित होती है।

- दासांकि कई बार यह बात उठती रही है कि भारत अपना दावा पेश करे लेकिन भारत प्रस्ताव की आवश्यत हीने के बाद मण्डली के साथ व्यवस्था चाहता है।
- कई देशों का यह भी उठना है कि भारत की स्थानी सदस्यता देवी जाने चाहिए लेकिन निर्णय इसके नहीं। पूर्वुँ भारत का कहना है कि यह कभी भी इस तरह की व्याप्ति का समर्थन नहीं करेगा।

* * UN में सुधार के लिए प्रस्ताव

2005 :- UN Secretariat

Ist → 6 New Permanent Member
3 New Temporary Member
without Veto

UN Selection

IInd - 8 New half member
1 Temporary member,

2005 में दी भारत के लिए विषय :-

- पैदेशी को membership मिलनी चाहिए। ब्राजील, अमरीका, आरत, जापान
- आरत के दावे के सामने स्वतंत्रता → O.P.S Country उपना विशेषाधिकार दीड़ना चाहते। वो अपने हीत्राधिकार में किसी और की नहीं लेना चाहते।
- भिन्ने सदस्यता नहीं मिल रही है वो विरोध करेगी ऐ. पाकिस्तान।
- आपसी शतिष्ठियाँ।
- मानक नियम नहीं।

* * भारत की लाभ [UNSC के Permanent Member बनने में]

- भारत एक वैश्विक दावित बन जाएगा।
- भारत वैश्वतर तरीके से विकासशील 'देशों' का उत्तिनीचित्र परेगा।
- भारत अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति में एक बड़ी भूमिका निभाने लगीगा।
- विश्व के अभी 'देशों' के साथ भारत के वैश्वतर संबंध होंगे।

* ECO.SOC [Economic & Social Council]

- इसके 54 members हैं।
 - इसके दी कार्यक्रम हैं - UNDP, UNEP.
 - इसके तीन फछ हैं :- UNICEF, IMF, IBRD
 - इसके कई संजीविया हैं :- UNESCO, ILO, FAO, WHO, UNRA
 - ECO.SOC द्वारा 2015 तक सद्व्यातावी विकास की शपथ करना चाहय या जीप्रय नहीं हो पाया [भारत के बास्तव इसके दीन के बहुतर परिणाम मिले हैं]
 - 2015 में देश परिषद् के Sustainable Development Goals (सातां विकास लक्ष्य) देखा है - जिसमें सामाजिक :- सिंग असमानता, महिला उत्थान, स्वास्थ्य रखा है - जिसमें व्यापारिक :- (व्यापारी व्यक्ति की पकड़ी) (आयुष्यान व्यापार) (स्वरक्षण आरत शोध्यान व्यापार)
- (1) आर्थिक :- समानता संरक्षण
- (2) प्राकृति :- (Biodiversity Conservation)

मह समूह 1947 में भारत की परमाणु कार्यक्रम की उत्तिक्रिया के बाप में था। जिसका उद्देश्य था कि जिन देशों ने NPT (मह संधि विवरण की दी आगे में लाई है) इसके अनुसार जिन देशों ने 1968 से पहले परमाणु कर लिया हो, उन्हें ही परमाणु व्यापार करने की अनुमति दी गई, परन्तु भी 48 देशों द्वारा दी गई।

* भारत और NSG :-

- दासांकि NSG की स्थापना भारत के परमाणु कार्यक्रमों की शोषणे के लिए की गयी थी। लेकिन USA के उपायके बाद अक्टूबर 2008 में भारत और NSG के बीच में परमाणु विधन खरीदने के लिए समझौता दीता है। इस समझौते के बाद 2010 में राष्ट्रपति बराक ओवामा ने क्य बात जो उठाया कि NSG में भारत की सदस्यता मिलनी चाहिए। इसके बाद फ्रांस, ब्रिटेन, रश्य आदि देशों द्वारा समर्थन किया और 2016 में अनेकों देशों ने इस बात की समर्थन किया है। ऐसे ही Switzerland, Australia, Brazil, Japan आदि ने भारत का घुसकर समर्थन किया है। फिरोज ने संघीय चीन ही और उसके असाम, New Zealand, Australia, Iceland ही हैं।
- चीन का कहना था है कि भारत की NSG का सदस्य बनाया जा सकता है लेकिन भारत ने NPT, CTBT पर हस्ताक्षर नहीं किये हैं और आधा ही पाकिस्तान की भी सदस्य बनाना चाहिए। पाकिस्तान ने 19 मई, 2016 की NSG की सदस्यता के लिए अप्लाई किया, जिसका समर्थन चीन व तुकी ने किया।

- भारत का कहना है कि फ्रांस और देशों ने भी NPT पर हस्ताक्षर लिया है किर भी NSG का सदस्य है, तो फिरोजीयों का NPT का तरफ उन्हीं नहीं हैं साथ ही आरत मह भी कहता है कि भारत ने एक जिमीदार शहर की अभियान शैक्षणिक देशों में से है।

ASEAN

- ASEAN की स्थापना 8 अगस्त 1967 की हुई।
- Headquarter → Jakarta, Indonesia
- 10 देश → Indonesia, Malaysia, Philippines, Singapore
Thailand, Brunei, Myanmar, Cambodia, Laos
Vietnam.

Asean के three pillars में से - objectives

- (1) Asian Political और सुरक्षा सहयोग करना
- (2) Asean ए आर्थिक समूदाय के रूप में विकास करना
- (3) सामाजिक तथा संस्कृतिक समूदाय बनना।

Asean के सामने पुनर्गठन:-

- (1) क्षेत्रीकृष्ट देश अद्भुत ताकतपर ही क्षमजीर हैं
eg. Singapore → Development के अभियान हैं
म्यामार गरीब के हैं
- (2) क्षुद्र देशों में राजनीति ही ने क्षुद्र देशों में लोकतंत्र [विचारणाओं का संघर्ष]
eg. Brunei → राजनीति, एवं जन्म में लोकतंत्र
- (3) देशों के बीच में सीमा के विवाद हैं। [eg. भारतीया विधिनाम]

* Asean + 3 [Asean Countries + China + Japan + South Korea]

Korea

* Asean + 6 [Asean Countries + (China + Japan + South Korea) + (India + Australia + New Zealand)]

* India & Asean

(1997 के बाद वार्षिक समिट)

- भारत ने Asean के साथ वित्तीय आर्थिक वर्ती 1997 के शुरू की।
- 2003 में दोनों की बीच में free trade agreement पर sign हुए जो लागू हुआ 2010 में।
- 2012 में दोनों के विभिन्न रूप से वार्षिक वर्तीओं का आयोजन घरेंगे किया एवं पहले वार्षिक स्तर की आरंभिक की गई।
- 2014 में भीड़ी जी के द्वाय "Act east Policy" घोषित की गई।
- अभी धरम दी में 10-14 November 2017 की भारत एवं Asean के अवधीन का 25वाँ वर्ष celebrate किया गया। जिसमें 15 दोस्त विदेशी समीक्षन आयोजित किया गया। इस 25 वर्ष पूरी होने की शुरूआत में भारत द्वारा 26 January 2018 (शनिवार दिप्स) पर 10 दिनों की आयोजित होने का निमंत्रण किया गया।
- -इस आयोजन के बाद "विद्युती वीघना-पत्र" जारी किया गया। जिसमें सामुद्रिक शुरूका, Blue economy, स्थानीय व्यापक आर्थिक सांकेतिक आपदा आदि पर सहयोग किया जाए। इनके लिए उपलब्ध।

- दीनी ने 2019 की "आरत - Asean परिवर्तन लें मानवी की दृष्टिकोण"

16/05/2018 Scanned By Kanhaiya Lal

(137)

* Asean की उपभोगिता:-

- Act east Policy के साथ ↑
- भारत अपने कुस्तियापार का 4 घंटे स्थान Asean की स्थिता है।
तो तब भारत, Asean के कुस्तियापार का 7 घंटे स्थान है।
- भारत में 99% FDI से Singapore से आती है।

European Union

- इसकी स्थापना में कई संघीयों का योगदान माना जाता है।
- 1958 की "वीम संधि" द्वारा राजनीतिक स्वरूप दिया गया।
- "मार्केट संधि" द्वारा 3 स्तरों बनाये गये - ① आर्थिक समुदाय
 - ② सुरक्षा समुदाय
 - ③ आंतरिक व्यापार मामले
- "कोरिनेन संधि" (1993) द्वारा EU को "मुक्त और आपागमन" का प्राप्त होना किया गया जिसमें UK ने आज छोड़नी चाही दिया।
- 1999 में Common Currency बनाई गई इसकी भी UK ने छोड़ दी दिया।

23 June 2016 :-

Brexit [UK का बाहर निकलना]

- समयावधार :-
- Spain एवं Greece की अर्थव्यवस्था बिल्कुल चुकी थी भूरीफूर्ह युनियन स्लैपला करना पाहता था लेकिन ब्रिटेन और जर्मनी इसके लिए ठैमर नहीं थे।
 - EU के सभी देशों की एक ऐसी आर्थिक नीति नहीं है।
 - East यूरोप के लोग U.K., तथा जर्मनी में युक्ति कर रहे हैं।
 - द्वितीय वार्षाधी
 - प्रैस्ट तथा बेल्जियम में कुछ रही आंतरक्षणीय गतिविधियाँ जिस प्रणाली यह अप था कि आर्द्धेशी में भी उच्च गतिविधियाँ न होनी लगी।

- 23 June 2016 के मतदान में 51.9% लोगों ने मतदान, बाहर निकलने के लिए जिस प्रबलि बाकीमांडे साथ रहने के लिए (ब्रॉकेंड वाले बाहर निकलना तथा इकॉलैंड के साथ रहने के) दोनों काशन इकॉलैंड के लोग छिट्ठे से बाहर निकलने का चाहते हैं।
- बाहर निकलने के लिए EU के Article 50 में जल्द जमा हुए कि 2 साल का समय दिया दी गया। March 2017 में प्रस्ताव रखा जाया था और March 2019 में पूरा होगा।

* EU पर उमाप :-

④ UK के बाहर निकलने से कोई अधिक प्रश्न पड़ने लाला नहीं हैं। UK ने पहले से ही ब्रिटेनियन संघीय का दी हिस्ता नहीं था और उन्हींने "पूरी" (Currency) की स्वीकारता थी। याथ से EU का सबसे तकरीबन कीरा जमीनी EU के पक्ष में है।

* UK पर प्रभाव :-

- UK पर कुछ सकारामंड फ़ाप होंगे - जर्ब घटेगी, migration नहीं जारी जी ज्वारीज्जता से मुक्ति मिलेगी।
- तीव्र वही जाकाशमंड प्राप्त में UK की अन्तर्राष्ट्रीय जगत में दबे जाएंगे। अब UK की EU से अपनी अपने अपने से ज्वारीज्जता बनाने पड़ेगा। याथ से UK, EU के जीर्णित्य से फ़र दूर नहीं जाएगा।

* भारत पर उच्चाप्रकृति

भारत के अधिकतम कामलिय UK में है। अब भारत की अपनी कामलिय और देशों में ही खोलने पड़ेगी लेकिन वही भारत की ओर अपनी विधिव्यवस्था की सभी देशों के साथ बनाने का मौका मिलेगा।

* SAARC

- 1985, 8 December, में नेपाली के हारा पद संगठन बनाया गया।
- 2005 में एक दिवा और सदस्य बना → अफगानिस्तान।
- SAARC एक शारीरिक संगठन है इसमें सभी देशों के साथ बैठक एवं बैठक एवं कार्य किया जाता है।
- SAARC की प्रधान पर्षी की सफलता की दिनें हैं।

SAARC Food Bank, SAARC द्वारा एप्रैल 2004 में स्थानीक नहीं बनाया गया था।

- लैंडिंग सार्क एवं सफल संगठन द्वारा नहीं किया जाता है। इसकी आपसी उत्तिवृद्धि बहुत हावी है। Eg. भारत - पाक जैसे
- भारत EU के द्वारा आपस में 60%, का व्यापार करते हैं तथा Asia में 25% तथा सार्क के पास 5%, का व्यापार करते हैं।

(142)
16/05/2018 Scanned By Kanhaiya Lal

Shanghai Cooperation Organization (SCO)

26 April 1996 को चीनी ने मिलकर Shanghai's जारी

→
China, Kazakhstan, Kyrgyzstan,
Russia, Tajikistan

2001 में Member → Uzbekistan जारी हुआ

- इसका नाम SCO (Shanghai coop. org) हो गया।

- पहली बार में India, Pakistan इसके Member बन गये।

* SCO का क्षेत्र :-

- संचार
- Power sector की सहमति
- आर्थिक विकास की सीधारना
- Drug के कृतियापाट की रोकना

* भारत का SCO की सदस्यता मिलने से निल लाभ होगी।

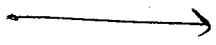
- 1) भारत की अपनी आपूर्यकरता की दृष्टि से सहायता मिलेगी।
- 2) भारत की व्याय में दृष्टि होगी।
- 3) भारत का दापा अन्य संघठनों में मजबूत होगा।

2003

BRICS

2010

BRIC



BRICS

Brazil, Russia, India, China

Brazil, Russia, India, China

New Member → South Africa

→ 9th Summit of BRICS at 3-5 September 2017.

China & Xiamen

* BRICS के विश्व की विकास पर केंद्र माना गया है
 अमेरिका में विवरण की बड़ी अविवादित और Brexit के बाद
 EU में मंदी का दौर चल रहा है

* समस्या में है कि BRICS से जुड़ी सम्बांधी का क्षुकाप
 पीन की ओर ज्यादा है जो कि कल्पित पिरस्फर के समर्थन
 हुआ है।

BIMSTEC

[Bay of Bengal Initiative for Multi-Sectoral Technical and Economic Cooperation]

- इसकी स्थापना 6 June 1997 की हुई।
- पर्यावरण क्षेत्र में निम्न हैं:- Bangladesh, Bhutan, Burma, India, Nepal, Sri Lanka, Thailand.

→ Act east Policy तथा पड़ोसी देशों के साथ सभी cooperation अपनी आगामी वर्षों

Mekong - Ganga Cooperation [MGC]

- यह कन्फ्रेन्सी से भूमि के मुद्रण विकास होगा और मैकार्डिंग। इनसे भूमि देवी के लिए पहले संगठन बनाया गया।
- पहले संगठन 10 Nov, 2010 की बनाया गया।
- 6 देशों के सदस्य Member हैं → India, Thailand, Myanmar, Cambodia, Laos, Vietnam.

67-20

- 20 देशों का संगठन।
- जिवर्ष की उमुख्य देशों का संगठन है, जो भूमि अधिवेष्टन के लिए अधिवेष्टन करते हैं।
- कलकत्ता उद्घाटन 1999 में हुई थी।
- कलकत्ता उद्घाटन विकसित एवं विकासशील अधिवेष्टनों की एक हस्तिर का समीप आना है।

* परमाणु कार्यक्रम से जुड़ी संस्थाएँ

(146) 16/05/2018 Scanned By Kanhaiya Lal

- NSG - NICR.
- Australia Group
- Wassenaar Group
- MTCR [Missile Technology control regime.]
 - 1987 में परमाणु कार्यक्रम की शीक्षण के लिए यह संस्था बनायी गयी।
 - यह संस्था 500 kg वजन तथा 300 km तक के मिसाइल उत्पादन की तीव्रता अनुमति देती है, इससे अधिक की नहीं।
 - 27 June 2016 की भारत बख़तार सदस्य ने गया कि जितनी 20 पट बख़ता 85% सदृश बना।
 - बख़ता सदृश बनी है।
- Australia Group
 - 1985 में यह संगठन बनाया गया।
 - यह संगठन द्वारा चलायी जा रही परमाणु कार्यक्रम की शीक्षण के लिए बनाया गया था।
 - यह संगठन Chemical, Biological weapon की रोकता है।
- Wassenaar Group: -
 - Wassenaar समस्या 1996 में की गई थी। और यह व्यक्त्य नियन्त्रण की तीव्रता की गई थी।

→ श्री काल व्यपरस्था का उद्देश्य था → विधन के transfer की रीकॉर्ड
 - विधन के दोहरे अपयोग की शीरिज़ (Resale)

— भारत इष्टका श्री member बन गया है।

KanhaiyalalKhichi@gmail.com

KanhaiyalalKhichi@gmail.com